वर्ष-31, अंक- 260, पृष्ठ-12 | असाढ़ शुक्ल पक्ष 12, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
सोमवार
07 जुलाई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

एक नजर

बज्रपात से एक की मौत

कुन्दा (चतरा)। थाना क्षेत्र के मरगड़ा पंचायत अंतर्गत टिटहीभरगांव निवासी अनिल गंझू की मौत बज्रपात से हो गई है। परिजनों ने बताया कि अनिल गंझू बकरी का चारा लाने के लिए जंगल गया था। चारा लेकर लौट ही रहा थे की तभी बारिश होने लगी, बचने के लिए पिपरघोट जगह के पास महुवा के पेड़ के नीची छुपा था। तभी अचानक से बज्रपात हो गई, जिससे उनकी मौत हो गई।

भारत ने इंग्लैंड को 336 रन से हराया

एजबेस्टन (आईएएनएस)। भारत ने एजबेस्टन टेस्ट जीत लिया है। इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन उसकी पूरी टीम दूसरे सत्र में ही 271 रन पर सिमट गई और भारत ने 336 रन से मैच जीत लिया। आकाश दीप ने दूसरी पारी में छह विकेट और मैच में कुल 10 विकेट लिए। रनों के आधार भारत की इंग्लैंड के खिलाफ यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ अब दोनों टीमें सीरीज में 1-1 की बराबरी पर आ गई हैं। तीसर मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

(विस्तृत खबर खेल पेज पर)

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

आज / कल

भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा रथ पर सवार होकर रविवार को मौसीबाड़ी से जगन्नाथपुर मुख्य मंदिर पहुंचे। इसे घुरती रथयात्रा कहा जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी।

फुलबसिया रेलवे कोयला साइडिंग पर गोलीबारी

बालूमाथ। जिले के बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत फुलबसिया रेलवे कोयला साइडिंग के पास खड़ी हाइवा में अपराधियों ने आग लगा दी। इस दौरान अपराधियों ने गोलीबारी भी की और पर्चा फेक कर घटना की जिम्मेदारी भी ली है। घटना शनिवार की देर रात की है। घटना स्थल पर पर्चा राहुल दुबे के नाम पर छोड़ा गया है। पर्चा में कोयला के कारोबार से जुड़े लोगों को रंगदारी देने के लिए धमकी दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की रात कुछ अपराधी रेलवे साइडिंग के पास पहुंचे और वहां पास में खड़े एक गाड़ी में आग लगा दी। अपराधियों ने इस दौरान फायरिंग भी की और पर्चा छोड़कर वहां से फरार हो गए। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद बरियातू थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची। पुलिस पूरे मामले की छानबीन करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की।

मुहर्रम जुलूस के दौरान झड़प, दो लोग हुए घायल

रास्ता बदलने को लेकर हुआ विवाद : डीआइजी

- घटना स्थल पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात

नवीन मेल संवददाता

मेदिनीनगर। पाटन थाना क्षेत्र अंतर्गत पालहे ग्राम में रविवार को मोहर्रम जुलूस के दौरान दो पक्षों में भिड़ंत हो गयी। आपसी विवाद होने के बाद एक पक्ष से दो लोग घायल हो गएं। सभी घायलों को आननफानन में मेदिनीनगर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

शेष पेज 11 पर...

पंसस गौतम सिंह हुए घायल

पालहे निवासी सह पंसस सदस्य दो पक्षों के भिंड़त में घायल हो गये। वहीं उनके बड़े भाई भी घायल हो गए हैं। दोनों के शरीर में कई जगह गंभीर चोट आई हैं। दोनों का इलाज मेदिनीनगर के निजी अस्पताल में चल रहा है।

सरकारी नौकरी की लालच में बेटे की हत्या सौतेली मां और भाई समेत चार गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सरकारी नौकरी की चाह में एक निर्दोष बेटे की हत्या कर देने वाला सनसनीखेज मामला गुमला जिले के बिशुनपुर से सामने आया है। पुलिस ने विवेक उरांव हत्याकांड का खुलासा करते हुए उसकी सौतेली मां, सौतेले भाई सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नौकरी पाने की लालच में साजिशपूर्वक गला दबाकर विवेक की हत्या की और उसे हार्ट अटैक का रूप देने की कोशिश की थी।

जांच में यह सामने आया है कि विवेक की सौतेली मां बसंती देवी और सौतेला भाई ऋतिक उरांव अपने साथियों के साथ मिलकर नौकरी हथियाने की साजिश रच रहे थे। उन्होंने विवेक को रास्ते से हटाने के लिए पहले योजना बनाई और फिर साजिश के तहत उसका गला घोंटकर हत्या कर दी। बाद में सबूत मिटाने के लिए इसे हृदयाघात (हार्ट अटैक) का रूप देने की कोशिश की गई।

बिशुनपुर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित जांच की। मृतक के शरीर पर संदिग्ध निशान और परिवार के बयान में विरोधाभास मिलने पर पुलिस को शक हुआ। गहन पूछताछ के बाद सच्चाई सामने आई और चार लोगों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

यह मामला एक बार फिर दशार्ता है कि सरकारी नौकरी की अनुकंपा नीति में पारदर्शिता और निगरानी की कितनी अधिक आवश्यकता है। विवेक उरांव जैसे युवाओं को, जो अपने पिता की असमय मौत के बाद घर की जिम्मेदारी उठाने को तैयार थे, परिवार की लालच और साजिश का शिकार होना पड़ा। पुलिस ने तत्परता दिखाकर इस नृशंस हत्याकांड का पदार्फाश किया, लेकिन यह समाज के लिए एक गहरी चेतावनी भी है।

अनुकंपा नियुक्ति बनी हत्या का कारण

पुलिस अधीक्षक के अनुसार, मृतक विवेक उरांव के पिता विनोद उरांव सरकारी शिक्षक थे जिनका कुछ माह पूर्व निधन हो गया था। स्वाभाविक रूप से अनुकंपा के आधार पर विवेक को शिक्षक पद पर नौकरी मिलने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी। लेकिन इसी बीच परिवार के भीतर लालच और ईर्ष्या का ऐसा जहर फैला कि उसने जानलेवा रूप ले लिया।

गिरिडीह में मुहर्रम जुलूस के दौरान हादसा, एक की मौत, चार घायल

गिरिडीह। गिरिडीह जिला के चाकोसिंघा गांव में रविवार को मुहर्रम के जुलूस में एक बड़े ताजिया के 11 हजार वोल्ट के बिजली तार के संपर्क में आ जाने के कारण करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कम से कम चार अन्य लोग झुलस गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को गिरिडीह के अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

गिरिडीह के उपायुक्त रामनिवास यादव ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की ओर से तत्काल सहायता उपलब्ध कराई गई।

बताया गया कि जिले के थोड़थंभा ओपी क्षेत्र में रविवार की दोपहर परंपराओं के अनुसार ताजिया के साथ जुलूस निकाला गया था। एक बड़े ताजिया को लोगों ने जैसे ही कंधे पर उठाया, वह 11 हजार वोल्ट के बिजली तार के संपर्क में आ गया। ताजिया उठा रहे तमाम लोगों को जोरदार झटका लगा। पांच-छह लोग जमीन पर गिरकर छटपटाने लगे। इनमें से एक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद जुलूस में अफरातफरी मच गई। पूरे इलाके में मातम पसर गया।

मुहर्रम जुलूस के दौरान करंट से हादसे की यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले साल इसी जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के चकमंजो गांव में मुहर्रम पर निकाले गए ताजिया में करंट प्रवाहित होने से हैदर अंसारी नामक एक युवक की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य झुलस गए थे। इसके पहले वर्ष 2023 में बोकारो जिले के पेटरवार में मुहर्रम के जुलूस के दौरान 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन बिजली के तार से ताजिया सट जाने से फैले करंट की वजह से चार लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 10 से अधिक लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे।

खदान हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को मिलेगा 2-2 लाख

- सीसीएल प्रबंधन 1.70 लाख व प्रखंड प्रशासन प्रति व्यक्ति 30 हजार देगा

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। सीसीएल कुजू क्षेत्र के करमा परियोजना के खुली खदान में कोयले के अवैध खनन के दौरान चाल धंसने से चार लोगों की मौत के बाद मुआवजा की मांग को लेकर जारी प्रदर्शन करीब 15 घंटे बाद समाप्त हो गई। इन दौरान जारी वार्ता में सीसीएल प्रबंधन की ओर से मृतक परिवार को 1 लाख 70 हजार व प्रखंड प्रशासन की ओर से पारिवारिक लाभ के तहत 30 हजार रुपए देने का आश्वासन दिया गया। इस बीच, प्रबंधन ने मृतकों के परिवार को नगद एक लाख रुपया दिया। वहीं, वार्ता में 6 माह के अंदर आउटसोर्सिंग कार्य में प्राथमिकता के आधार पर वैकल्पिक रोजगार के रूप में मृत व्यक्ति के परिवार के एक-एक सदस्य को रखने का निर्णय लिया गया। इसके बाद सभी मृत व्यक्तियों के शव का अंत्यपरीक्षण कराने के बाद अंतिम संस्कार कराया गया। वहीं, घायलों को सीसीएल के अस्पताल इलाज कराने की सहमति बनी। वार्ता में प्रबंधन की ओर से परियोजना पदाधिकारी रामेश्वर मुंडा, कार्मिक प्रबंधक अविनाश श्रीवास्तव, संजय सिंह, ग्रामीणों की ओर से सांसद प्रतिनिधि राजीव जयसवाल, जनता मजदूर संघ के क्षेत्रीय सचिव जगदीश महतो, जेएलकेएम के रवि महतो, प्रभुदयाल महतो, रूपा महतो, परमेश्वर कुमार, राजू बेदिया, बुधन मांझी शामिल थे। ज्ञात हो कि करमा खुली खदान में अवैध खनन के दौरान शनिवार को सुगिया व महुआ टुंगरी के रहने वाले निर्मल मुंडा (40 वर्ष), वकील करमाली (50 वर्ष), इम्तियाज अंसारी उर्फ लल्लू (40 वर्ष) व रामेश्वर मांझी (40 वर्ष) की मौत हो गई थी। मृत इम्तियाज की पत्नी रोजिदा खातून, नान्हू महतो धनबेड़वा, सरिता देवी व अरुण टुड्डू घायल हो गए थे।

कुजू जीएम, सिक्योरिटी इंचार्ज और सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी

रामगढ़। सीसीएल कुजू प्रक्षेत्र में करमा परियोजना में चाल धंसने की घटना की जांच रामगढ़ जिला प्रशासन की ओर से की गई। इस जांच में यह पाया गया कि सीसीएल के पदाधिकारियों की लापरवाही की वजह से कोयला का अवैध खनन हो रहा था। इस दौरान खनन करने से चाल धंस गई और चार ग्रामीणों की मौत हो गई। सीसीएल अपने प्रक्षेत्र की सुरक्षा करने में ना सिर्फ नाकामयाब रहा, बल्कि घोर लापरवाही भी बरती गई। मांडू अंचल अधिकारी विमल कुमार सिंह के अनुसार, कुजू जीएम, सिक्योरिटी इंचार्ज, सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ कुजू ओपी में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

एआई के युग में हर सप्ताह टेक्नोलॉजी होती है अपडेट

- ग्लोबल इंस्टीट्यूशन का 80 वर्ष में एक बार भी अपडेट न होना स्वीकार्य नहीं है

रियो डी जेनेरियो (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों पांच देशों की यात्रा पर हैं। वे अपनी यात्रा के चौथे पड़ाव में ब्राजील पहुंचे हैं, जहां उन्होंने रियो डी जेनेरियो में आयोजित 17वें 'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन में शिरकत की। उन्होंने कहा कि आज एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के युग में हर सप्ताह टेक्नोलॉजी अपडेट होती है, तो ग्लोबल इंस्टीट्यूशन का 80 वर्ष में एक बार भी अपडेट नहीं होना कैसे स्वीकार्य होगा। पीएम मोदी ने सम्मेलन के शानदार आयोजन के लिए ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ब्राजील की अध्यक्षता में ब्रिक्स के अंतर्गत सहयोग को नई गति और ऊर्जा मिली है, और इसके लिए राष्ट्रपति लूला की दूरदर्शिता तथा उनकी अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया के 'ब्रिक्स' परिवार से जुड़ने पर राष्ट्रपति शेष पेज 11 पर...

हमारा सपना 'भगवा-ए-हिंद' होना चाहिए : धीरेंद्र शास्त्री

- बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर ने पटना में सनातन महाकुंभ में आए लोगों को किया संबोधित

पटना (आईएएनएस)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने रविवार को कहा कि हम किसी मजहब के विरोधी नहीं हैं। अभी वर्तमान में कहीं भाषा, तो कहीं क्षेत्रवाद की लड़ाई चल रही है। कहीं जातिवाद की लड़ाई चल रही है। लेकिन, हिंदुओं को बंटने नहीं देना है। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि जातिवाद से ऊपर उठकर राष्ट्रवाद के लिए जीना चाहिए। कुछ ताकतें गजवा-ए-हिंद बनाना चाहती हैं, लेकिन हमारा एक ही सपना है कि 'भगवा-ए-हिंद' होना चाहिए। बिहार की राजधानी पटना में रविवार को सनातन महाकुंभ में आए लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, अगर धर्म पर घात हुआ, तो मैं प्रतिघात करूंगा। मैं हिंदू हूं और हिंदुत्व की बात करूंगा। उन्होंने कहा, सनातन मतलब शाश्वत, सनातन मतलब यही सत्य है। सनातन मतलब हिंसा नहीं, अहिंसा, सनातन का मतलब है पूरे विश्व का विश्वगुरु, हर हर महादेव। बिहार के पागलों, एक बात गांठ बांध लो, हम सब हिंदू एक हैं। उन्होंने कहा, हम किसी मजहब के विरोधी नहीं हैं। न हमें मुसलमानों से दिक्कत है, न हमें ईसाइयों से दिक्कत है। हमें उन हिंदुओं से दिक्कत है, जो जातिवाद के नाम पर हिंदुओं को लड़ाते हैं। हम सब हिंदू एक हैं, एक समान हैं। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने साफ कहा कि हम पटना राजनीति के चक्कर में नहीं आए हैं, बल्कि 'रामनीति' के लिए आए हैं। हम किसी भी पार्टी के नहीं हैं, जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, उस-उस पार्टी के हम हैं।

इंडिया

चमकती रौशनी से बुझते प्राकृतिक जुगनू

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

हजारों साल गुलामी में बिताने के बाद हमारी स्थिति यह हो गई है कि हम अपने देश की हर चीज के प्रति हीन भावना से ग्रस्त हो गए हैं। दूसरी तरफ हमारे अंदर सबसे अलग सबसे चमकदार का एक अलग सा जुनून सवार है जिससे सरकारें भी अछूती नहीं हैं। शादी विवाह से लेकर सरकारी सामरोह तक बिना तेज रोशनी के सजावट के पूरे नहीं होते।बहुत बार रन बिरंगी रौशनी से स्वनिल माहौल बनाने के लिए पेड़ पौधों को बेदर्दी से काटा भी जाता है जो वास्तव में हमें सुकून देते हैं।कितना भी खराब मौसम हो भीषण गर्मी ही क्यों न हो हमें पेड़ों की छांव में अच्छा लगता है क्यों जानने की आवश्यकता ही नहीं है क्योंकि उससे दिखावा नहीं किया जा सकता। हाल ही में महाराष्ट्र के कुछ गांवों में जुगनू का उत्सव मनाया गया। वहां के लोग इस बात को जान चुके हैं कि जुगनू महज रोशनी करने वाला कीट मात्र नहीं है, बल्कि यह खेती-किसानी का अद्भुत मित्र कीट है। कृत्रिम प्रकाश की उपस्थिति में जुगनुओं को तेज रोशनी करने की कोशिश में और संभावित साथियों द्वारा उनके संकेतों पर ध्यान देने में अधिक ऊर्जा खर्च करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसका असर उनकी प्रजनन क्षमता और संख्या पर पड़ रहा है। नेशनल सेंटर फॉर कोस्टल रिसर्च के शोधकर्ता रमेश चतरगड्डा ने आंध्र प्रदेश के एक खास क्षेत्र में एब्सकॉन्डिटा चिनेंसिस जुगनू प्रजातियों की आबादी को रिकॉर्ड करने का प्रयास किया। बरनकुला गांव में 1996 में 10 मीटर क्षेत्र में जुगनुओं की संख्या 500 थी, जो 2019 में 10-20 रह गई।यह कृत्रिम प्रकाश प्रवासी पक्षियों के लिए जानलेवा है। कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर काइल हॉर्टन के नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित शोध में बताया गया है कि लंबी दूरी तय कर थके हुए पक्षी तेज रोशनी वाले शहरों में आराम की जगह या भोजन तलाशने में विफल रहते हैं और उनकी जान भी चली जाती है।कृत्रिम प्रकाश, खासकर रात में, मानव स्वास्थ्य,

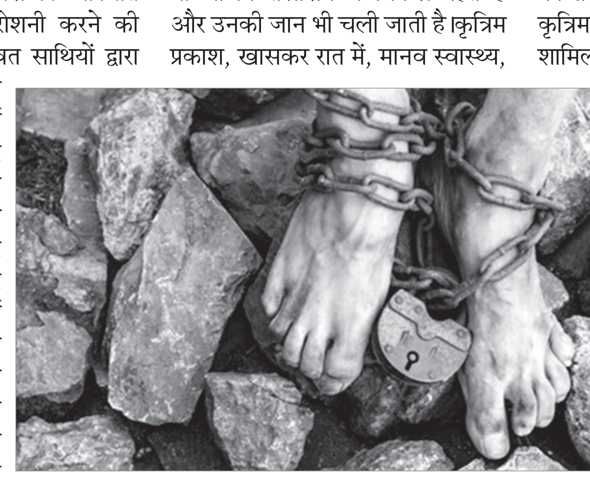

वन्यजीवों व पर्यावरण को कई नुकसान पहुंचा सकता है, जिसमें नींद की समस्या, मोटापा, हृदय रोग, कैंसर का खतरा और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव शामिल हैं। दुनिया में रहने वाले अधिकांश जीवों की तरह इन्सान भी सर्केडियन रिदम या लय, जिसे शरीर की आंतरिक घड़ी भी कहते हैं, का पालन करते हैं, यानी जैविक घड़ी के मुताबिक जागने-सोने का एक तंत्र होता है। यह तंत्र काफी कुछ आंखों में मौजूद फोटोरिसेप्टर के कारण संचालित होता है। कृत्रिम प्रकाश, जिसमें अब मोबाइल भी शामिल है, इस नैसर्गिक तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है। इससे मेलाटोनिन का उत्पादन कम होता है, जो नींद के लिए जरूरी है। नींद की कमी और सर्केडियन लय में गड़बड़ी अवसाद, चिंता, मोटापा व चयापचय के जोखिम को बढ़ा सकती है। लंबे समय तक नकली रोशनी में बैठने से सिरदर्द, थकान आदि लक्षण पैदा हो सकते हैं। प्रकाश का हानिकारक प्रभाव कुछ कारकों पर निर्भर करता है। यदि प्रकाश क्रोमोफोर तक पहुंचता है, जो कोशिकाओं में मौजूद अवशोषित करने वाले अणु होते हैं, तो दृश्यमान और यूवी प्रकाश उन कोशिकाओं के भीतर रासायनिक प्रतिक्रियाएं उत्पन्न कर सकते हैं। क्रोमोफोर विशेष रूप से त्वचा और आंख की कोशिकाओं में प्रचुर मात्रा में होते हैं। जब अवरक्त प्रकाश पदार्थ को प्रकाशित करता है, तो यह उसे गर्म कर सकता है। शरीर ने तेज या गर्म रोशनी के खिलाफ कई रक्षा तंत्र विकसित किए हैं। ये जैविक और व्यावहारिक, दोनों हैं, जिनमें दर्द की प्रतिक्रिया, पलक झपकाना, पुतली का सिकुड़ना व तेज रोशनी के प्रति स्वाभाविक घृणा शामिल है। एंटीऑक्सीडेंट और त्वचा में पाए जाने वाले पिगमेंट जैसे अणु विकिरण के कारण होने वाले हानिकारक अणुओं के अत्यधिक स्तर को नष्ट कर प्रतिकूल रासायनिक प्रतिक्रियाओं को धीमा कर देते हैं।आज जब सारी दुनिया जलवायु परिवर्तन के विभिन्न कुप्रभावों से रूबरू हो रही है, ऐसे में प्रकाश-प्रदूषण अब भी लगभग बहुत कम चिंता का विषय है। अधिक रोशनी के लिए अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है और उससे अधिक कार्बन उत्सर्जन होता है, इस चमकती रोशनी के ही स्याह पक्ष हैं, जिसके बारे में लोगों को जागरूक करना जरूरी है। अगली बार कहीं जुगनू दिख जाए तो खुद को भाग्यशाली समझिएगा क्योंकि ये हर जगह नहीं मिलते। जुगनू की छोटी सी रौशनी हमारे निराशा भरे मन में आशा भर देती है।

मुहर्रम पर दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, श्रद्धा व अकीदत से निकला ताजिया जुलूस

● हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रतीक बना पथरा और मरहा गांव, शांति व सौहार्द के माहौल में मनी इमाम हुसैन की शहादत की याद

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड के पथरा और मरहा गांव में मुहर्रम पर्व पर गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल देखने को मिली, जहां हिंदू समुदाय के लोग भी ताजिया और सिपर लेकर जुलूस निकालते हुए इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हैं। यह परंपरा लगभग 70 वर्षों से चली आ रही है। पथरा गांव के हेमंत कुमार और किशोर कुमार ने बताया कि उनके पूर्वजों से ही यह परंपरा निभाई जा रही है। वहीं मरहा गांव में भी इसी तरह की साझी परंपरा है, जो हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रतीक है। रविवार को दसवीं मुहर्रम के मौके पर हुसैनाबाद में शिया समुदाय द्वारा सदर इमामबाड़ा से जुलूस-ए-अजा निकाला गया। गांधी चौक पहुंचने पर मौलाना सैयद इब्ने अब्बास ने तकरीर में इमाम हुसैन की कुर्बानी और उनके साथियों की वीरता को याद किया। जुलूस के दौरान लोगों ने मार्सिया और मर्सिया पढ़ा और गांधी चौक पर खूनी मातम करते हुए कर्बला की ओर कूच किया। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहा।

भाई बिगहा इमामबाड़ा में हुई चिरागन और पहलवानी सिपड़ की ऐतिहासिक मिलनी

हैदरनगर। मुहर्रम की दसवीं तिथि पर रविवार को हैदरनगर के भाई बिगहा स्थित इमामबाड़ा परिसर में बड़की चौकी (चिरागन और पहलवानी सिपड़) की पारंपरिक मिलनी का आयोजन हुआ। यह आयोजन सांप्रदायिक सौहार्द और सद्भाव की मिसाल बना। मिलनी के दौरान एक ओर से पहलवानी सिपड़ स्व. रामरतन साव के चौक से उनके पुत्र उमेश साव द्वारा लाया गया, जबकि दूसरी ओर से मुस्लिम समुदाय द्वारा चिरागन सिपड़ लाया गया। इस दृश्य को देखने बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हुए। समाजसेवी सज्जू खान, राजू खान, अशरफ हसन, शमीम खान और मो. रशीद ने बताया कि यह परंपरा सदियों पुरानी है, जो सामाजिक समरसता को मजबूत करती है। मजलिस के बाद सभी कमेटी सदस्य अपने गांव लौट गए। देर शाम भाई बिगहा स्थित कर्बला मैदान में विभिन्न गांवों के अखाड़ों द्वारा पारंपरिक पहलाम किया जाना प्रस्तावित था। इस अवसर पर दिनभर चहल-पहल रही। हालांकि उमस भरी गर्मी के बीच सुबह आठ बजे से ही क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद रही, जिससे लोगों को भारी कठिनाई हुई।

मुहर्रम के अवसर पर हुसैनी लश्कर ने की शरबत और पानी की सेवा

हैदरनगर। मुहर्रम की दशवीं तिथि पर हैदरनगर के भाई बिगहा स्थित इमामबाड़ा परिसर में जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत करते हुए हुसैनी लश्कर (खान कमेटी) के लोगों ने शरबत और पानी की व्यवस्था की। उमस भरी गर्मी के बावजूद कमेटी द्वारा की गई यह सेवा समाज में आपसी सद्भाव और सेवा भावना का संदेश देती है। सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक मो. इद्रीश खान और समाजसेवी सज्जू खान ने बताया कि पिछले दस वर्षों से यह सेवा निरंतर की जा रही है और इसका उद्देश्य मजलिस में आने वाले सभी लोगों को राहत पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन लोगों में आपसी भाईचारा और सामाजिक समरसता को प्रगाढ़ करते हैं। आयोजन में शामिल लोगों का स्वागत कर उन्हें भविष्य में भी आमंत्रित किया गया।

शांति व सद्भाव के साथ मनाया गया मोहर्रम

ऊंटारी रोड। पलामू जिले के विभिन्न क्षेत्रों में रविवार को मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। शहादत दिवस के रूप में मनाए गए इस अवसर पर ताजिया जुलूस निकाले गए, जिसमें युवाओं ने लाठी-तलवार से हैरतअंगेज करतब दिखाए। ऊंटारी रोड और पांडु के विभिन्न मोहल्लों से निकले जुलूस करबला पहुंचकर संपन्न हुए। ताजिया जुलूस में अखाड़ा कमिटी के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। सुरक्षा के मद्देनजर ऊंटारी रोड अंचलाधिकारी वासुदेव राय, बीडीओ श्रवण कुमार भगत, थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दूबे के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा। जुलूस के शांतिपूर्ण संचालन में 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, सचिव अनुज पासवान, समाजसेवी व जनप्रतिनिधियों का योगदान रहा।

नौडीहा प्रखंड के सभी जगह पर शांति पूर्वक से मनाया गया मुहर्रम

नौडीहा। मुहर्रम का पर्व शांति पूर्वक मनाया गयर। नौडीहा के किसी क्षेत्र में कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। वर्षा होने की परवाह न कर धमानुर्रागी कार्यक्रम का अंतिम पड़ाव तक अंजाम देने को उत्सुक देखे गए। उनके उत्साह को बढ़ावा देने रायफल धारी भी लाठी पर करतब दिखाते थाना प्रभारी अमित कुमार नजर आ रहे है। उन्होंने बताया चप्पे चप्पे पर प्रशासन मुस्तैद है। प्रशासन की चाक चौबंध व्यवस्था शांति का प्रतीक माना जा रहा है। विधि व्यवस्था संधारण के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है। सफल कार्यक्रम के लिए नौडीहा पुलिस प्रशासन एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी जगह पर शांति समिति कायम किया।

छतरपुर से निकाला गया मोहर्रम का मातम जुलूस

छतरपुर (पलामू)। छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र सहित प्रखंड के आसपास के गांव से मोहर्रम का मातम जुलूस निकाला गया। या अली या अली, जा शहीदे कर्बला के नारों से गुंजा छतरपुर खेन्द्रा खाटिन बसनाराज मसीहानी रामगढ़ मंदेया और छतरपुर के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने तजिया और सिपड निकाल कर सड़क पर करतब दिखाते हुए सुनार मुहल्ला मोड़ पर मिलान करते हुए बाजार परिसर में पहुंच कर करतब दिखाते हुए थाना परिसर में पहुंच मातमी जुलुस का पहलाम किया गया। इस दौरान पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था रही। व्यवस्था को सफल बनाने में डीएसपी अवध कुमार यादव, प्रखंड विकास पदाधिकारी आशीष कुमार गुप्ता, अंचलाधिकारी उपेंद्र कुमार, पुलिस निरक्षक द्वारिका राम, थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद राहुल कुमार, सहित पुलिस के जवान शामिल थे।

शांतिपूर्ण माहौल में मोहर्रम पर्व संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार। पलामू नावाबाजार प्रखंड क्षेत्र आपसी सौहार्द व शांति पूर्ण माहौल में मोहर्रम पर्व संपन्न हुआ। मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा एक से बढ़कर एक आकर्षक ताजिया का प्रदर्शन किया गया। साथ हीं आकर्षक ताजिया के साथ जुलूस निकाला गया। जुलूस प्रखंड क्षेत्र के चेगौना, डाली, इटको, सोहदाग, खोढी,आका बांसा, इटको से निकल कर नावा बाजार क्षेत्र में पहुंचा। जहां सभी का एक साथ मिलान हुआ। वहीं कंडा, रबदा, बाना आदि गांव की ताजिया का बाना मिलानी महुआ के पास मिलान हुआ। साथ ही मुहर्रम जुलूस निकाली गई। साथ ही प्रखंड क्षेत्र के राजहरा कोठी गांव में भी मुहर्रम जुलूस निकाली गई। निकाली गई जुलूस में एक से बढ़कर एक ताजिया को शामिल किया गया था। लोगों के द्वारा पारंपरिक हथियारों से करतब दिखाए गए। लोगों के द्वारा या हुसैन के नाम से लोग मातम मनाते हुए सभी जगहों पर मिलान किया। जुलूस के दौरान हर जगह पुलिस प्रशासन काफी मुस्तैद थे। जगह-जगह पर पुलिस के द्वारा सुरक्षा के कड़ी इंतजाम किया गया था। सामाजिक संस्थाओं के द्वारा जुलूस में शामिल लोगों के लिए पानी शरबत की व्यवस्था भी की गई थी। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी रेनू वाला, थाना प्रभारी संजय कुमार यादव, सब इंस्पेक्टर विपिन कुमार सिंह, उप प्रमुख मीर खुर्शीद आलम, जमालुद्दीन खां, पूर्व जिला पार्षद अनुज राम, कलामुदीन अंसारी, मुमताज शाह, सफिर आलम, अफताब आलम, नशीम खलीफा, मीर वारिस, वीरु दुबे, श्रवण मिश्रा, अवधेश यादव, छोटू सहित सैकड़ों लोग जूलूस में शामिल थे।

पलामू के सांसद ने रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने की उठाई मांग, रेल मंत्री को लिखा पत्र

चोपन-देवघर एक्सप्रेस, रक्सौल-रांची ट्रेन विस्तार और एलटीटी ट्रेन की नियमितता की मांग

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू प्रमंडल की रेल सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सांसद विष्णु दयाल राम ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर तीन अहम मांगों को रखा है। उन्होंने चोपन-देवघर रात्रि एक्सप्रेस की नियमित सेवा, रक्सौल-रांची एक्सप्रेस को नेपाल बॉर्डर तक विस्तार और धनबाद-एलटीटी स्पेशल ट्रेन को नियमित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सीमित रेल सेवाओं के कारण क्षेत्र का सामाजिक और आर्थिक विकास बाधित हो रहा है। झारखंड रेल यूजर्स एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताई है।

पुलिस ने पीछा कर लूटी गई पिकअप को बरामद किया, अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

▸ **एनएच 139 पर मधुवन होटल के पास हुई थी घटना, जवाबी फायरिंग में पुलिस ने टायर पर चलाई गोली**

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज (पलामू)। हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मधुवन होटल के समीप पिकअप वाहन लूट की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीछा कर लूटी गई गाड़ी को बरामद कर लिया है। घटना शुक्रवार की रात लगभग 10:39 बजे की है, जब पिस्तौल की नोक पर अपराधियों ने पिकअप (संख्या- बीआर 24 जीसी 4188) लूट ली और तूरी गांव की ओर भाग गए। सूचना पर हरकत में आई पुलिस टीम ने इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार के निर्देशन में अवर निरीक्षक धनंजय गोप, अविनाश कुमार और सशस्त्र बल के साथ पीछा किया। तेंदुई (बिहार) के पास जब अपराधियों को रोकने का प्रयास हुआ तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी वाहन के टायर पर गोली चलाई, जिससे अपराधी गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने लूटी गई गाड़ी को जब्त कर थाना लाया है। इस संबंध में थाना में कांड संख्या 84/2025 दर्ज की गई है और फरार अपराधियों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

संजीदगी के साथ निकला मुहर्रम का अखाड़ा जुलूस

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। प्रखंड व आसपास के क्षेत्रों में रविवार को हुसैनी मोहब्बत के जज्बे व संजीदगी के साथ मुहर्रम का अखाड़ा जुलूस निकाला गया। इसमें सैकड़ों अकीदतमंद शामिल हुए। हालांकि इस वर्ष लगातार 4 घंटे वर्षा होने की वजह जुलूस शाम को लेट से निकला फिर भी जुलूस को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ थी। इस अवसर पर सभी इलाके के जुलूस मेला टांड़ के प्रांगण में शामिल हुए और खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी कला का प्रदर्शन कर तरह-तरह के खेल दिखाकर लोगों को चकित कर दिया। जुलूस में शामिल लोगों ने 'तकबीर अल्लाह हो अकबर' या हुसैन का नारा बुलंद किया। गाजे-बाजे के साथ अपने-अपने क्षेत्र से जुलूस निकाला गया । जुलूस मस्जिद मोहल्ला, महावीर चौक, बस स्टैंड, क्रांति चौक के पास अस्त्र-शस्त्र खेल का प्रदर्शन करते हुए अखाड़ेधारी में जमा खिलाड़ियों ने करतब दिखाया। वहीं इमामबाड़ा में लोगों ने इमाम ए हुसैन के नाम से फातिहा किया। मौके पर समाजिक कार्यकर्ता जुम्मन मियां, शमशाद अंसारी,नौशाद आलम, मो. दिलनवाज, मो. अताउल्लाह, मो. अदनान ,शाहनवाज खान, मो. शमशाद खान, मो. समीर, नासिर, सुफियान, तमशीर, लाडला, दिलशाद खान, बाबू खान समेत सैकड़ों लोग जुलूस में शामिल थे।

मुख्य नहर में 350 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, अभी 95 आरडी तक ही पहुंचा पानी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। उत्तर कोयल परियोजना के तहत दायीं मुख्य नहर में भीमबराज से पानी का प्रवाह बढ़ाया गया है। शनिवार को जहां 243 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था, वहीं रविवार को यह मात्रा बढ़ाकर 350 क्यूसेक कर दी गई। फिलहाल झारखंड की सीमा में 95 आरडी (गेट नंबर 64 तक) ही पानी पहुंच पाया है। गेट संख्या 30 (पंचपोखरी) से पानी छोड़े जाने के बाद केवालपर (गेट 44) और फिर सिमरसोत (गेट 64) तक खेतों में

पानी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन आगे बिहार के औरंगाबाद जिले के नबीनगर क्षेत्र में दो लघु वितरणियों का निर्माण अधूरा है और लाइनिंग कार्य भी कमजोर है, जिससे जलप्रवाह वहीं रोका गया है। पानी की मात्रा अगर 1000 क्यूसेक तक पहुंची तो नहर को नुकसान पहुंच सकता है। झारखंड के किसानों को थोड़ी देर से सही, लेकिन राहत मिल रही है। वहीं बिहार के किसानों को अब भी इंतजार करना पड़ रहा है कि कब तक नहर से खेतों में पानी पहुंच सकेगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर जेएसएलपीएस दीदीयों और जलसहियाओं ने संभाला मोर्चा

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्वच्छ भारत मिशन के तहत चल रहे ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण में जलसहिया और जेएसएलपीएस दीदीयों की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। शनिवार को इन्हें मोबाइल एप पर फीडबैक अपलोड करने का प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर ब्लॉक वाश कोऑर्डिनेटर प्रेमतोष पांडेय समेत अन्य ने तकनीकी जानकारी दी। बताया गया कि शौचालय उपयोग, सफाई, कचरा प्रबंधन आदि पर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। पंचायत प्रतिनिधियों से सहयोग की अपेक्षा भी जताई गई है।

जयंती | **श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर हुसैनाबाद में भाजपाइयों ने किया नमन**

श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रेरणा के स्रोत : पवन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती को लेकर सोमवार को हुसैनाबाद में भाजपा कार्यकताओं ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। कार्यक्रम पूर्व विधायक कमलेश कुमार सिंह के आवासीय कार्यालय में संपन्न हुआ, जहां मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता पवन अग्रवाल ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि मुखर्जी द्वारा स्थापित जनसंघ की विचारधारा आज भी भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। नेताओं और कार्यकताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से पार्टी में एकजुटता और विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता बढ़ती है। मौके पर पवन अग्रवाल, योगेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, उदय विश्वकर्मा, चंदन सिंह, रंजित पासवान, विजय राजवंशी, विनय पासवान, हंसराज सिंह, रजनीश मिश्रा, पवन सिंह, रविन्द्र कांस्यकार, दिनेश सिंह, राजू ठाकुर, सागर पासवान, अश्विनी सिंह उर्फ पुनचुन, बिंदा यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

नहर चौक पर जलजमाव से यातायात बाधित

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्टेशन रोड स्थित नहर चौक पर भारी जलजमाव के कारण दोपहिया वाहनों और पैदल यात्रियों के लिए आवाजाही जोखिम भरा हो गया है। देवीधाम जाने वाले श्रद्धालु भी कीचड़ से परेशान हैं। देवीधाम रोड आज भी कच्चा है और बसों की आवाजाही से जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। वहीं, वर्षों पहले बना बस पड़ाव अब तक उपयोग में नहीं लाया गया है, जिससे वाहन इसी चौक पर रुकते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।

मोहर्रम पर निकला जुलूस, झांकियां व ताजिया रहा आकर्षण का केंद्र

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मुस्लिम धर्मावलंबियों का महत्वपूर्ण पर्व मुहर्रम के अवसर पर मेदिनीनगर में जुलूस निकालने का सिलसिला प्रारंभ हो गया जो देर शाम तक चलता रहा। मोहर्रम पर निकले इस जुलूस में ब्रदर्स हुसैन कमेटी, मोहम्मद हुसैन कमेटी, सलामे हुसैन कमिटी, शहीदे हुसैन कमेटी ,इस्लामिया नौजवान हवारी कमेटी समेत दर्जनों मोहर्रम कमेटी ने शिरकत की। इस दौरान बड़ी संख्या में शामिल कोह जुलूस में या हुसैन या अली का नारा लगाते हुए नजर आए। जुलूस के दौरान विभिन्न मोहर्रम कमेटियों द्वारा मोहर्रम इंतजामियां कमेटी और पुलिस पदाधिकारी को सम्मानित किया गया। जुलूस के दौरान विभिन्न मोहर्रम कमेटियों द्वारा आकर्षक झांकियों व ताजिया आकर्षण का केंद्र बने रहे। ताजिया जुलूस के मार्ग पर कई जगहों पर लोगों के बीच बिस्किट बिरयानी और अन्य वस्तुएं बांटी गई। इस दौरान कई सामाजिक संगठनों द्वारा शरबत पिलाने हेतु शबील भी लगाई गई थी। मोहर्रम के अवसर पर जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। जुलूस में शामिल लोगों ने इमाम हुसैन की शहादत को याद किया। जुलूस के दौरान हुसैनी पारंपरिक हथियार हाथों में लिए दिखे। अलग-अलग चौक चौराहे पर गोल बनाकर लोगों ने लाठी से गतका खेल अपनी कला का प्रदर्शन किया। जुलूस निर्धारित मार्ग सत्तार सेठ चौक, विष्णु मंदिर रोड, चावल पट्टी, घड़ा पट्टी, जैन मंदिर रोड, पंचमुहान चौक होते हुए छहमुहान पहुंच गोल जमा रहा। जुलूस के दौरान बड़ी संख्या में जिला बल के अलावा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों की तैनाती की गई थी। विभिन्न चौक चौराहे पर ड्यूटी में लगाए गए पुलिस पदाधिकारी और जवान जुलूस के दौरान चौकस नजर आए। इस दौरान शहर थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार, टीओपी वन प्रभारी इंद्रदेव पासवान, ट्रैफिक प्रभारी समायल अहमद पूरे बाजार क्षेत्र में भ्रमण कर विधि व्यवस्था दुरुस्त करते नजर आए।

डीआइजी नौशाद आलम ने दी शुभकामनाएं

मेदिनीनगर। मुहर्रम की दसवीं तारीख के मौके पर पलामू शहर के छह मुहान चौक पर तंजीमुल अंसार कमिटी दुवारा आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर पूरे झारखंडवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने कहा कि मोहर्रम का त्यौहार आपसी भाई चारा और सौहार्द के वातावरण में मनाए और झारखंड के सुख शांति और समृद्धि के लिए करबला में दुआइएं करें।महाशय, आज दस मोहर्रम, यौमे आशूरा का पवित्र दिन है। यह दिन हमें करबला की उस जंग की याद दिलाता है जिसमें हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम ने अपने परिवार और साथियों के साथ इंसाफ, सच्चाई और इंसानियत को बचाने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। मोहर्रम कोई त्योहार नहीं, बल्कि सबक है। यह हमें सिखाता है कि चाहे हालात कितने भी मुश्किल क्यों न हों, हमें झूठ, जुल्म और अन्याय के सामने कभी नहीं झुकना चाहिए। इमाम हुसैन ने प्यास और भूख सहकर भी अपना ईमान नहीं बेचा और न ही किसी के जुल्म को कबूल किया। आज के दौर में जब हम छोटी-छोटी बातों पर लड़ते हैं, नफरत फैलाते हैं, तब आशूरा का यह पैगाम हमें याद दिलाता है कि असली ताकत तलवार में नहीं, बल्कि सब्र, इंसाफ और सच के साथ खड़े रहने में है।

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की समीक्षा बैठक संपन्न

- राजा मेदिनीराय स्पोर्ट्स अवार्ड से सम्मानित हुए 27 प्रतिभागी, आत्मरक्षा शिविर जल्द

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन एवं राजा मेदनीराय तीरंदाज एकेडमी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह की समीक्षात्मक बैठक रविवार को जिला अध्यक्ष दाऊद केरकेट्टा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में बताया गया कि सम्मान समारोह के अंतर्गत एकेडमी के प्रशिक्षकों द्वारा कराटे, तीरंदाजी, मार्शल आर्ट्स, स्केटिंग और नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति को जनता ने सराहनीय प्रयास बताया। वहीं, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने वाले 27 विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिससे जिले के छात्र-छात्राओं में खेल के प्रति उत्साह और मनोबल का संचार हुआ। कार्यक्रम में 'राजा मेदि नीराय स्पोर्ट्स अवार्ड' दिए जाने को महापुरुष के सम्मान के साथ-साथ बच्चों में खेल भावना को प्रोत्साहन देने वाला कदम बताया गया। इस आयोजन के सफल संचालन में शाहिन, संतोष कुमार, सिकेन्द्र प्रजापति, दीपक गुप्ता, संतन कुमार, रंजन कुमार, अभिषेक कुमार, आशुतोष पाण्डेय, अमित प्रजापति और शमशेर अंसारी सहित प्रशिक्षकों की भूमिका हुई।

सम्मेलन के दौरान बताया गया कि कार्यकर्ता सम्मेलन में आंदोलनकारियों की उपस्थिति सामान्य रही। भविष्य में 500 से 1000 आंदोलनकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जा सकती है। तीरंदाज एकेडमी के संरक्षक अविनाश देव की भूमिका को भी प्रशंसनीय बताया गया।

बच्चों को आंदोलनकारियों से सम्मानित कराना एक प्रेरणादायक पहल माना गया। बैठक में संस्था के संस्थापक प्रधान महासचिव पुष्कर महतो की भूमिका को सराहा गया तथा मुरारी पाण्डेय को केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर लोगों ने उन्हें बधाई दी।

आत्मरक्षा और तीरंदाजी शिविर का होगा आयोजन

बैठक के अंत में जानकारी दी गई कि जल्द ही शेल्फ डिफेंस (आत्मरक्षा) एवं तीरंदाजी का प्रशिक्षण शिविर चलानी किला, शाहपुर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें करीब 150 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस बैठक में केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार, जिला अध्यक्ष दाऊद केरकेट्टा, विजय चौरसिया, नरेश यादव, पुनिया टोपनो, प्रदीप सिन्हा, गणेश रवि, व्रज नंदन सिंह, बसंत हेमरम, राजू कुमार प्रजापति, शंखनाथ सिंह चेरो व बाल किशुन उरांव समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी आज भी युवओं लिए प्रेरणाश्रोत : रविंद्र राय

नवीन मेल संवददाता

मेदिनीनगर। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती पर संगोष्ठी आयोजित की गयी। मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन शैली, विचार, चिंतन, सार्वजनिक जीवन के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। उनकी दूरदृष्टिता व राष्ट्रवादी विचारधारा हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। देश एवं समाज की सेवा में उनका जीवन समर्पित रहा है। राजनीतिक जीवन में भी उन्होंने नैतिक मूल्यों को स्थापित किया है।इतिहास में धरोहर के रूप में रहे डॉ. मुखर्जी के स्मरण एकात्मता एवं उनके जज्बे के बारे में सुनकर हम सभी गर्व से उत्साहित हो जाते हैं। अपने 52 साल के अल्प जीवन में डॉ. मुखर्जी ने जो देश के लिए किया। वह अल्पकल्पनीय है। उसे भूलाया नहीं जा सकता। उनके सपने के भारत बनाने के लिए पहले अटल बिहारी वाजपेई व अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समृद्धशाली विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रयासरत है।

वरिष्ठ नेता श्याम नारायण दुबे ने कहा कि शिक्षाविद रहे मुखर्जी अपने दायित्वों का निर्वहन करते-करते देश की आजादी में और आजादी के बाद अंतरिम सरकार में भी अपना बहुमूल्य योगदान दिया। गरीबी मुक्त संपन्न भारत बनाने के लिए वह हमेशा प्रत्यनशील रहे। कठोर संघर्ष में भी वह अपने दायित्व का निर्वहन किया। कश्मीर की रक्षा के लिए एक देश दो विधान दो निशान के विरोध में उनका बलिदान भी हुआ। 370 समाप्त करके मोदी सरकार ने स्वर्गीय मुखर्जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि भी अर्पित की है। जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के संगठन कौशल और नेतृत्व क्षमता के कारण ही पहले जनसंघ की स्थापना जो आज भाजपा के वटवृक्ष के रूप में खड़ा है। उनका व्यक्तित्व कार्यशैली विचारधारा लोगों के लिए प्रेरणादाई है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री ज्योति पांडेय ने किया। मौके पर धर्मेंद्र उपाध्याय, अभिमन्यु तिवारी, रिकू रंजन कुमार, अविनाश सिन्हा, विपुल गुप्ता, अरविंद गुप्ता, प्रभात भुईया, सरवन गुप्ता, ओमप्रकाश, पप्पू ,राजेश गुप्ता, नंदलाल गुप्ता, किशन मखड़िया, निरंजन मेहता, शंभू शरण सिंह, प्रवीण सिंह, दामोदर तिवारी, सुधीर प्रसाद, दीपक सिंह, आशीष कुमार, विजय पाठक, राजेश सिंह, सुशील कुमार, छोटन सिंह, राजेश चंद्रवंशी, निवेदन कुमार, मंजू गुप्ता, रेनू देवी, सुजाता सिंह, अंजलि सहाय, आरती देवी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। 'मेरा युवा भारत' (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में रविवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, चैनपुर, पलामू में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं में उत्साह देखने को मिला।

प्रतियोगिता में कुल 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए, जिसमें विद्यालय की लगभग सभी छात्राओं ने भाग लिया। परीक्षा में श्रेया तिवारी ने प्रथम, खुशबू कुमारी ने द्वितीय तथा काजल कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में टॉप 10 प्रतिभागी छात्राओं को मेडल एवं सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के तहत छात्राओं, शिक्षकों और कर्मियों के द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र सेवा से संबंधित नारों के साथ सहभागिता की गई। रैली के उपरांत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोरंजन तिवारी ने की। इस अवसर पर शिक्षिका श्वेता त्रिपाठी, शिक्षक आशीष रंजन उपाध्याय, चंदन शर्मा, रेणु कुमारी सहित छात्राएं श्रेया तिवारी, दीक्षा कुमारी, अंजली कुमारी, काव्या कुमारी एवं अन्य छात्राएं उपस्थित रहीं।

पलामू के अस्पतालों में सर्पदंश की दवा की पर्याप्त उपलब्धता

- जिला प्रशासन ने दी जानकारी, समय पर इलाज से बच सकती है जान

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सर्पदंश की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए पलामू जिले के अस्पतालों में एंटी स्नेक वेनम सीरम (सर्पदंश की दवा) की उपलब्धता को लेकर सिविल सर्जन सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी कार्यालय द्वारा सोमवार को जानकारी जारी की गई। जारी आंकड़ों के अनुसार जिले में कुल 2204 वायल दवा उपलब्ध हैं। इसमें सबसे अधिक 1100 वायल एमएमसीएच मेदिनीनगर में मौजूद हैं।

अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर में 50, हुसैनाबाद में 315, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरिहरगंज में 50, पाटन में 200, चैनपुर में 89, मनातू में 144, विश्रामपुर में 86, लेस्लीगंज में 48 और पांकी में 122 वायल उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्पदंश की स्थिति में डरने की बजाय तुरंत अस्पताल पहुंचना चाहिए। प्रशिक्षित डॉक्टरों द्वारा एंटी वेनम का सही समय पर इलाज ही जीवन रक्षक साबित होता है।

साथ ही विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि सर्पदंश होने पर मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाएं, घाव को साबुन-पानी से साफ करें और शरीर को स्थिर रखें। झाड़-फूंक, घरेलू उपाय या किसी भी तरह की देरी जानलेवा हो सकती है।

जिला प्रशासन ने कहा है कि समय पर इलाज से सर्पदंश से जान बचाई जा सकती है, इसलिए किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें।

जर्जर सड़कों को लेकर झामुमो अध्यक्ष की नाराजगी नगर निगम और कंपनी पर लापरवाही का आरोप

- जल्द मरम्मत नहीं होने पर दी उच्चस्तरीय शिकायत की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र की जर्जर सड़कों को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नगर निगम और पाइपलाइन बिछा रही संवेदक कंपनी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दोनों की लापरवाही के कारण पूरे शहर की सड़कों और गलियों की हालत बदतर हो गई है।

झामुमो अध्यक्ष ने कहा कि पाइपलाइन बिछाने के नाम पर शहर की कई सड़कों और गलियों को पूरी तरह खोद दिया गया है, लेकिन कार्य के बाद उन सड़कों की मरम्मत नहीं की गई। मानसून की बारिश ने स्थिति और भी विकट बना दी है। जगह-जगह कीचड़ और जलजमाव के कारण स्कूली बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और आम लोगों को चलना भी मुश्किल हो गया है।

उन्होंने बताया कि कई मोहल्लों में हालत इतनी खराब है कि दोपहिया वाहन भी ठीक से नहीं निकल पा रहे हैं। यह स्थिति नगर निगम की अनदेखी और कांट्रेक्टर की लापरवाही का सीधा नतीजा है।

राजेंद्र सिन्हा ने नगर निगम से मांग की है कि सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की अविलंब मरम्मत कर उन्हें चालू हालत में लाया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो झामुमो इसकी शिकायत उच्चस्तरीय मंचों पर करेगा। उन्होंने कहा कि मैं जनता के हित में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करूंगा।

स्थानीय नागरिकों ने भी कहा है कि पाइपलाइन बिछाने के बाद रोड को यथावत नहीं किया गया है, जिससे बारिश के दिनों में स्थिति भयावह हो गई है। सड़कों की बदहाली के कारण दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और लोगों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।

बरसात हो या धूप, नहीं थमता मिशन समृद्धि की सेवा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मौसम चाहे तेज धूप का हो, कड़ाके की ठंड का या लगातार हो रही बारिश का—मिशन समृद्धि द्वारा संचालित रोटी अभियान पर इसका कोई असर नहीं पड़ता। संस्था की अध्यक्ष शीला श्रीवास्तव ने बताया कि यह सेवा अभियान मौसम की प्रतिकूलता में भी निरंतर जारी रहता है, क्योंकि इसे चलाने वाले सदस्य सेवा को ही ईश्वर की उपासना मानते हैं। उन्होंने कहा कि भोजन देने वाले परिवार और जरूरतमंदों के बीच वितरण करने वाले सदस्य बिना रुके, बिना थके इस कार्य में लगे रहते हैं। कभी-कभी बारिश में जरूरतमंद लोग आसानी से नहीं मिल पाते, तब थोड़ी निराशा जरूर होती है, लेकिन सेवा भाव कभी थमता नहीं। शनिवार को भी शनि मंदिर के आसपास तथा राहगीर और जरूरतमंद लोगों के बीच खिचड़ी, रोटी, सब्जी के साथ बच्चों और बुजुर्गों के लिए बिस्किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था की सक्रिय सदस्य वीणा राज, बैजयंती गुप्ता, शिल्पी गोस्वामी, बेबी पांडेय और ममता कुमारी ने उल्लेखनीय सहयोग दिया। संस्था की अध्यक्ष ने कहा कि जरूरतमंद को ढूंढकर भोजन देना किसी भी रूप में ईश्वर सेवा से कम नहीं है। उनका यह संकल्प ही 'रोटी अभियान' को लगातार गति दे रहा है।

समस्या | पार्क में नहीं ठहर पाते लोग, बदबू व गंदगी से बिगड़ रहा माहौल

सात करोड़ खर्च, फिर भी जलकुंभी से भरा तालाब!

- निगम एक साल से सफाई पर चुप

नवीन मेल संवाददाता

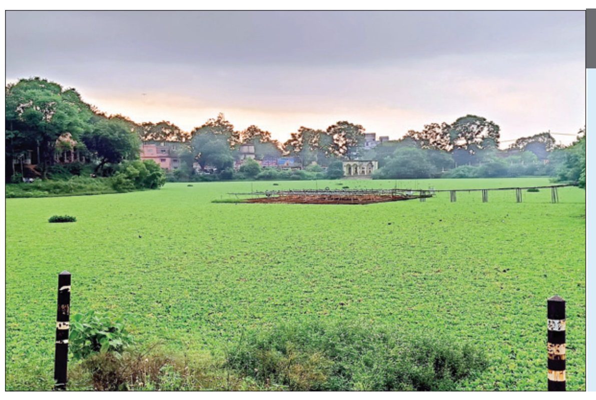

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत शहर थाना के समीप आंबेडकर पार्क स्थित तालाब में जलकुंभी भरने के कारण आंबेडकर पार्क में घूमने आने वाले लोगों और मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। पूरी तरह से जलकुंभी के भरे होने से पानी के सड़ने पर बदबू आती है। ज्ञात होगी इस तालाब के सुंदरीकरण के दौरान इसके पानी को साफ करने हेतु एसटीपी का निर्माण भी कराया गया था। परंतु इसके बाद भी कभी तालाब का पानी पूरी तरह स्वच्छ नहीं हो पाया। कई प्रयास के बाद शहर के बीचो-बीच लोगों को मॉर्निंग वॉक हेतु उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया गया था। इसके बाद यहां बड़ी संख्या में लोग समय बिताने तथा मॉर्निंग एवं इवनिंग वॉक के लिए पहुंचते हैं परंतु प्रशासनिक उपेक्षा के कारण यह दिन प्रतिदिन लोगों को घूमने आना तथा उठना बैठना दूभर हो रहा है। इस तालाब का जीर्णोद्धार हेतु शिलान्यास अक्टूबर 2019 में किया गया था। वही 7.57 करोड़ की लागत से नगर निगम द्वारा तालाब का सौंदरीकरण किया गया था। तालाब का गहरीकरण करने के साथ तालाब की घेराबंदी,बेंच, बच्चों के लिए ओपन जिम, म्यूजिकल वॉटर फाउंटेन, सामुदायिक शौचालय आदि की व्यवस्था की गई थी। परंतु निगम द्वारा बीते एक वर्ष से जलकुंभी फैल जाने के बाद भी इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया। इस बाबत जानकारी लेने पर सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो ने बताया कि निगम द्वारा तालाब की सफाई हेतु टेंडर निकाला जा रहा है जिसके बाद अंबेडकर पार्क स्थित तालाब की सफाई करेगी।

बारिश होने के बाद भी तालाब के जलस्तर में बढ़ोतरी नहीं

बड़ी मात्रा में बारिश होने के बाद भी तालाब का जलस्तर में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। बताते चलें कि इस तालाब से सटे कई मंदिर हैं जिनमें पूजा पाठ करने हेतु लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। साथ ही रोड की दूसरी तरफ जिले का सबसे बड़ा मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल स्थित है। इसके बावजूद निगम द्वारा इसकी सुध नहीं ली जा रही। जलकुंभियों से पटे इस तालाब में पानी के स्थान पर केवल जलकुंभी ही दिखाई देते हैं। लोगों की मानें तो इस तालाब में पहले पानी लबालब भरा था पर जलकुंभी की अधिकता व गंदे नालियों का निकास होने के कारण इसका जलस्तर कम होता चला गया।

आधे घंटे की बारिश में शहर पानी-पानी, सड़कें व गलियां जलमग्न

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रविवार की शाम हुई मूसलाधार बारिश से शहर पानी-पानी हो गया। आधे घंटे तक हुई बारिश से शहर क्षेत्र के अधिकतर हिस्से में खासकर ओवरब्रिज के समीप सड़क पर डेढ़ से दो फुट पानी भर गया। इस वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं आबादगंज, कचहरी परिसर, जेलहाता आदि क्षेत्र की सड़क गड्ढे में होने की वजह से अक्सर यहां पानी का जमाव हो जाता है। थोड़ी सी बारिश में भी सड़क की स्थिति बद से बदतर हो जाती है। बताते चलें कि लगातार नालियों का निर्माण होने के बाद भी शहरी इलाके का ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त नहीं हो पाया है। सड़क किनारे बने नाले या तो भरे पड़े या उससे पानी की निकासी नहीं होती है। दूसरे तरफ बाजार क्षेत्र, अस्पताल परिसर,कुंड मोहल्ला समेत शहर के निचले क्षेत्र में भी डेढ़ से दो फुट पानी भर गया। मोहर्रम को लेकर बाजार क्षेत्र में तमाम कमेटियों के द्वारा जुलूस निकाला गया था। अचानक हुई इस बारिश के कारण मोहर्रम का जुलूस भी प्रभावित हुआ और लोग बारिश में भींगने से बचते नजर आएसाफ-सफाई से लेकर अन्य व्यवस्थाओं को संभालने वाली नगर निगम तमाम प्रयासों के बावजूद बारिश के दिनों में कई परेशानियों से घिर जाती है। जिसमें बारिश के बाद जलजमाव सबसे प्रमुख है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय में 19.6 मिलीमीटर वर्षा हुई। मोहर्रम के साथ रविवार का दिन होने के कारण अधिकतर लोग अपने घर में दुबके रहे।

भवनाथपुर में 'या हसन या हुसैन' नारों के साथ मुहर्रम का जुलूस शांतिपूर्वक संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाने वाला मुहर्रम पर्व भवनाथपुर प्रखंड क्षेत्र में श्रद्धा, गम और शांति के साथ मनाया गया। अरसली उत्तरी, चौरासी, मकरी, पंडरिया और चपरी सहित विभिन्न गांवों से ताजिया, सिपर और तिरंगा झंडा के साथ भव्य जुलूस निकाले गए। जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के लोगों ने 'या हसना या हुसैन' के नारों के साथ कर्बला के शहीदों को याद कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जुलूस का मुख्य मिलन स्थल मकरी पंचायत मैदान रहा, जहां अलग-अलग अखाड़ा कमेटियों ने पारंपरिक हथियारों और हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन कर मौजूद जनसमूह का मन मोह लिया। प्रदर्शन के पश्चात सभी ताजियाओं को क्षेत्रीय कर्बला मैदानों में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। पूरे कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। थाना प्रभारी रजनी रंजन, एसआई नीरज प्रसाद शर्मा, नारायण प्रसाद यादव, एएसआई उपेंद्र राम, जगत बंधु, आशुतोष कुमार सिन्हा सहित पुलिस बल के जवानों ने पूरे जुलूस मार्ग पर मुस्तैदी से ड्यूटी निभाई।

मुहर्रम इंतजामिया कमेटी ने मकरी मैदान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाली अखाड़ा टीमों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा, मकरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि धनंजय साह, झामुमो जिला उपाध्यक्ष लल्लू राम, पूर्व मुखिया अब्दुल्ला अंसारी, रीता देवी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अरविंद्र यादव, कुंदन ठाकुर, महताब आलम, जयराम, उल्फत अंसारी, शमशेर अंसारी, राजेंद्र पासवान, विजय रावत समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

डंडई में पारंपरिक तरीके से मनाया गया मुहर्रम

डंडई। डंडई प्रखंड में रविवार को मुहर्रम पर्व परंपरागत एवं शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। डंडई-लवाही सीमावर्ती क्षेत्र के मिलनियाँ ढोरहा में आयोजित ताजिया मिलनी में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। बैरियादामर, बैलाझखड़ा, रारो, डंडई सहित अन्य गांवों के ताजिये शामिल हुए। अखाड़ा खेल और फातिहा खानी के साथ मिलनी संपन्न हुई। इस अवसर पर भव्य मेला भी लगा, जिसमें हिन्दू-मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी ने बताया कि सभी कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुए और पुलिस बल मुस्तैद रहा।

हर्षोल्लास मनाया गया मोहर्रम

मझिआंव। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मोहर्रम का पावन त्योहार परंपरागत श्रद्धा, सम्मान और भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गाजे बाजे एवं ताजिया सिपहड़ से जुलूस निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। जुलूस में कलात्मक झांकियां, ढोल-नगाड़ों की धुन और अखाड़े के करिश्माई प्रदर्शन लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। जुलूस नगर पंचायत मुख्य बाजार के बस स्टैंड से गुजरते हुए विभिन्न मार्गों से होते हुए ब्लॉक रोड स्थित कर्बला मैदान तक पहुंचा, जहां जोगीभीर, चांदना, भुसुआ सहित आस-पास के कई गांवों से आए ताजिया जुलूस का मिलान हुआ। इस अवसर पर लोगों ने मस्जिदों में क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि के लिए विशेष नमाज अदा की और इबादत की। मोहर्रम के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर प्रशासन पूरी तरह चौकस रहा। अंचलाधिकारी प्रमोद कुमार, पुलिस निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी के नेतृत्व में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी, साथ ही संवेदनशील स्थलों पर अधिकारियों द्वारा लगातार गश्ती की गई। प्रशासन की सक्रियता और लोगों के सहयोग से पूरे कार्यक्रम का समापन शांतिपूर्ण माहौल में हुआ।

प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा पांच सूत्री मांगपत्र

▸ जनसमस्याओं को लेकर नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी से की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जिला सचिव रामेश्वर प्रसाद अकेला के नेतृत्व में नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी से मिला और नगर की जनसमस्याओं को लेकर पांच सूत्री मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मांगपत्र के माध्यम से नगर उंटारी थाना के पूरब चौपाल से अतिक्रमण हटाने, श्रीराधा कृष्ण मंदिर के बाहर बने कमरे को आम लोगों के लिए खोलने, बांकी और घाघरा नदी के तटबंधों को अतिक्रमण मुक्त कराने, पीसीसी सड़कों और नालियों की गुणवत्ता जांच कराने एवं सफाई, जल निकासी व चापाकलों की मरम्मती सहित अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व जिला सचिव राजकुमार राम, देवीदयाल मेहता, रामनाथ उरांव, श्रीराम और विद्या पासवान शामिल थे।

पिकअप वैन दुर्घटना पर शोक, मजदूर पलायन और प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

हुसैनाबाद। व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा बैठा ने छत्तरपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ के पास हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है, जिसमें तीन मजदूरों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि रोजगार के अभाव में लोग पलायन को मजबूर हैं। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि पिकअप वैन से लोगों की ढुलाई मानवाधिकार का उल्लंघन है। साथ ही उन्होंने मनरेगा की विफलता को इसके लिए जिम्मेदार बताया और वैकल्पिक व्यावसायिक योजनाओं की मांग की।

बंशीधर नगर में पारंपरिक तरीके से निकला मुहर्रम का पहलाम

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल है मुहर्रमः अनंत प्रताप देव

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। अनुमंडल मुख्यालय एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मुहर्रम के पहलाम का जुलूस पूरी आप भाईचारे एवं शांति के साथ निकाला गया। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत विशुनपुर, नगर उंटारी, चेचरिया, कधवन, कोइन्दी, नरही, हुलहुला खुर्द, कुशदण्ड,जंगीपुर, सोनबरसा बरडीहा,बम्बा सहित कई गांवों में छोटकी चौकी का जुलूस पारंपरिक रूप से निकाला गया। जुलूस में शामिल लोगों ने हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए ₹या अली, या हुसैन, कर्बला दूर है, जाना जरूर है जैसे नारों के साथ वातावरण को गमगीन और धार्मिक बना दिया। कई स्थानों पर फातिहाखानी भी पढ़ी गई। मुख्य जुलूस बिशुनपुर कर्बला मैदान से निकल कर मुख्य बाजार, सूर्य मंदिर परिसर, नगर गढ़ और सब्जी बाजार होते हुए बस स्टैंड पहुंचा। वहां से ताजिया जुलूस कर्बला की ओर रवाना हुआ। रास्ते भर युवाओं द्वारा लाठी, तलवार आदि से करतब दिखाए गए। जुलूस में विधायक अनंत प्रताप देव, जिप अध्यक्ष शांति देवी, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य ताहीर अंसारी, झामुमो युवा नेता दीपक प्रताप देव सहित कई जनप्रतिनिधि व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। विधायक अनंत प्रताप देव ने कहा कि मोहर्रम हमे कुबार्नी धैर्य और सच्चाई की राह पर चलने का प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल देने वाले सभी लोगों का आभार जताया। जिप अध्यक्ष शांति देवी ने कहा कि सभी त्योहार समाज में आपसी सौहार्द का संदेश देते हैं, और लोग इसे अच्छे ढंग से निभा रहे हैं। झामुमो नेता ताहीर अंसारी ने कहा कि मुहर्रम इमाम हुसैन की कुबार्नी को याद करने का दिन है, जो इंसानियत और धर्म की रक्षा के लिए लड़े। झामुमो युवा नेता दीपक प्रताप देव ने कहा कि भवनाथपुर विधानसभा की जनता आपसी भाईचारे की डोर से बंधी है, जिसे कोई नहीं तोड़ सकता। एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह, पुलिस निरीक्षक रत्न कुमार सिंह, और थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक द्वारा लगातार क्षेत्र का भ्रमण किया गया। लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जगह-जगह शरबत व पानी की स्टॉल लगाई गई थी। जुलूस में मोहर्रम इंतजामिया कमेटी सदर लालबाबू खान,अंजुमन कमेटी सदर तौहिद खान,सरपरस्त शमीम खान,युवा समाजसेवी महमूद आलम सीनियर,आमीन खान,सद्दाम आलम,शोएब आलम,नरही नसीर अंसारी,तौकीर आलम, फुलटून खान, खुर्शीद खान, इरफान खान, हैदर खान,नसरुल्लाह खान, अजहरुल खान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। बरडीहा गांव में सदर मुश्ताक अहमद शेख,मोहर्रम इंतजामिया कमेटी सदर राकिब अनवर,वकील अहमद, फिरोज अहमद,मुखिया उषा देवी, अनुराग सोनी,डॉ रिजवान अहमद, डॉ ताहीर हुसैन, हैसियत अंसारी, राहत हुसैन, उस्मान अंसारी, रईस, साजिद रजा, खुर्शीद, तौहिद, परवेज, इमरान, सद्दाम, शमशेर, दिलशाद, नवाब, नौसाद, डब्लू, मकसूद, रासिब, अफरोज, खालिद, गुलाम, अप्पू, नेहाल, शेरदिल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।

एक नजर

भवनाथपुर सब्जी बाजार में चोरी की दो घटनाएं हुई

भवनाथपुर। सब्जी बाजार में रविवार को खरीदारी के दौरान दो लोगों के साथ जेबकतरी की घटनाएं हुईं। धनीमंडरा निवासी विजय कांत चौबे के जेब से ?6300 तथा एक महिला के पर्स से 1700 रुपये अज्ञात चोरों ने उड़ा लिए। भीड़भाड़ का फायदा उठाकर यह घटना अंजाम दी गई। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है। बाजार में रविवार और बुधवार को विशेष भीड़ होती है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था लचर बनी रहती है। समाचार लिखे जाने तक थाने में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई थी।

खरौंधी में पीएम पोषण योजना का रिफ्रेशर प्रशिक्षण आज

खरौंधी (गढ़वा)। पीएम पोषण योजना (मिड-डे मील) के क्रियान्वयन को लेकर समन्वयकों एवं क्लस्टर संसाधन कर्मियों का एक दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण 7 जुलाई को प्रखंड संसाधन केंद्र, खरौंधी में आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा। जिला शिक्षा अधीक्षक के निदेशानुसार इस प्रशिक्षण में बजरमरवा, पिपरी, सुंडी, हुसरू, माझीगांवां, अमरोरा, अरंगी एवं खरौंधी के उत्क्रमित और राजकीय मध्य विद्यालयों के समन्वयकों को भाग लेने को कहा गया है। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर नवीन प्रकाश ने बताया कि संबंधित प्रधानाध्यापकों को भी अपने समन्वयकों को समय पर भेजने का निर्देश दिया गया है।

केतार में मुखिया प्रतिनिधि ने मृतक शिक्षक के परिजनों को दी सहायता

नवीन मेल संवाददाता

केतार। बलिगढ़ पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन प्रसाद गुप्ता ने दासीपुर गांव के शिक्षक धनंजय विश्वकर्मा के श्राद्धकर्म के लिए उनके परिजनों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया और शोक संवेदना प्रकट की। शिक्षक का निधन हाल ही में हृदय गति रुकने से हुआ था। वे सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में 15 वर्षों से कार्यरत थे और संगीत के क्षेत्र में भी उनकी विशेष पहचान थी। मौके पर कई लोग उपस्थित रहे।

शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ मुहर्रम का त्योहार

नवीन मेल संवाददाता

प्रतापपुर (चतरा)। रविवार को मुस्लिम समुदाय का पवित्र पर्व मुहर्रम भाईचारे व शांतिपूर्वक सम्पन्न हो गया। इस दौरान ताजियों का जुलूस पारंपरिक तरीके से निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। जुलूस के दौरान स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। जगह-जगह पर पुलिस की तैनाती रही और अधिकारियों ने स्वयं जुलूस मार्ग का निरीक्षण किया। परंपरागत ताजिया जुलूस के उपरांत मिल्लत हुसैनी कमिटी सिद्दीकी की ओर से एक सम्मान समारोह का आयोजन कर शांतिपूर्वक संपन्न कराने एवं सौहार्दपूर्वक आपसी भाईचारा बनाए रखने में सहयोग देने वाले अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकताओं को शील्ड एवं मैडल के साथ अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मिस्टर आलम अशरफी ने किया। मौके पर थानाप्रभारी कासिम मंसारी, सब इंस्पेक्टर शांगा, अंचलाधिकारी विकास कुमार टुडू, बभने मुखिया संगीता देवी, फिरोज आलम, परवेज आलम, पत्रकार सतीश कुमार पांडेय आदि को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं, प्रशासन की ओर से सबसे अच्छी ताजिया निर्माण करने में पहले स्थान पर रहे गुरिया ताजिया कमेटी, दूसरा रामपुर ताजिया कमेटी, तीसरा निमा ताजिया कमेटी को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, अच्छी लाठी व तलवारबाजी प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी शिल्ड एवं मेडल से नवाजा गया। जिससे युवाओं के बीच उत्साह का माहौल बना रहे।

परेशानी | **जान जोखिम में डाल कर नदी पार कर रहे लोग, पुल बनाने की मांग**

डंडई के जरही चहेलिया नदी पर नहीं है पुल

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। प्रखंड मुख्यालय को जोड़ने वाली जरही चहेलिया नदी पर पुल नहीं है। खासकर बरसात के दिनों में लोग अपनी जान जोखिम में डालकर नदी का पार करते हैं। पुल के अभाव में इन दिनों लोगों को मजबूरन बहता हुआ पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणों ने रविवार को पुल की मांग को लेकर विरोध जताया है। ग्रामीण जमुना प्रसाद रवि, गंगा राम सहित अन्य ने बताया कि 12 वर्ष पूर्व मुख्यालय से आवागमन करने के लिए इस नदी पर पुल का निर्माण कराया जा रहा था। परंतु संवेदक आधा अधूरा निर्माण कार्य को छोड़कर चलते बने और आज तक यह पुल का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका। जिससे हम लोगों को पुल के अभाव में डंडई प्रखंड मुख्यालय आने जाने में भारी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि सीरियस मरीज व डिलीवरी महिलाओं को आवश्यक परिस्थिति में डंडई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने में समस्या खड़ी हो जाती है। लोगों को मजबूरन अन्य सड़कों से 3 किलोमीटर की जगह करीब 8 किलोमीटर की अधिक दूरी तय करना पड़ता है। वहीं बरसात के दिनों में हम लोगों को डंडई मुख्यालय से संपर्क भी टूट जाता है। ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि 12 वर्षों में कई जन प्रतिनिधि, विधायक, सांसद बदले लेकिन बजनवा और चहेलिया नदी पर पुल का निर्माण नहीं हो सका। बताया कि यहीं बगल में मेराल क्षेत्र में गली-गली टॉल टॉल कालीकरण सड़क का निर्माण हो गया लेकिन डंडई क्षेत्र में गली मोहल्ले की सड़कों की हालत बहुत खराब है। दरअसल रविवार को मुह मुहर्रम का त्यौहार था। ताजिया मिलनी को लेकर लोग इस रास्ते से भारी संख्या में आवागमन करते हैं परंतु नदी में पानी का ज्यादा बहाव होने से लोगों को नदी पार करना मुश्किल सा हो गया। लोग अपने-अपने बाल बच्चों को गोदी में उठाकर और कंधों पर बैठकर नदी का पार किये। जिससे लोगों में गुस्सा फूट गया।

न्यूज बॉक्स

इस्लामिया मुहर्रम कमेटी कांडी व सड़की का आकर्षक ताजिया

कांडी। प्रखंड क्षेत्र में रविवार को मातम का पर्व मुहर्रम पहलाम के साथ शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कांडी, ढबरिया, सड़की,नैनाबार व पखनाहा से आए मुहर्रम जुलूस का मिलान कांडी प्रखण्ड मुख्यालय में हुआ। मुहर्रम पर्व के अवसर पर प्रखण्ड मुख्यालय स्थित राजकीय कृत जमा दो उच्च विद्यालय के खेल मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहां मुख्य अतिथि के रूप में विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रत्याशी सह युवा समाजसेवी विकास दुबे शामिल हुए। जबकि विशिष्ट अतिथि जिला पार्षद प्रतिनिधि दिनेश कुमार, कांडी मुखिया विजय राम, कृषक मित्र संघ के प्रखंड अध्यक्ष इमामुद्दीन खान, युवा समाजसेवी सह सदर बाबू खान व पतरिया मुखिया प्रतिनिधि मनोज कुमार थे। खेल मैदान में इस्लामिया मुहर्रम कमिटि अधौरा के खिलाड़ी एक से बढ़ कर कई हैरतअंगेज करतब दिखाया गया, जिसमें लाठी व तलवार चलाना, शरीर मे नीडल चुभाना, शरीर पर बाइक चढ़ाना सहित विभिन्न प्रकार के खेलों का प्रदर्शन किया गया। वहीं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम सड़की, द्वितीय कांडी व तृतीय कमिटी ढबरिया की कमिटी को कांडी पंचायत समिति सदस्या ममता देवी के सौजन्य से शील्ड प्रदान किया गया । मुख्य अतिथि विकास दुबे व विशिष्ट अतिथियों द्वारा शील्ड प्रदान किया गया। मुहर्रम पर्व के अवसर पर दंडाधिकारी के रूप में मौजूद कांडी अंचलाधिकारी राकेश सहाय ने प्रखण्ड क्षेत्र के सभी कर्बला पर पहुंचकर जायजा लिया। जबकि इस अवसर पर जगह-जगह कांडी पुलिस बल तैनात थी, जिससे कोई अप्रिय घटना न घटे व क्षेत्र में शांति कायम रहे।

इंतेजामिया कमेटी ने किया जलपान का प्रबंध

रमना । हसन और हुसैन के शहादत दिवस की याद में मनाया जाने वाला मातमी पर्व मुहर्रम प्रखंड में शांति और परम्परागत रूप से के साथ सम्पन्न हो गया। रविवार को प्रखंड अंतर्गत रमना,मड़वनिया, बहियार कला, सिलीदाग, बुल्का, गम्हरिया भागोडीह पंचायत में ताजिया,सिपहड़ और अखाड़े के साथ जुलूस निकाला गया,जो विभिन्न चौक-चौराहा होते हुए तय मिलनी स्थल पर खेल तमाशा करतब के बाद समाप्त हो गया। मिलनी के दौरान लोगों ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। इस अवसर पर माड़वानिया पंचायत में इंतेजामिया कमिटी द्वारा आयोजित लंगर जलपान का उद्घाटन विधायक अनंत प्रताप देवी उर्फ छोटे राजा, झामुमो केंद्रीय कमिटी सदस्य ताहिर अंसारी, जिप अध्यक्षा शांति देवी, प्रमुख करुणा सोनी, सीओ सह बीडीओ विकास पांडेय,थाना प्रभारी आकाश कुमार,रमना मुखिया दुलारी देवी, मड़वनिया मुखिया स्वीटी वर्मा, सांसद प्रतिनिधि प्रभात कुमार, विधायक प्रतिनिधि रोहित वर्मा, ने संयुक्त रूप से फीता कटकर किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अनवर अंसारी, अलीजन अंसारी, अलीमुद्दीन अंसारी, मनौअर अंसारी, खुर्शीद अंसारी, रज्जब अंसारी, जाकिर हुसैन अंसारी, असमुद्दीन अंसारी एवम एसडी खान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन मौलाना शेर मोहम्मद फैजी ने किया। मौके पर बड़ी संख्या दोनों समुदाय के लोग मौजूद थे। इस मौके पर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किया गया था।

धुरकी मे मुहर्रम का जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

धुरकी। प्रखंड मे रविवार को मुहर्रम का जुलुस शांतिपूर्ण तरिके से विभिन्न गांवों में संपन्न हो गया है। जुलुस के दौरान लोगों ने पारंपरिक रूप से तलवार भाला ताजिया इसलामी झंडे के साथ ढोल तासा बजाकर अपने अपने पूर्व निर्धारित स्थलों पर निकाला। वहीं जुलुस मे बुढ़े बच्चे नवजवान सभी ने या अली या हुसैन के नारों से गुंजायमान रहा। जुलुस मे मुख्य रूप से बीडीओ जुल्फिकार अंसारी, थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष इसराइल खान भी शामिल थे। बीडीओ ने कहा कि दसवीं मुहर्रम को कर्बला में यजीद के सिपाहियों के साथ रसुल के नवासे इमाम हुसैन से जंग हो रही थी। वहीं थाना प्रभारी ने कहा की जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त रखा गया था, पुलिस जुलुस पर ड्रोन से निगरानी कर रही थी। इस दौरान सदर पंचायत के मुखिया महबूब अंसारी, मुखिया प्रतिनिधी साबीर अंसारी, बीडीसी प्रतिनिधी राम भरोसा राम सहित अन्य उपस्थित थे।

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मोहम्मद अली व हुसैन को याद किया

बड़गड़। मोहर्रम पर्व पर या अली-या हुसैन के नारों से गूंज उठा बड़गड़ प्रखंड क्षेत्र का इलाक। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मोहम्मद अली और हुसैन के शहादत को याद कर मातम मनाया। इस मौके पर प्रखंड के विभिन्न गांवों में मोहर्रम का निशान जुलूस निकला गया। मोहर्रम इंतजामिया कमेटी के नौजवान उगरा और महुआटिकर के मोहर्रम जूलुस का मिलान बैंक मोड़ चौराहे पर हुआ। लोगों ने अखाड़े में पारंपरिक हथियारों से तरह-तरह के करतब दिखाए। इस दौरान कमेटी के द्वारा पगड़ी पोसी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मोहर्रम जूलुस को शांतिपूर्ण तरीके से सफल बनाने में मोहर्रम नवजवान कमिटी के सदर बिस्मिल्लाह अंसारी, मौलाना लतीफ अंसारी, इकबाल अंसारी, रुस्तम अंसारी,फैयाज अहमद, फिदा हुसैन, नशीम अंसारी, महमुद अहमद, नुरूल हक, रौनक अंसारी, अजिजुल हक, सदाम हुसैन, शमशेर अंसारी, बदरूल अंसारी, परवेज अंसारी शामिल थे।

फूलबसिया रेलवे कोल साइडिंग पर गोलीबारी व हाइवा को आग के हवाले किया

● राहुल दुबे गैंग ने ली जिम्मेदारी, कोयला व्यवसायियों में दहशत, डीएसपी बोले– बचेंगे नहीं अपराधी

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ अनुमंडल क्षेत्र के फूलबसिया रेलवे कोल साइडिंग में शनिवार की रात रंगदारी को लेकर अपराधियों ने गोलीबारी और आगजनी की बड़ी घटना को अंजाम दिया। हथियारबंद अपराधियों ने पहले अंधाधुंध फायरिंग की, फिर एक हाईवा में आग लगा दी, जिससे वाहन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। वहीं, पास खड़े एक अन्य हाईवा का अगला हिस्सा भी झुलस गया। पुलिस के अनुसार घटना रात लगभग 12 बजे की है। मौके पर पहुंचे अमरवाडीह पीकेट प्रभारी ने दल बल के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और छापामारी अभियान चलाया, लेकिन अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से तीन खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

घटना की जिम्मेदारी कुख्यात राहुल दुबे गैंग ने ली है। घटनास्थल पर एक पर्चा छोड़ने के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी गैंग की ओर से पोस्ट जारी कर कोयला व्यवसायियों को धमकी दी गई है कि बिना 'मैनेज' किए कोई काम नहीं चलेगा। पोस्ट में बालूमाथ, चतरा और लातेहार क्षेत्र के कारोबारियों को चेतावनी दी गई है।

बालूमाथ, मगध माइंस और आसपास के क्षेत्रों में पहले भी छोटे-छोटे गैंगों ने डर का माहौल बनाकर वसूली की कोशिश की थी, जिन्हें पुलिस ने एक-एक कर जेल पहुंचाया। अब देखना यह है कि यह नया गिरोह कब तक टिक पाता है। पुलिस ने जांच तेज कर दी है और सूत्रों के मुताबिक कुछ संदिग्धों की पहचान भी हो चुकी है।

राहुल दुबे गैंग क्षेत्र में नया पुलिस नहीं छोड़ेगी : डीएसपी

घटना की सूचना पर डीएसपी विनोद रवानी रविवार सुबह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच की। उन्होंने कहा कि राहुल दुबे गैंग इस क्षेत्र में नया है, लेकिन पुलिस जल्द ही इसकी पूरी गतिविधियों को उजागर कर अपराधियों को गिरफ्तार करेगी। कोई भी अपराधी कानून की पकड़ से बच नहीं सकता। इस घटना के बाद से कोयला कारोबारियों में भारी दहशत है। व्यवसायियों ने प्रशासन से शीघ्र सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

अब लेवी वसूली के लिए नक्सलियों की जगह गैंगस्टर चुनौती बनकर उभरे

लातेहार जिले में वर्षों से नक्सली संगठन व्यवसायियों, ठेकेदारों और कारोबारियों से लेवी वसूलते थे। लेवी नहीं मिलने पर वे गोलीबारी और आगजनी जैसी वारदातों को अंजाम देते थे। लेकिन हाल के वर्षों में पुलिस की लगातार कार्रवाई और नक्सलियों के आत्मसमर्पण से क्षेत्र लगभग नक्सलमुक्त हो गया है। इस शून्य का फायदा अब आपराधिक गिरोह उठा रहे हैं। अमन साव गैंग द्वारा पहले भी कोल साइडिंग क्षेत्रों में गोलीबारी की गई थी, लेकिन पुलिस मुठभेड़ में अमन साव के मारे जाने के बाद स्थिति नियंत्रित हुई। इसके बाद राहुल सिंह और अब राहुल दुबे गैंग क्षेत्र में नई आपराधिक उपस्थिति के रूप में सामने आ रहे हैं।

कोल ट्रांसपोर्टिंग सड़क निर्माण के विरोध में ग्रामीणों की बैठक

● सन्हा के पटेल मैदान में जताया गया विरोध, बहिष्कार की दी चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। चट्टी-बारियातू कोल परियोजना से शिवपुर रेलवे लाइन तक प्रस्तावित कोल ट्रांसपोर्टिंग सड़क निर्माण को लेकर रविवार को सन्हा के पटेल मैदान में ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता कबरा पंचायत के मुखिया निलेश ज्ञासेन ने की तथा संचालन रमेश राणा ने किया। बैठक में ग्रामीणों ने आजीविका, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर विरोध जताया। साथ ही चेतावनी दी कि निर्माण कंपनी से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ने वाले व्यक्तियों का सार्वजनिक बहिष्कार किया जाएगा। मुखिया ज्ञासेन ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि वे हर कदम पर उनके साथ हैं। मौके पर नीलेश्वर महतो, राजेश महतो, सुनील महतो, मुनेश्वर महतो, शिवशंकर भारती, पिंटू महतो, बिजली महतो सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जल मीनार के पाइप में आया 11,000 वोल्ट का करंट, 10 वर्षीय बच्चा गंभीर

प्रतापपुर (चतरा)। प्रतापपुर प्रखंड के परहियाडीह गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 10 वर्षीय रूपेश कुमार बिजली के करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। रूपेश गांव के जल मीनार के समीप खेल रहा था, तभी पाइप में आए 11,000 वोल्ट के करंट ने उसे झुलसा दिया। घायल बच्चे को तत्काल ग्रामीणों की सहायता से प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। उसे अस्पताल पहुंचने में पूर्व मुखिया खेदु यादव, रंजीत यादव, निरंजन यादव, मंटू यादव एवं विजय यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गांव के जल मीनार के बिल्कुल पास से 11,000 वोल्ट का हाई वोल्टेज बिजली तार गुजरा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह तार ढीला है और हवा चलने पर जल मीनार के पाइप से टकरा जाता है। गांव के लोगों और पूर्व मुखिया खेदु यादव ने बिजली विभाग की गंभीर लापरवाही को लेकर सवाल उठाए हैं।

पेयजल योजनाओं की समीक्षा में बोले प्रधान सचिव ली जाए जल उपभोक्ताओं से मासिक राशि

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव मस्तराम मीणा ने शनिवार को नेतरहाट में महुआडाड़ प्रखंड के पंचायत प्रतिनिधियों और पंचायत सचिवों के साथ बैठक की। उन्होंने नल-जल योजनाओं के संचालन और निगरानी को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए। प्रधान सचिव ने कहा कि जिन घरों में जलापूर्ति शुरू हो चुकी है, वहां से मासिक शुल्क लिया जाए ताकि संवेदक की गारंटी अवधि समाप्त होने के बाद भी मरम्मत कार्य जारी रह सके। सभी कनीय अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि वे योजनाओं की सूची संबंधित मुखिया को सौंपें। साथ ही नेतरहाट पेयजल आपूर्ति योजना और निर्माणाधीन गेस्ट हाउस का भी निरीक्षण किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, कार्यपालक अभियंता दीपक महतो, सहायक अभियंता, बीडीओ महुआडाड़ समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

आरा में एलआईसी की जानकारी दी गई ग्रामीणों को किया गया जागरूक

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड के आरा गांव में बुधवार को एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के अभिकर्ता पवन कुमार ने बीमा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बीमा आज के समय में अत्यंत आवश्यक है। मृत्यु उपरांत मिलने वाली बीमा राशि से परिवार को आर्थिक सहारा मिलता है। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को बीमा कराने और उसका लाभ समझाया गया। मौके पर अनीता देवी, पार्वती देवी, भोला कुमार, पदुम यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे। कुछ लाभुकों को उपहार भी प्रदान किया गया।

इमाम ए हुसैन की शहादत की याद में निकला मुहर्रम जुलूस

● या हसन या हुसैन के गूंजे नारे, उमड़ी भीड़

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। रविवार को जिला मुख्यालय के साथ सिमरिया, पत्थलगड़ा, गिद्धौर, टंडवा आदि प्रखंडों में इमाम ए हुसैन की शहादत को याद किया गया। साथ इस अवसर पर मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। सिमरिया प्रखंड के बन्हे, फतहा, लिपदा सहित अन्य स्थानों से गाजे-बाजे के साथ जुलूस निकला गया जो सिमरिया चौक पहुंचा। चौक पर अखाड़ों के सदस्य जम कर कला-कौशल का प्रदर्शन किया। जुलूस के दौरान या हुसैन या हुसैन के नारे हर तरफ सुनाई दिए। मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा जुलूस में एक से बढ़कर एक ताजिए शामिल किया गया था। वहीं जुलूस के दौरान सुरक्षा की बागडोर थाना प्रभारी प्रियेश प्रशुन स्वयं संभाले हुए थे। प्रत्येक अखाड़े के साथ मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई थी। अनुमंडल पदाधिकारी सन्नी राज, प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्रदेव प्रसाद, सीईओ गौरव कुमार राय भी सिमरिया चौक पर जुलूस का मुआयना स्वयं कर रहे थे। उसके अलावे जुलूस की निगरानी ड्रोन कैमरे से भी की जा रही थी। पत्थलगड़ा प्रखंड के नावाडीह, बाजोबार, डमोल व जगन्नाथी में शांतिपूर्ण माहौल में मुहर्रम का जुलूस निकाला गया। जिसमें सीओ सह प्रभारी बीडीओ ऊदल राम, थाना प्रभारी राकेश कुमार दलबल के साथ विधिव्यवस्था को लेकर जुलूस का मुआयना करते दिखे। इस अवसर पर नावाडीह में मेला का आयोजन किया गया था। जहां एक से एक कला का प्रदर्शन किया गया। बाजोबार अखाड़ा जुलूस के अध्यक्ष मो. समसुद्दीन मियां ने बताया कि भाईचारेबके साथ डमोल, जगन्नाथी के नवयुवकों ने काफी मेहनत से कला का प्रदर्शन किया और मेला शांतिपूर्वक सम्मान रहा। गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत मोहर्रम की दसवीं की मौके पर निकले गए जुलूस में गाजे बाजे के साथ खुब झुमते मुस्लिम धर्मावलंबी। इस दौरान युवकों ने लाठी खेल के साथ कई हैरतंगेज करतब दिखाये। जुलूस प्रखंड के गांगपुर, तिलैया, द्वारी, सिंदुआरी, घटेरी, तरी समेत अन्य गांव में निकला गया। जुलूस निर्धारित रूट से निकलकर कर्बला पहुंचा। इस दौरान अंचलाधिकारी अनंत सयनम विश्वकर्मा,थाना प्रभारी कुमार गौतम ने विभिन्न गांवों में घूम-घूम कर जायजा लेते रहे। टंडवा प्रखंड क्षेत्र में भी मुस्लिम धर्मावलंबियों का मुहर्रम पर्व हर्षोल्लास व शांति पूर्वक संपन्न हो गया। इस दौरान कामता, किसुनपुर, मिश्रोल, टंडवा, गाडिलौंग, सराढू समेत अन्य जगहों में मेला आयोजन किया गया। जहां आकर्षक करतब दिखाये गये। इस दौरान प्रशासन व पुलिस बल पूरी तरह से मुस्तैद रहे।

ताजिया के साथ गांवों में निकला पहलाम का जुलूस

महुआडांड़। प्रखंड मुख्यालय में मोहर्रम के पहलाम का जूलूस निकाला गया। दोपहर के बाद प्रखंड के लुरगुमी, शाहपुर, परहाहाटोली, ओरसा, कापू, हामी, मायापूर में धूमधाम से ताजिया के साथ पहलाम का जूलूस निकाला गया। अपने-अपने क्षेत्र के इमामबाड़े से जूलूस निकलकर निर्धारित मार्गों से होते हुए जगह जगह पर खिलाड़ियों के द्वारा लाठी डंडा, तलवार द्वारा करतब दिखाते ताजिया को नगर भ्रमण करते पुणः इमाम बाड़ा पर पहुंचकर समाप्त हुआ। मुख्यालय के जूलुस में डीएसपी शिवपूजन बहेलिया व थाना प्रभारी मनोज कुमार दल बल के साथ त्यौहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए जुलूस में शामिल रहें। मौके पर मुख्य रूप से सदर इमरान खान, सक्रेट्री मजहर खान, कांग्रेस झारखंड प्रदेश प्रतिनिध इस्तेखार अहमद, मो. आजाद, फहिम खान, मो रानु खान, नुरूल हसन, बसारत अली, परवेज आलम, खुर्शीद आलम, इस्तियाक अहमद, समेत भारी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी मौजूद थे।

आस्था | शांति और श्रद्धा के साथ निकाला गया मातमी जुलूस

या हसन या हुसैन के नारों से गूंजा चंदवा

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। त्याग और शहादत की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम चंदवा में सौहार्दपूर्ण माहौल में पूरी अकीदत और अनुशासन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा विभिन्न स्थानों से ताजिया और अखाड़ा निशान के साथ मातमी जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। जुलूस में शामिल लोग हाथों में तिरंगा और इस्लामी झंडा लिए हुए या हसन या हुसैन के नारे लगा रहे थे।

कामता, शुक्रबाजार, बेलवाही, कुजरी, तिलैयाटांड़, बोदा आदि गांवों से ताजिया और निशान हरैया चौक स्थित श्रीराम चौक पहुंचे, जहां से सुभाष चौक होते हुए इंदिरा गांधी चौक तक जुलूस गया। वहाँ नियाज़ फातिहा की रस्म अदा की गई। कई जगहों पर अखाड़ों ने पारंपरिक करतब और हैरतअंगेज़ खेलों का प्रदर्शन किया। थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में ताजियादारों को प्रशंसा स्वरूप सम्मानित किया गया। थाना प्रभारी रणधीर कुमार सिंह, बीडीओ चंदन प्रसाद, अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक के नेतृत्व में बोदा अखाड़ा के बेंजो मास्टर दिलशाद अंसारी को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संचालन दीपु सिंहा और बाबर खान ने किया।

तिलैयाटांड़ में मुस्लिम यूथ कमिटी द्वारा थाना प्रभारी, बीडीओ, सीओ और अन्य पुलिस अधिकारियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। मौके पर डॉ. शम्स रज़ा (अध्यक्ष), मुबारक आलम (सचिव), मो. अमजद, मो. साबिर, मो. इरफान, मो. नसीम, टिंकू सहित कई लोग मौजूद थे।

जुलूस के दौरान पूरे प्रखंड में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी। पुलिस इंस्पेक्टर रणधीर कुमार सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। महिला बल भी तैनात रही और बीडीओ, सीओ और थाना प्रभारी स्वयं फील्ड में मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे।

मोहर्रम पर निकाला गया मातमी जुलूस, शांति व अनुशासन के साथ अदा की गई रस्में

टंडवा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र में रविवार को हज़रत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मोहर्रम का मातमी जुलूस परंपरागत अकीदत और अनुशासन के साथ निकाला गया। कामता, किसुनपुर, मिश्रोल, टंडवा, गाडीलौंग, सराढू समेत कई स्थानों पर ताज़िया जुलूस निकाला गया और विभिन्न स्थलों पर नियाज़ और फातिहा की रस्म अदा की गई। जुलूस के दौरान अकीदतमंदों ने या हुसैन, या अली के नारों के साथ शोक प्रकट किया। ताज़िया जुलूस में शामिल युवाओं द्वारा कई जगहों पर पारंपरिक अखाड़ा प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान धार्मिक भावनाओं के अनुरूप माहौल पूरी तरह अनुशासित और शांतिपूर्ण रहा। जुलूस मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। थाना प्रभारी रणधीर कुमार सिंह, बीडीओ चंदन प्रसाद एवं अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक खुद मैदान में मौजूद रहे। महिला पुलिस बल की भी तैनाती की गई थी, ताकि जुलूस में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनी रहे। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन की इस सजगता की सराहना की और शांतिपूर्ण वातावरण में रस्में अदा करने में सहयोग दिया।

न्यूज बॉक्स

सड़क दुर्घटना व प्रदूषण पर बुद्धिजीवियों की बैठक

टंडवा (चतरा)। रविवार को नावाडीह उर्फ तेलियाडीह पंचायत भवन में बुद्धिजीवियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें कोल ट्रांसपोर्ट वाहनों से बढ़ती दुर्घटनाओं और प्रदूषण पर चिंता जताई गई। बैठक में विधायक उज्ज्वल दास द्वारा पूर्व में दिए गए आश्वासन की असफलता की आलोचना करते हुए समरूप नीति लागू करने की मांग की गई। साथ ही कई लोगों ने अदालत का रुख करने का सुझाव दिया। बैठक में जिप सदस्य देवंती देवी, उप प्रमुख जितेन्द्र सिंह, महावीर साहु, सुबेश राम, प्रो. जयप्रकाश रजक, एन.के. पाठक, चंद्रदेव साहु समेत अन्य मौजूद थे।

जीर्णोद्धार से संवर सकता है सैकड़ों किसानों का भविष्य

मयूरहंड (चतरा)। मयूरहंड प्रखंड मुख्यालय स्थित चिकनाहा आहार से निकली कच्ची सिचाई नाली के जीर्णोद्धार और पक्कीकरण की मांग फिर जोर पकड़ रही है। यह पाईन बेलखोरी और कदगांवा कला पंचायत के कई तालाबों से जुड़ती है, जो बरसात में जल संचयन कर हजारों एकड़ भूमि की सिंचाई करती थी। वर्तमान में पाईन अतिक्रमण व जर्जर हालत में है, जिससे किसान सिंचाई से वंचित हो रहे हैं। पूर्व में सांसद सुनील कुमार सिंह और तत्कालीन उपायुक्त को ज्ञापन दिया गया था, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। किसान किंकर सिंह, इन्द्रदेव ठाकुर और श्याम सुंदर सिंह ने प्रशासन से तत्काल जीर्णोद्धार की मांग की है।

प्रजापति कुम्हार महासंघ की प्रखंड स्तरीय बैठक संपन्न

बारियातू। प्रखंड के बरछिया गांव में झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ की प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आनंद प्रजापति ने की, जबकि आयोजन सोनू प्रजापति के आवास पर किया गया। बैठक में समाज के भवन निर्माण, चापाकल की व्यवस्था और शिक्षा पर विशेष चर्चा की गई। प्रमुख उपस्थितजनों में डॉ. नित्यानंद प्रजापति, डॉ. रणधीर प्रजापति, जतन प्रजापति, राकेश प्रजापति, अरविंद प्रजापति, अजीत प्रजापति, बिनेश्वर प्रजापति सहित समाज के कई सदस्य शामिल थे।

अनुसूचित जाति परिवार की जमीन हड़पने और मारपीट का आरोप, दर्ज हुई शिकायत

बेतला। बरवाडीह थाना क्षेत्र के कुटमू गांव निवासी हरेश बैठा ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति थाना में आवेदन देकर राजमनी देवी और उनके परिवार पर जमीन हड़पने, मारपीट और जातिसूचक गालियां देने का आरोप लगाया है। आवेदन के अनुसार, ट्रैक्टर से जबरन खेत जोता गया और पूरे परिवार को बंधक बनाकर गाली-गलौज की गई। साथ ही जान मारने और झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की धमकी भी दी गई। हरेश बैठा ने बताया कि डर से पूरा परिवार घर छोड़ने को विवश है। पीड़ित ने मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत लापरवाही पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल

टंडवा (चतरा)। थाना क्षेत्र के पदमपुर गांव में शनिवार को शौच के लिए निकले युवक गुलश भुइयां की तालाब में डूबने से मौत हो गई। 24 घंटे बाद रविवार सुबह शव तालाब से बरामद किया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि 16 लाख की लागत से बने तालाब में सीढ़ी न होने के कारण युवक बाहर नहीं निकल सका। निर्माण में अनियमितता की बात भी सामने आई है। घटना के बाद गांव में मातम छाया हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

कुंदा थाना परिसर में विधिक शिविर का आयोजन

कुंदा (चतरा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के निर्देशानुसार कुंदा थाना परिसर में शनिवार को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित अधिकार मित्र अजीत कुमार ने बताया कि छोटे पारिवारिक विवादों का समाधान आपसी सुलह से करना बेहतर है। उन्होंने बताया कि नालसा की हेल्पलाइन 15100 पर कॉल कर मुफ्त कानूनी सलाह प्राप्त की जा सकती है। शिविर में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और लाभ उठाया।

आठ जुलाई को देवघर के लिए रवाना होगा कांवरिया सेवा जत्था

लातेहार। श्रावणी मेले में कांवरियों की सेवा हेतु लातेहार से 8 जुलाई को कांवरिया सेवा जत्था देवघर के खिजुरिया रवाना होगा। यह सेवा शिविर 11 जुलाई से 7 अगस्त तक कांवर पथ स्थित भूत बंगला, खिजुरिया में लगाया जाएगा। संस्था के संयोजक रामनाथ अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि शिविर में कांवरियों को निःशुल्क भोजन, चिकित्सा, विश्राम और भजन-कीर्तन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। लगभग 80 सदस्यीय दल सेवा कार्य में भाग लेगा। मौके पर अधिवक्ता वासुदेव पांडेय, गजेंद्र प्रसाद, मुरली अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, अमित अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर में पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

लातेहार। विद्या भारती द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार के तत्वावधान में माको स्थित सेठ बिहारी लाल महलका सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आम के विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला संघ चालक अनिल कुमार ठाकुर, विद्यालय प्रबंध कारणी समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन पांडे, उपाध्यक्ष प्रीति भारती, सचिव नरेंद्र कुमार पांडे, सहसचिव सुधांशु दुबे, जमीनदाता दिनेश महलका सहित कई समिति सदस्य, मातृ भारती अध्यक्ष ऋतुरानी एवं अन्य सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष राजीव रंजन पांडे ने पर्यावरण संरक्षण में पौधरोपण की महत्ता पर बल दिया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

लातेहार। भारतीय जनता पार्टी लातेहार जिला कार्यालय में शनिवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष पंकज सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व पूर्व विधान पार्षद प्रवीण सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि से की गई। वरिष्ठ कार्यकर्ता राम लगन सिंह को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि डॉ. मुखर्जी एकता, अखंडता, राष्ट्रवाद और सिद्धांतवाद के प्रतीक थे। उन्होंने "एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे" का नारा देकर देश को एकजुट किया। संगोष्ठी के बाद "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री बंसी यादव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन सांसद प्रतिनिधि अमलेश सिंह ने किया। मौके पर लाल कौशलनाथ साहदेव, इंद्रजीत यादव, रेणु देवी, राकेश दुबे, आशा देवी, राजीव रंजन पांडे सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शपथ पत्र

मैं, दृगदेव पासवान, पिता देवकी पासवान, ग्राम-जुझार सिकनी, पो०-पतरा, थाना - हुसैनाबाद, जिला- पलामू, झारखंड का निवासी हूं। मैं शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं कि आधार कार्ड स० 4331 2888 1868 में मेरा नाम दृगदेव पासवान दर्ज है, जो सही है। जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम में मेरे नाम से वर्ष 2004 से एक जीवन बीमा पॉलिसी है, जिसमें मेरा नाम भूलवश लालमनी पासवान दर्ज कर दिया गया है। बांड पेपर में पॉलिसी सं० 554335998 दर्ज है। दृगदेव पासवान एवं लालमनी पासवान दोनों नाम का मैं ही एक व्यक्ति हूं तथा उक्त दोनों नाम से जाना जाता हूं।

शपथ पत्र संख्या : 738 दिनांक : 28/05/2025

मौसीबाड़ी से अपने धाम लौटे भगवान जगन्नाथ

रथ खींचने को उमड़ा भक्तों का सैलाब

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शंखनाद, घंटे-घड़ियाल की गूंज और "जय जगन्नाथ" के जयघोषों के बीच भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के संग नौ दिवसीय मौसीबाड़ी प्रवास के बाद रविवार को अपने मूल धाम लौट आए। संपूर्ण लोहरदगा जिले में घूरती रथयात्रा का आयोजन आस्था, उल्लास और उत्सव की पूर्ण भावना के साथ किया गया। ठाकुरबाड़ी मंदिर, तिवारी दुरा स्थित जगन्नाथ मंदिर, तेतरतर मंदिर सहित कई प्रमुख स्थलों से रथ यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। भक्तों का जनसैलाब रथ मार्ग पर उमड़ पड़ा, हर कोई भगवान की एक झलक पाने को आतुर था। भक्तों ने पूरी भक्ति और भावनात्मक जुड़ाव के साथ रथ को खींचते हुए अपने आराध्य को धाम तक पहुँचाया। रथ यात्रा के दौरान हर-हर महादेव और जय जगन्नाथ के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। भक्तों ने रथ खींचते हुए भगवान को उनके धाम तक पहुंचाया और पुष्पवर्षा कर सर्व मंगल की कामना की। पूरे मार्ग को धार्मिक झंडियों, फूलों और रंगोली से सजाया गया था, जिससे क्षेत्र में मेले जैसा दृश्य उत्पन्न हो गया था। फूलों की वर्षा, ढोल-नगाड़ों की गूंज, और आस्था से भरे चेहरे पूरे आयोजन को दिव्यता का स्वरूप दे रहे थे। पुरोहितों ने बताया कि हिन्दू परंपरा के अनुसार, भगवान जगन्नाथ आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को मौसीबाड़ी जाते हैं और देवशयनी एकादशी को अपने धाम लौटते हैं। इसी क्रम में घूरती रथयात्रा निकाली जाती है, जो सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। पूरे जिले में लोहरदगा शहर से लेकर भंडरा, कुडू और कैरो प्रखंडों तक भक्तों में अद्भुत उत्साह देखा गया। महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों सभी ने श्रद्धा के साथ रथयात्रा में भाग लिया। पुलिस प्रशासन की ओर से यात्रा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

संवेदनशील स्थलों पर ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई तथा अतिरिक्त बल की तैनाती की गई, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हो पाई। इस आयोजन ने एक बार फिर यह साबित किया कि लोहरदगा की धरती आस्था और एकता की मिसाल है, जहाँ धर्म और संस्कृति के रंगों में पूरा जनमानस रंग जाता है।

आपसी भाईचारे के साथ संपन्न हुआ मुहर्रम

सेन्हा–लोहरदगा। इमाम हसन हुसैन के शहादत मे मनाया जाने वाला मुहर्रम का त्योहार रविवार को प्रखंड क्षेत्र मे सौहार्द और शांति पूर्वक आपसी भाईचारा के साथ मनाया गया। मेला में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न अखाड़ो के द्वारा जुलुस निकाल कर हसन हुसैन का नारा लगाते हुए ढोल, तासा के धुन में जम कर नाचते थिरकते हुए मेला का आयोजन किया गया। लोगों द्वारा अपनी खेल प्रतिभा दिखाया गया.झमाझम बारिश होने के बावजूद मेला को लेकर लोगों में काफी उत्साह था। जिसे प्रखंड क्षेत्र के उगरा,भड़गांव,चितरी डांडू तीन स्थानों पर मुहर्रम के अवसर पर मेला का आयोजन किया गया। मेला में सफल खेल प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वही सेरेंगहातु मोहर्रम कमिटी के नेतृत्व मे मोहर्रम जुलुस निकाला गया। जुलुस मे शामिल हुए लोगों का स्वागत किया गया। वही सभी जगहों जुलुस निकलकर भ्रमण करते हुए अपने गंतव्य मेला स्थल पंहुचा जहां लोगों ने लाठी, डंडा, तलवारबाजी का खेल दिखाया और जम कर नाचे थिरके। वही मुहर्रम को लेकर सुरक्षा वुवस्था का कड़ा इंतजाम किया गया था। ड्रोन कैमरे से जुलुस की निगरानी की जा रही थी। जगह जगह पर दण्डाधिकारियों के साथ पुलिस बल तैनात थी। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था में एसआई अविनाश राम,रविकांत प्रसाद,मनीष महतो,एएसआई असरफी बहेलिया,गोवर्धन तुरी,जमशेद खान तैनात थे।

बारिश के कारण सूना रहा कुडू में मुहर्रम का त्योहार

कुडू –लोहरदगा। इस बार कुडू प्रखंड में मुहर्रम का त्योहार अपेक्षाकृत शांत और फीका रहा। आमतौर पर वाद्ययंत्रों और जुलूस की रौनक से गुलजार रहने वाला क्षेत्र इस बार गमगीन नजर आया। इसका प्रमुख कारण रहमतनगर निवासी और मुहर्रम आयोजन में प्रमुख भूमिका निभाने वाले परवेज़ अंसारी का असामयिक निधन रहा। 11 जून को करंट लगने से उनकी मृत्यु हो गई थी। उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप स्थानीय मुहर्रम कमिटी ने पहले ही यह निर्णय लिया था कि इस वर्ष पारंपरिक जुलूस का आयोजन नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार, पहलाम के दिन ही पंडरा गांव निवासी, कांग्रेस के पूर्व पंचायत अध्यक्ष और लंबे समय से मुहर्रम आयोजनों में सक्रिय हज़रत पवरिया के निधन के कारण भी वहां कोई आयोजन न के बराबर किया गया। हुसैनी पताकों से सजा रहने वाला कुडू का वातावरण इस बार बेहद शांत नजर आया। हालांकि परंपरा को जीवित रखने के उद्देश्य से कुछ लोगों ने प्रतीकात्मक रूप से जुलूस निकाला। इसमें भी टाकू और हमीद नगर के अखाड़ों के लोगों के बीच हल्की झड़प भी हुई, जिसे मौके पर मौजूद लोगों ने आपसी समझ-बूझ से शांत करा लिया। कुल मिलाकर मुहर्रम की गूंज इस बार कुडू में न सुनाई दी, न दिखाई पड़ी। श्रद्धांजलि, संवेदना और संयम की भावना ने पारंपरिक उत्सव को इस वर्ष मौन श्रद्धा में बदल दिया।

रथयात्रा व मोहर्रम मेला को लेकर सुरक्षा व्यवस्था का डीएसपी ने लिया जायजा

सेन्हा/ लोहरदगा। थाना क्षेत्र अंतर्गत आयोजित होने वाले घूरती रथयात्रा एवं मोहर्रम मेला को लेकर रविवार को पुलिस उपाधीक्षक समीर कुमार तिर्की द्वारा विभिन्न स्थलों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। सेन्हा थाना क्षेत्र के कोराम्बे व सेन्हा में घूरती रथयात्रा तथा उगरा, भड़गांव, चितरी डांडू सहित अन्य स्थानों पर मोहर्रम मेला का आयोजन प्रस्तावित है। इन कार्यक्रमों के मद्देनजर डीएसपी ने संबंधित क्षेत्रों का भ्रमण किया और प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएसपी समीर कुमार तिर्की ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है और सभी आयोजनों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की गई है तथा सभी संवेदनशील स्थानों पर ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेला या किसी भी पर्व के दौरान अफवाह फैलाने, शांति भंग करने या सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

मौसी बाड़ी से मुख्य मंदिर लौटे भगवान जगन्नाथ

कुडू–लोहरदगा। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की नौ दिवसीय मौसी बाड़ी यात्रा के पश्चात रविवार को कुडू में पारंपरिक रथयात्रा (घूरती) का आयोजन भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। कुडू बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर मौसी बाड़ी में नौ दिनों तक विधिवत पूजा-अर्चना के बाद, सुबह रथ पर भगवान के विग्रहों को विराजमान किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने रथ खींचते हुए भगवान को कुडू इंदिरा गांधी चौक स्थित बिड़ला शिव मंदिर तक पहुंचाया। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ रही। कुडू की अंचल अधिकारी मधुश्री मिश्रा, थाना प्रभारी मनोज कुमार एवं पुलिस बल के जवान मौके पर मुस्तैदी से तैनात रहे। रथ खींचने में अमित कुमार बंटू, संजय चौधरी, आकाश कुमार राजा, सूरज सिंह, बिपिन कुमार सहित कई श्रद्धालु शामिल रहे।

घर लौटे भगवान जगन्नाथ

भंडरा (लोहरदगा)। नौ दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान और मौसीबाड़ी प्रवास के पश्चात रविवार को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा रथ पर सवार होकर अपने धाम लौट आए। ऐतिहासिक भंडरा रथ यात्रा का समापन घुरती रथ यात्रा के साथ अत्यंत भव्य और श्रद्धामय वातावरण में हुआ। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर और रथ मार्ग पर उमड़ पड़ी। "हरि बोल" और "जय श्रीराम" के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्ति और उल्लास के रंग में रंग गया। भगवान के रथ को खींचने के लिए लोगों में अद्भुत उत्साह और समर्पण देखा गया।

तेली समाज जिला समिति का आंशिक विस्तार, नन्दकिशोर साहु बने कोषाध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज, लोहरदगा जिला समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक समाज के जिला अध्यक्ष प्रो. शिवदयाल साहु की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला समिति का आंशिक विस्तार करते हुए कई नये पदाधिकारियों की घोषणा की गई। ज्ञात हो कि विगत सम्मेलन में प्रो. शिवदयाल साहु को जिला अध्यक्ष तथा सोहन साहु को महासचिव के रूप में मनोनीत किया गया था। आज की बैठक में सर्वसम्मति से अन्य पदाधिकारियों का चयन किया गया, जिसमें निम्नलिखित सदस्यों को नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। जिला उपाध्यक्षः मनोज साहु, मुकेश साहु, सुदामा साहु, प्रदीप साहु, विदेशी साहु, सचिवः लखपति साहु, सह सचिवः सत्यनारायण साहु, संयुक्त सचिवः दिलीप साहु, संगठन मंत्रीः भागवत साहु, दीपक साहु, कोषाध्यक्षः नन्दकिशोर साहु, सह कोषाध्यक्षः रामबिलास साहु, मीडिया प्रभारीः विनोद साहु व कार्यकारिणी सदस्यः श्याम किशोर साहु, बजरंग साहु, दीपक साहु, अरुण साहु, सुरेश साहु, कृष्णा साहु, विंदेश्वर साहु एवं अजय मधुर को शामिल किया गया है। बैठक में सक्रिय सदस्यता एवं सदस्यता शुल्क निर्धारण पर भी चर्चा हुई और इस पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। इस अवसर पर महासचिव सोहन साहु, रामबिलास साहु, मुकेश प्रसाद साहु, विदेशी साहु, श्याम किशोर साहु, सत्यनारायण साहु, बजरंग साहु, बिनोद साहु, नन्दकिशोर साहु, लखपति साहु, दीपक साहु, आदित्य साहु, सुदामा साहु, अजय कुमार मधुर, अरुण साहु, दिलीप साहु, मनोज साहु एवं रिपु सुदन साहु उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

अनियंत्रित होकर पलटा केमिकल लदा ट्रक, चालक घायल

कुडू (लोहरदगा)। कुडू-चंदवा मुख्य पथ (एनएच-75) पर रविवार सुबह करीब 11 बजे एक केमिकल लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक घायल हो गया। हादसा कुडू थाना क्षेत्र अंतर्गत केडवारी मोड़ के पास हुआ। बताया जा रहा है कि ट्रक (नं. एमपी 65 एच 0391) एलुमिना हाइड्रेट नामक रासायनिक पदार्थ लेकर कुडू से चंदवा की ओर जा रहा था। बारिश के कारण सड़क पर कीचड़ जमा हो गया था, जिससे ट्रक फिसल गया और चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। ट्रक सड़क किनारे पलट गया, जिससे उसमें लदा रसायन का कुछ हिस्सा सड़क पर फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। घायल चालक को प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया है। वहीं, ट्रक को हटाने और यातायात बहाल करने की प्रक्रिया जारी है। उल्लेखनीय है कि एलुमिना हाइड्रेट का प्रयोग विभिन्न उद्योगों में किया जाता है, जिसमें रसायन, सीमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स व अन्य निर्माण क्षेत्र शामिल हैं। प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

विधायक के प्रयास से मेन रोड में लगा 100 केवीए का ट्रांसफार्मर

लोहरदगा। बीते दिनों भंडरा प्रखंड के भंडरा मेन रोड में काफी समय से ट्रांसफार्मर की आवश्यकता थी जिससे विद्युत आपूर्ति में बाधा हो रही थी और ग्रामीणों को घोर अंधेरे का सामना करना पड़ रहा था और विद्यार्थियों के अध्ययन में परेशानी हो रही थी। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने विधायक कार्यालय लोहरदगा में लिखित आवेदन दिया था। जिसपर पूर्व मंत्री सह विधायक डॉ रामेश्वर उराँव के प्रयास से 100 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया और बिजली बहाल की गई। बिजली आते ही ग्रामीणों में ख़ुशी की लहर दौड़ गई। सभी ने विधायक डॉ रामेश्वर उराँव के प्रति आभार जताया। कॉंग्रेस नेता शशि उराँव द्वारा फ़ीता काटकर ट्रांसफार्मर का उद्घाटन भी किया गया। मौक़े पर रोहित साहू, राजकुमार उराँव, पंकज उराँव , आकाश यादव, आकाश सिंह, सूरज कुमार,आदि उपस्थित थे।

वज्रपात की चपेट में आने से युवक की मौत, गांव में छाया मातम

भंडरा (लोहरदगा)। भंडरा थाना क्षेत्र के कांजो महुआ टोली में शनिवार की देर शाम वज्रपात की चपेट में आने से 24 वर्षीय युवक सुदीप मिंज की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक सतीश मिंज का पुत्र था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार शाम तेज बारिश के दौरान सुदीप मिंज अपने घर से कुछ दूर बंधे मवेशी को लेने गया हुआ था। इसी बीच अचानक आसमान से बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के तुरंत बाद परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों ने सुदीप को लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। सुदीप की असामयिक मृत्यु से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। माता तागरेन मिंज और पिता सतीश मिंज अपने इकलौते बेटे की मौत से गहरे सदमे में हैं। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, और शोक संतप्त परिवार के घर सांत्वना देने वालों की भीड़ लगी रही। घटना की सूचना पाकर अंचलाधिकारी दुर्गा कुमार ने पीड़ित परिवार से संपर्क किया और बताया कि उन्हें आपदा राहत मद से यथाशीघ्र मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

सदर अस्पताल परिसर के नाले से मिली महिला की लाश

लोहरदगा। सदर अस्पताल परिसर में उस समय सनसनी फैल गई जब रविवार सुबह नाले में एक महिला मरीज का शव बरामद किया गया। मृतका की पहचान राजमुनी उरांव के रूप में हुई है, जो तीन जुलाई को खाना बनाते समय झुलस जाने के बाद सदर अस्पताल के बेड नंबर-4 पर भर्ती की गई थी। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर बाद महिला अस्पताल से लापता हो गई थी। सुरक्षाकर्मियों को भी उसके बाहर जाने की भनक नहीं लगी। रविवार सुबह सफाईकर्मियों ने जब अस्पताल परिसर के नाले में एक शव देखा, तो तत्काल इसकी सूचना अस्पताल प्रबंधन और पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और शिनाख्त झुलसी महिला राजमुनी उरांव के रूप में हुई। शव बरामद होने के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया, वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस मामले पर सिविल सर्जन डॉ. शंभू नाथ चौधरी ने स्पष्ट किया कि मृतका गरीब और भिक्षावृत्ति करने वाली महिला थी, जो मानसिक रूप से विक्षिप्त और मिर्गी की मरीज थी। उन्होंने बताया कि शनिवार की शाम उसे नाले के किनारे बैठे देखा गया था।

स्वास्थ्य शिविर में 44 नागरिकों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सेवा भारती, लोहरदगा द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के प्रांगण में 160वें सप्ताहिक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 44 नागरिकों सहित कुछ दिव्यांगजनों ने भाग लेकर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, ब्लड ग्रुप, शुगर, बी.पी., वजन, हार्ट बीट, ऑक्सीजन लेवल इत्यादि की जांच निःशुल्क की गई। अन्य सभी प्रकार की पैथोलॉजिकल जांच नाममात्र शुल्क पर की जाती है। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा, जरूरतमंद एवं असहायों की सेवा करना ही परम धर्म है। सेवा भारती का उद्देश्य है कि गरीब, लाचार और बीमार लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना। डॉ. कुमुद अग्रवाल ने वर्षा ऋतु में स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि, खान-पान में सावधानी रखें, खाद्य सामग्री को ढक कर रखें एवं किसी भी चीज का अत्यधिक सेवन न करें। सहसचिव संजय चौधरी एवं सुबोध महतो ने जानकारी दी कि यह स्वास्थ्य शिविर हर रविवार एक घंटे के लिए नियमित रूप से आयोजित किया जाता है, जिससे लोगों को समय पर उचित जांच व उपचार मिल सके। शिविर में अतुल सर्राफ, संध्या देवी, अंजली सर्राफ, केशव महतो, रामजी प्रसाद, आदित्य कुमार, सचिन उरांव, जागेश्वर उरांव, नीतीश कुमार शर्मा, किशोर अग्रवाल, रमेश शर्मा, तपेश्वर प्रसाद, सच्चिदानंद लाल, श्याम सुंदर कुमार, निलेश कुमार, कमला देवी, रानी देवी, सौरभ कुमार, अनुप्रिया कुमारी, आवेश कुमार शिखा, सोनी देवी, प्रदीप खत्री आदि मौजूद थे।

जिला अधिवक्ता संघ लोहरदगा के चुनाव संपन्न, हेमंत सिन्हा अध्यक्ष निर्वाचित

लोहरदगा। जिला अधिवक्ता संघ लोहरदगा के आगामी सत्र 2025-26 के लिए चुनाव आज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मतदान प्रक्रिया की निगरानी स्टेट बार काउंसिल से आए पर्यवेक्षक अधिवक्ता संजय कुमार विद्रोही एवं परमेश्वर मंडल तथा मुख्य चुनाव पदाधिकारी प्रवीण कुमार भारती एवं उनके सहयोगियों चंद्रप्रकाश पाठक और मोमिना खातून ने की। जिसमे अध्यक्षः हेमंत सिन्हा, सचिवः लाल दीपक शाहदेव, उपाध्यक्षः देवाशीष कर, संयुक्त सचिव (प्रशासन): लाल धर्मेन्द्र देव, कोषाध्यक्षः पवन कुमार, सह सचिव (पुस्तकालय): विनय कुमार, सह कोषाध्यक्षः राधाकृष्ण शर्मा व कार्यकारिणी सदस्यः उज्ज्वल कुमार, रमेश गोयल, आशीष कुमार, नरेन्द्र मिंज, अजय लकड़ा, जितेंद्र ठाकुर निर्वाचित हुए। मुख्य चुनाव पदाधिकारी प्रवीण कुमार भारती ने सभी विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी और अधिवक्ता कल्याण के लिए निष्ठापूर्वक कार्य करने की शुभकामनाएं दीं।

भाजपा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनाई

लोहरदगा। भारतीय जनता पार्टी, जिला लोहरदगा द्वारा महान विचारक, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रणेता एवं अखंड भारत के समर्थक श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती जिला कार्यालय सभागार में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनीर उरांव ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा प्रदेश नेता एवं ग्रामीण बैंक के स्वतंत्र निदेशक प्रेम मित्तल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि, दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् के गायन से की गई। मुख्य वक्ता प्रेम मित्तल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन और विचार आज भी देश को दिशा देने वाला प्रकाशस्तंभ है। उन्होंने अंग्रेजों के शासन काल में जो प्रतिमान स्थापित किए, वे आज भी देशवासियों को प्रेरणा देते हैं। उन्होंने अल्पायु में ही अखंड भारत की नींव रखी और अपने संघर्ष से पंजाब, बंगाल और कश्मीर को भारत से जोड़ा।प्रेम मित्तल ने कहा कि डॉ. मुखर्जी भारतीय संस्कृति, भाषा, शिक्षा और आत्मनिर्भर तकनीकी विकास के सशक्त पक्षधर थे। उन्होंने अलगाववाद और विभाजनकारी नीतियों का हमेशा मुखर विरोध किया और राष्ट्रहित में कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर धारा 370 के विरोध में देश के लिए बलिदान दिया। उनकी औद्योगिक नीति ने देश की आधारशिला रखी और महात्मा गांधी एवं सरदार पटेल जैसे नेताओं ने उन्हें मंत्री पद ग्रहण करने का आग्रह किया था। जिला अध्यक्ष मनीर उरांव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचार और कार्य आज के भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दे रहे हैं।

लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन की वार्षिक आम बैठक संपन्न

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित, स्कॉलरशिप योजना की घोषणा

- लोहरदगा में क्रिकेट का उज्ज्वल भविष्य है : धीरज प्रसाद
- सीनियर टीम में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ आशुतोष मिश्रा एवं सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ आदित्य झा चुने गए

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन की वार्षिक आम बैठक रविवार को एसोसिएशन के अध्यक्ष धीरज प्रसाद साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत सचिव आलोक राय द्वारा उपस्थित सदस्यों के स्वागत से की गई। इसके बाद गत बैठक की कार्यवाही को अनुमोदित किया गया। बैठक में वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट और आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। आगामी वर्ष के लिए के. पांड्या एंड कंपनी को लेखा परीक्षण की जिम्मेदारी सौंपे जाने का प्रस्ताव भी पारित हुआ। बैठक से पूर्व एसोसिएशन के आजीवन सदस्य अशोक यादव के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर अध्यक्ष धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि लोहरदगा में क्रिकेट का उज्ज्वल भविष्य है। खिलाड़ियों के विकास हेतु स्टेडियम को आधुनिक स्वरूप देने के साथ-साथ प्रशिक्षण की बेहतर व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए स्कॉलरशिप योजना शुरू करने की भी घोषणा की। आजीवन सदस्य अब्दुल जब्बार ने शिवप्रसाद साहू मेमोरियल टी-20 टूर्नामेंट के सफल आयोजन की सराहना करते हुए इसे अगले वर्ष और भी भव्य रूप से आयोजित किए जाने की बात कही।

बैठक के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। सीनियर टीम में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ आशुतोष मिश्रा एवं सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ आदित्य झा चुने गए। अंडर-19 वर्ग में लक्ष्य कौशिक को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया गया। जूनियर वर्ग में सुशांत कुमार साहू (बल्लेबाज़) एवं अंश मिश्रा (गेंदबाज़) को सम्मानित किया गया। महिला वर्ग में इशिका भगत को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त हुआ। रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले आशीष कुमार को जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से मोमेंटो व शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया।

उन्होंने अब तक 47 प्रथम श्रेणी मैचों में 140 विकेट तथा 6 लिस्ट ए मैचों में 8 विकेट प्राप्त किए हैं।कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष नेयाज मल्लिक ने किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष भास्कर दास गुप्ता, उपाध्यक्ष विशाल महेंद्रु, रथींद्रनाथ राय, किशोर वर्मा, सह सचिव प्रवीण प्रसाद, उप सचिव सतीश वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य दुर्गा प्रजापति, मुकेश दुबे, प्रमोद वर्मा, रमेश साहू, आजीवन सदस्य संजय साहू, हर्षित साहू, रोहित साहू, नवीन गुप्ता, कुणाल गुप्ता, दुर्गेश साहू, अमित साहू, कुशल गुप्ता, दिलीप गुप्ता, विपिन गुप्ता, अब्दुल जब्बार, शकील अहमद, संदीप मिश्रा, आशीष कुमार, अमित कुमार, अभय वर्मा, जयदीप चौबे समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

खेल अनुशासन, स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली का आधार : डीसी

गुमला। विश्व बैडमिंटन दिवस के अवसर पर गुमला जिले के इनडोर स्टेडियम में आयोजित स्मैशाथॉन 2025 एक दिवसीय जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में जिले भर से आए सैकड़ों युवा प्रतिभागियों ने उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल खेल तक सीमित नहीं था, बल्कि नशा मुक्ति और खेल के माध्यम से सामाजिक जागरूकता फैलाना भी था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा जिला प्रशासन बनाम आम नागरिकों के बीच आयोजित मैत्रीपूर्ण मुकाबला, जिसमें प्रशासन की टीम विजयी रही। इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रशासनिक अधिकारियों ने नशा विरोधी अभियान को नया सामाजिक रूप दिया। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने मिश्रित युगल (मिक्स डबल्स) मुकाबले में कोच संजू कुमार के साथ भाग लेते हुए शानदार प्रदर्शन किया और अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा –"जब प्रशासनिक अधिकारी भी खेल में भाग ले सकते हैं, तो युवाओं को भी खेल को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। खेल अनुशासन, स्वास्थ्य और सकारात्मक जीवनशैली का आधार है। आज के समय में नशा से दूरी और खेल से जुड़ाव ही समाज की सबसे बड़ी जरूरत है।" इस आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब प्रशासन और आम जनता मिलकर सकारात्मक उद्देश्य से कोई पहल करते हैं, तो उसका व्यापक सामाजिक प्रभाव पड़ता है। प्रतियोगिता के दौरान दर्शक दीर्घा में भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मोदी युग में साकार हो रहे हैं डॉ. मुखर्जी के सपने: विकास प्रीतम

गुमला। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं महान शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी गुमला इकाई द्वारा रविवार को स्थानीय पर्यटक भवन में एक भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं संयोजक सत्यनारायण पटेल ने की। संगोष्ठी की शुरुआत डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पण के साथ हुई। इसके पश्चात उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रमुख वक्ता विकास प्रीतम ने कहा की डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक अस्मिता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश उन सभी सपनों को साकार करने की ओर अग्रसर है, जिनकी कल्पना मुखर्जी ने की थी।" उन्होंने यह भी कहा कि यदि डॉ. मुखर्जी नहीं होते तो आज पंजाब और बंगाल भारत का हिस्सा नहीं होते, क्योंकि तत्कालीन सरकार इन्हें पाकिस्तान में शामिल करने पर विचार कर रही थी। जनसंघ से शुरू हुआ एक विचार आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी 'भारतीय जनता पार्टी' के रूप में स्थापित हो चुका है, उन्होंने यह कहते हुए कार्यकर्ताओं को गर्व और प्रतिबद्धता का भाव जागृत करने का आह्वान किया।

शांतिपूर्ण रहा मुहर्रम का पर्व

गुमला। जिले में इस्लामी नववर्ष के अवसर पर मनाया गया मोहर्रम का पर्व पूरी श्रद्धा, भाईचारे और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। हालांकि जिला मुख्यालय गुमला शहर में इस बार ताजिया जुलूस नहीं निकाला गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरा अनुसार ताजिया जुलूसों का आयोजन किया गया, जहां मुस्लिम समुदाय के लोगों ने धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए मातम मनाया। गुमला जिला प्रशासन द्वारा पर्व से पहले ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारी की गई थी। थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च, पेट्रोलिंग और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस बल की तैनाती के साथ ही स्थानीय प्रशासन एवं ग्रामीणों के सहयोग से पूरे जिले में अमन-चैन का माहौल बना रहा। गुमला एसपी हरिस बिन जमा और उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने स्वयं मोहर्रम से पहले विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण कर शांति समिति के सदस्यों, धर्मगुरुओं और आम नागरिकों से संवाद किया था। इसी का असर रहा कि कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। गुमला जिले के पालकोट, घाघरा, चैनपुर, कामडारा, सिसई, विशुनपुर, भरनो, रायडीह समेत कई ग्रामीण प्रखंडों के मुस्लिम बहुल गांवों में परंपरागत ताजिया जुलूस निकाले गए। इन जुलूसों में युवाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बारिश से जनजीवन बेहाल, सब्जियों के दामों में हुई वृद्धि

गुमला। गुमला जिले में पिछले लगातार 15 दिनों से जारी मूसलधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। रोजमर्रा की जिंदगी पर व्यापक असर पड़ा है, खासकर गरीब, मजदूर और दुकानदार तबके के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश की वजह से बाजारों में रौनक कम हो गई है, वहीं दैनिक मजदूरी करने वाले हजारों लोगों की रोजी-रोटी पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। लगातार हो रही वर्षा से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सब्जी की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। खेतों में पानी भरने और कीचड़ जमने के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है। इस आपदा का सीधा असर शहरी सब्जी बाजार पर दिख रहा है, जहां हरी सब्जियों की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। टमाटर, भिंडी, करेला, लौकी, परवल जैसी आम सब्जियाँ अब आम जनता की पहुँच से बाहर होती जा रही हैं। पहले जो सब्जी 20-30 किलो मिलती थी, वह अब 60-100 तक पहुंच चुकी है। बढ़ती महंगाई का सबसे बुरा असर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। सब्जियों के दाम में अचानक हुई इस वृद्धि के कारण लोग हरी सब्जियों की जगह चना, सोयाबीन, आलू और बेसन से बनी सब्जियों का सहारा ले रहे हैं। स्थानीय गृहिणियों का कहना है कि अब सब्जी खरीदना मुश्किल हो गया है। हर दिन दाल-चना और बेसन से काम चला रहे हैं। बारिश के कारण न केवल खरीदार बल्कि थोक और खुदरा सब्जी विक्रेताओं की भी परेशानी बढ़ गई है।

झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया संयोजिका संघ की बैठक, चेतावनी के साथ उठी आवाज

गुमला। आज रविवार को झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया संयोजिका संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक घाघरा प्रखंड के राजकीयकृत मध्य विद्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सह प्रदेश उपाध्यक्ष देवकी देवी ने की, जबकि संचालन का दायित्व प्रखंड अध्यक्ष संध्या देवी ने निभाया। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रखंड स्तर पर संगठन की मजबूती, संकुल समिति गठन और आगामी प्रखंड सम्मेलन की रूपरेखा पर चर्चा करना रहा। बैठक में बड़ी संख्या में रसोइया व संयोजिकाएं उपस्थित थीं, जिन्होंने अपने अधिकारों और समस्याओं को लेकर एकजुट होकर आवाज उठाई। बैठक में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा उन विद्यालय रसोइयों के स्थान पर नई नियुक्तियों को लेकर उठा, जिनकी आयु 60 वर्ष पूरी हो चुकी है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि जिन रसोइयों की सेवा समाप्त हो रही है, उनकी बेटी या बहू को नियुक्ति देने की परंपरा को दरकिनार कर बाहरी लोगों को नियुक्त किया जा रहा है, जो न केवल अन्याय है बल्कि स्थानीय महिला सम्मान और रोजगार के अधिकार का उल्लंघन भी है। संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि 60 वर्ष पूर्ण करने वाले रसोइया की परिजनों को नियुक्ति नहीं दी जाती है, तो वे घाघरा बीआरसी (ब्लॉक रिसोर्स सेंटर) कार्यालय में ताला बंदी आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जवाबदेही शिक्षा विभाग पर होगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि आने वाले दिनों में प्रखंड सम्मेलन आयोजित कर संगठन का विस्तार किया जाएगा और संकुलवार कमेटियों का गठन कर हर स्कूल में संगठन की पकड़ मजबूत की जाएगी। संगठन ने यह भी कहा कि रसोइयों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए आगे और भी सशक्त आंदोलन की तैयारी की जा रही है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से लक्ष्मी देवी, बिमला देवी, बिमला कुमारी, मंजू देवी, हिरामुनी देवी समेत घाघरा प्रखंड के विभिन्न स्कूलों की रसोइया व संयोजिकाएं उपस्थित थीं। सभी ने संगठन को और मजबूत करने एवं महिला अधिकारों की रक्षा के लिए मिलकर संघर्ष करने का

मूसलाधार बारिश से गिरा किसान का घर

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम कुदरा डोंगरीटोली निवासी अनिल उरांव पिता स्व मोण्डो उरांव का कच्चा मकान शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण गिर गया।

जिससे घर में रखे अलमारी, बक्सा, खाने पीने की चीजों सहित घरेलू सामान दबकर क्षतिग्रस्त हो गया है। घर के गिर जाने से किसान अनिल उरांव को लाखों रुपए की आर्थिक क्षति पहुंची है। इसकी सूचना उन्होंने पंचायत के मुखिया को दे दी है। अनिल उरांव का कहना है कि वह एक गरीब किसान है और उसके परिवार में कुल छः सदस्य - स्वयं, उसकी पत्नी और चार छोटे छोटे बच्चे हैं। साथ ही चार पांच मवेशी भी है। घर के गिर जाने से उनके रहने तथा मवेशियों को रखने का कोई जगह नहीं है जिससे उनके सामने एक विकट परिस्थिति खड़ी हो गई है।

उनके आय का एक मात्र जरिया कृषि ही है। किसान ने कहा कि इस बार लगातार हो रही बारिश से खेती भी हो पाएगी या नहीं इसकी चिन्ता सता रही है। उन्होंने इस संकट की घड़ी में प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

प्रशासनिक तैयारी जोरों पर, एसडीओ ने टांगीनाथ धाम का किया निरीक्षण

व्यवस्था की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश

- स्वच्छता, सुरक्षा और समन्वय को लेकर मेला समिति के साथ की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्त्व वाले टांगीनाथ धाम में आगामी श्रावणी मेले की तैयारी को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तेजी आ गई है। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश पर रविवार को चैनपुर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) ने टांगीनाथ धाम, डुमरी का दौरा कर मेले की तैयारियों का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने मेला समिति, प्रखंड स्तरीय अधिकारियों एवं स्थानीय प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक कर मेले की सफलता, सुरक्षा और व्यवस्थापन से जुड़े बिंदुओं पर गहन चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीओ ने कहा कि श्रावणी मेला एक बड़ा धार्मिक समागम है, जहां राज्य के कोने-कोने से श्रद्धालु जलाभिषेक और पूजा के लिए पहुंचते हैं। इसे देखते हुए भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महिला पुलिस बल भी मेले में तैनात किया जाएगा। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे सक्रिय किए जाएंगे, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति पर शीघ्र नियंत्रण पाया जा सके।

निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने मेला क्षेत्र में सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, पार्किंग, और बैरिकेडिंग जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की। एसडीओ ने मेला समिति के सदस्यों से संवाद करते हुए कहा कि प्रशासनिक प्रयास तभी सफल होंगे जब स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वयंसेवी संगठन और मेला समिति समन्वय बनाकर कार्य करें। श्रद्धालुओं को सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्था तीनों मोर्चों पर अच्छा अनुभव मिले, इसके लिए सभी संबंधित एजेंसियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर तैयारी पूरी करनी होगी। इस निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी डुमरी, अंचल अधिकारी डुमरी, थाना प्रभारी डुमरी, स्वास्थ्य विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कर्मी तथा मेला समिति के प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। सभी को उनके कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारियों की स्पष्ट रूपरेखा दी गई ताकि किसी भी विभाग में समन्वय की कमी न रहे।

डीसी ने बसिया के एमटीसी का किया निरीक्षण बच्चों के इलाज व्यवस्था की सराहना की

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। कुपोषण के खिलाफ जिला प्रशासन की मुहिम को और मजबूती देते हुए उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने शनिवार को बसिया प्रखंड स्थित कुपोषण उपचार केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपचाररत बच्चों की स्वास्थ्य व्यवस्था, पोषण प्रबंधन और स्टाफ की कार्यप्रणाली की गहन समीक्षा की तथा उपलब्ध सेवाओं की सराहना की। उपायुक्त ने कहा कि कुपोषण एक गंभीर चुनौती है, जिससे बच्चों का संपूर्ण विकास प्रभावित होता है। गुमला जिला प्रशासन इस चुनौती से निपटने के लिए गंभीरता से प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि द हंस फाउंडेशन के सहयोग से बसिया और डुमरी प्रखंड में एमटीसी की स्थापना की गई है, जिसमें गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों का मुफ्त इलाज किया जा रहा है।

● क्यों जरूरी है एमटीसी

कुपोषण से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता घटती है, जिससे वे सूखा रोग, रतौंधी, अंधत्व जैसे कई बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। महिलाओं में भी रक्ताल्पता व अन्य बीमारियों की जड़ कुपोषण ही है। ऐसे में इस प्रकार के उपचार केंद्र बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

● उपायुक्त की नागरिकों से अपील

"यदि आपके आसपास कोई बच्चा अति कम वजन का हो, तो उसे तत्काल नजदीकी एमटीसी में भर्ती कराएं। समय पर इलाज से बच्चा पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है। गौरतलब है कि डुमरी प्रखंड में भी आगामी 15 जुलाई से कुपोषण उपचार केंद्र एमटीसी की शुरुआत की जा रही है, जिससे जिले में कुपोषण की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकेगा।

घर में घुसा 15 फीट का अजगर, मची अफरा-तफरी

भरनो (गुमला)। भरनो थाना क्षेत्र के पुराना थाना के पास रविवार शाम उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक ग्रामीण के घर में करीब 15 फीट लंबा विशाल अजगर अचानक घुस आया। अजगर को घर में घूमते देख परिजनों के होश उड़ गए और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। परिवार के सदस्यों ने किसी तरह साहस दिखाते हुए खुद को घर से बाहर निकाला और शोर मचाया। आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग और प्रशासन को सूचना दी तथा मदद की गुहार लगाई। जब तक वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचती, ग्रामीणों ने सतर्कता और सावधानी के साथ अजगर को एक डब्बे में बंद कर दिया।

भालू के हमले से युवक घायल

गुमला। गुमला जिले के बसिया थाना क्षेत्र अंतर्गत निनई गांव में जंगली भालुओं के हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना मानव और वन्य जीवों के बीच बढ़ते टकराव का ताजा उदाहरण है। घायल युवक की पहचान रितेश गोप (उम्र 17 वर्ष), पिता – राम गोप के रूप में की गई है। घटना रविवार की सुबह की है, जब रितेश अपने एक मित्र के साथ गांव से सटे पहाड़ी क्षेत्र में मवेशियों को चारा खिलाने गया था। उसी दौरान दो जंगली भालुओं ने अचानक रितेश पर हमला कर दिया। युवक किसी तरह अपने दोस्त के साथ जान बचाकर वहां से भाग निकला।

हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ रथोत्सव

नवीन मेल संवाददाता

जगण्णाथपुर रथ मेला में श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा देखा गया

गुमला। जिले में परंपरागत आस्था और सांस्कृतिक उत्सव का प्रतीक घूरती रथ मेला इस वर्ष भी धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के माहौल में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। गुमला जिला मुख्यालय से लेकर सिसई प्रखंड के नागफेनी तक, श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ ने रथ खींचने की परंपरा को जीवंत किया। जिला मुख्यालय स्थित करौंदी रथ बगीचा परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। रथ खींचने से पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद जैसे ही रथ यात्रा आरंभ हुई, जय जगन्नाथ के जयघोष और घंटे-घड़ियाल की ध्वनि से वातावरण गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालु, महिलाएं, बच्चे एवं बुजुर्गों ने बड़े उत्साह के साथ रथ की रस्सी खींचते हुए भाग लिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन और भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी समुदाय के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सिसई प्रखंड के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल नागफेनी में भी घूरती रथ मेला का भव्य आयोजन किया गया। दूर-दूर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने रथ खींचने की परंपरा में भाग लिया। मेला क्षेत्र में दर्जनों दुकानों, झूलों और ग्रामीण उत्पादों की बिक्री से क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा। जिला के विभिन्न प्रखंडों से आए श्रद्धालु जब रथ खींचने के लिए एकत्र हुए, तो नजारा अद्भुत हो गया। बच्चे, युवा, महिलाएं – सभी अपने-अपने ढंग से श्रद्धा और आस्था के साथ रथ यात्रा में शरीक हुए। अनेक श्रद्धालुओं ने नंगे पांव चलकर रथ खींचने की परंपरा निभाई, जिसे साक्षात भक्ति का प्रतीक माना जाता है। रथ मेला को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा, ट्रैफिक, सफाई और स्वास्थ्य सेवाओं की पुख्ता व्यवस्था की थी।

दो कमरे, दो शिक्षक व जर्जर भवन के सहारे चल रहा है सरकारी स्कूल

नवीन मेल संवाददाता

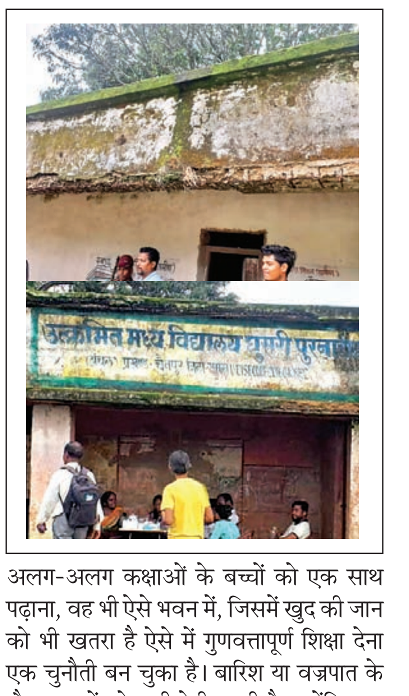

गुमला। झारखंड के सरकारी विद्यालयों की स्थिति को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन चैनपुर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय घुसरी पुरनाडीह की हालत देख कोई भी द्रवित हो जाए। यह स्कूल आज भी शिक्षा के बुनियादी ढांचे से कोसों दूर है। केवल दो कमरे और दो शिक्षक—यही आधार हैं इस स्कूल की। पहली से आठवीं तक की पढ़ाई का ही होती है इस स्कूल में, विद्यालय का भवन जर्जर और खस्ताहाल है। दीवारों में दरारें, छत से टपकता पानी और फर्श पर फैली नमी, ये दृश्य किसी प्राकृतिक आपदा के बाद के नहीं, बल्कि आज के "डिजिटल इंडिया" में चल रहे एक सरकारी स्कूल के हैं। दो में से एक कमरे में रसोई (मिड डे मील) और दफ्तर का काम भी चलता है, तो पढ़ाई के लिए स्थान बचता ही कितना है?

ग्रामीणों की व्यथा भी कम नहीं। एक अभिभावक ने बताया,"बच्चें डर से पढ़ाई करता है कभी भी भवन गिर सकता है। लेकिन कहां जाएं? पास में कोई दूसरा स्कूल नहीं है।" विद्यालय में कार्यरत एक शिक्षक ने बताया की सिर्फ दो शिक्षकों से आठ कक्षाएं चलाना बहुत कठिन है। अलग-अलग कक्षाओं के बच्चों को एक साथ पढ़ाना, वह भी ऐसे भवन में, जिसमें खुद की जान को भी खतरा है ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना एक चुनौती बन चुका है। बारिश या वज्रपात के दौरान बच्चों को छुट्टी देनी पड़ती है, क्योंकि छत से पानी टपकता है और दीवारें कांपने लगती हैं। पंचायत के मुखिया ईश्वर खेस ने बताया कि यह विद्यालय बहुत पुराना है और क्षेत्र में कोई अन्य विकल्प नहीं है। "यहां के गरीब परिवारों के पास दूसरा रास्ता नहीं है। जान का जोखिम लेकर भी बच्चों को भेजना मजबूरी है।" वहीं प्रभारी प्रधानाध्यापक का कहना है कि भवन की मरम्मत के लिए कई बार आवेदन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

जिला शिक्षा पदाधिकारी नूर आलम खान ने स्वीकार किया कि,"जिले के करीब 20 से 25 प्रतिशत स्कूल भवन जर्जर हालत में हैं। घुसरी पुरनाडीह विद्यालय का नाम भी हमारी रिपोर्ट में शामिल है। हमने 245 ऐसे विद्यालयों की सूची रांची परियोजना कार्यालय को भेजी है। डीएमएफटी (जिला खनिज निधि ट्रस्ट) से भवन निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा गया है और जेईपीसी (झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद) को भी रिमाइंडर भेजा जाएगा।"

यह सवाल केवल चैनपुर के इस विद्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि झारखंड के उन सैकड़ों स्कूलों तक फैला हुआ है जहाँ बुनियादी सुविधाएं नहीं, लेकिन पढ़ाई जारी है — क्योंकि यह बच्चों का अधिकार है। सरकारें बदलती हैं, घोषणाएं होती हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत वही की वही रहती है।

न्यूज बॉक्स

गुरुगोष्ठी का आयोजन शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा

सिसई (गुमला)। प्रखंड मुख्यालय के नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय के सभागार में शिक्षकों का मासिक गुरुगोष्ठी का बैठक सम्पन्न हुआ। इस बैठक में प्रखण्ड प्रमुख मीना देवी, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी प्रीति कुमारी कुजूर, बीपीओ दिलदार सिंह शामिल हुए। सभी एच एम ने अपने अपने विद्यालय के समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराते हुए इसका शीघ्र ही निदान करने पर चर्चा किए। कुछ विद्यालय के प्रधानाध्यापकों ने शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया जिसके कारण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रहा है। और पठन पाठन में दिक्कतें हो रही है। जल्द ही शिक्षकों को बहाल कर कमी को दूर करने की मांग की। वर्तमान में राजकीयकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय कोड़ेदाग का जर्जर हुए चार भवनों का जिक्र करते हुए कहा गया कि जहां बच्चे अपना भविष्य गढ़ने आते हैं वहां भय के साये में बैठने को मजबूर हैं। और कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। एक समस्या झटनी टोली मध्य विद्यालय का बताया गया जहां 254 बच्चे नामांकित हैं जिसमें 200 बच्चे अध्ययनरत हैं वहां पानी की कोई व्यवस्था नहीं है, बच्चों को पानी पीने के लिए सड़क के उसपार जाना पड़ता है जिससे हमेशा बच्चों के साथ सड़क दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। प्रखण्ड प्रमुख मीना देवी ने कहा कि मैंने और बीडीओ साहब ने कोड़ेदाग विद्यालय का निरीक्षण किया है विद्यालय के जर्जर भवन को देखते हुए तत्काल वहां से बच्चों को हटवा दिया गया है और चारों कमरों में ताला लगवा दिया गया है। जल्द ही इसका विकल्प ढूंढ लिया जाएगा।

शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया मुहर्रम

चैनपुर। चैनपुर में हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुस्लिम समुदाय द्वारा मुहर्रम का पर्व रविवार को शांति, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड मुख्यालय के सिल्फरी में अलम का प्रदर्शन किया गया, जहां जंगी दस्तों ने विभिन्न प्रकार के करतब दिखाए। मुस्लिम युवकों ने प्रतीकात्मक हथियारों से युद्ध कला का प्रदर्शन किया, जो कर्बला के भीषण युद्ध का प्रतीक था।जुलूस के दौरान लोगों ने इमाम हुसैन की याद में नारे लगाए। मुहर्रम का जुलूस मस्जिद से निकलकर चैनपुर, जमगाई और बरवेनगर मस्जिदों से होते हुए मिला और मस्जिद पहुंचकर फातिहा के साथ समाप्त हो गया।इस मौके पर सदर शकील खान ने बताया कि युद्ध कला का प्रदर्शन कर्बला के उस भीषण युद्ध का प्रतीक है जिसमें इमाम हुसैन ने अपने पूरे कुनबे के साथ शहादत दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि मुहर्रम पर्व पर इमाम हुसैन की शहादत को याद किया जाता है और उनके दिखाए रास्ते पर चलने की नसीहत दी जाती है।चैनपुर थाना प्रभारी कुंदन चौधरी ने सभी लोगों को त्योहार की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुहर्रम का त्योहार हमें अन्याय और अत्याचार के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

गुमला। "दृष्टि है तो दुनिया का अस्तित्व है" इसी उद्देश्य के साथ सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गुमला में शनिवार को एक दिवसीय नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विद्यालय के सभागार में कक्षा अष्टम से द्वादश तक के भैया-बहनों के लिए लगाया गया, जिसमें छात्रों की नेत्र जांच कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यकतानुसार दवाइयां और चश्मा भी प्रदान किया गया। शिविर का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा और स्थानीय प्रबंधन समिति के सचिव विजय बहादुर सिंह की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर निराला नेत्र अस्पताल की विशेषज्ञ टीम — डॉक्टर सादिक अली, डॉक्टर तरुण कुमार राणा, रानी कुमारी, किरण बाखला, सोनम कुमारी, चंद्रशेखर सिंह और दिलीप उरांव ने अपनी सेवाएं दीं। इस आयोजन का समन्वय पूर्व आचार्य भोलानाथ दास द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छात्रों को नियमित नेत्र जांच की महत्ता और आंखों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

रथायात्रा में के दौरान सजा रंगारंग कार्यक्रम

पालकोट (गुमला)। घूरती रथ मेले के पावन अवसर पर नागपुरी सामाजिक सांस्कृतिक कला विकास समिति के तत्वावधान में पालकोट में एक भव्य नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड की पारंपरिक लोकसंस्कृति को जीवंत बनाना और आने वाली पीढ़ियों को इससे जोड़ना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मनीष, भूषण सिंह, एवं थाना प्रभारी राहुल दसौंधी द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। अपने संबोधन में मनीष ने कहा, "हमारी झारखंडी संस्कृति ही हमारी असली पहचान है। आज की युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए इस तरह के सांस्कृतिक आयोजनों की अहम भूमिका है। झारखंड में कहा जाता है – जे नाची से हे बांची, यानी जो नाचेगा वही बचेगा।" उन्होंने यह भी कहा की आज के तेज़ रफ्तार जीवन में लोगों के पास मनोरंजन के लिए समय नहीं है, जिस कारण तनाव और निराशा बढ़ रही है। ऐसे सांस्कृतिक आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम हैं, बल्कि मानसिक शांति और सामूहिक ऊर्जा का भी संचार करते हैं।

श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुई भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड के करंज, समसेरा करंजटोली और करौंदाजोर गांवों में स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की घूरती रथ यात्रा सोमवार को भक्तिभाव और उत्साह के साथ संपन्न हुई। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु अपने मौसी बाड़ी (गुंडिचा मंदिर) से रथ पर सवार होकर 9 दिनों के प्रवास के बाद मुख्य देवालय में वापसी कर रहे थे। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने रथ खींचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। हरिनाम संकीर्तन, भजन-कीर्तन और जयघोषों से गांव का वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि यह रथ यात्रा हर वर्ष बड़े श्रद्धा भाव से आयोजित की जाती है। गांव के लोग इस दिन को आध्यात्मिक पर्व के रूप में मनाते हैं और रथ खींचने को जीवन का सौभाग्य मानते हैं। रथ यात्रा के साथ-साथ भव्य मेले का भी आयोजन किया गया, जिसमें खेल-तमाशा, झूले, मिष्ठान्न, खिलौने सहित विभिन्न स्टॉलों ने मेले की शोभा बढ़ाई। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने मेले का भरपूर आनंद उठाया।

सुप्रभात | विचार प्रवाह

"विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने समाज और देश के प्रति जागरूक रहे। उसे अपने समाज और देश की समस्याओं के बारे में सोचना चाहिए और उनका समाधान खोजने का प्रयास करना चाहिए।" - हजारी प्रसाद द्विवेदी

संपादकीय

युद्धविराम किया तो क्या किया

भारत पाक के बीच युद्ध क्यों नहीं पर सवाल उठाने वाले लोगों की कमी नहीं पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय देख रहा है कि मार्च में आखिरी अल्पकालिक युद्ध विराम के टूटने के बाद फिर से दो महीने के युद्ध विराम पर चर्चा हो रही है। चूंकि गाजा में तबाही दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, तो क्या इस बार स्थिति कुछ अलग होगी? कतर के मध्यस्थों द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव में कथित तौर पर हमास द्वारा 60 दिनों की अवधि में दस जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के शवों को सौंपने की बात कही गई है, जिसके बदले में कई फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा। यदि दीर्घकालिक समझौता हो जाता है, तो शेष 22 बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा। 60 दिन की युद्ध विराम अवधि में शत्रुता के स्थायी अंत और गाजा में युद्ध के बाद के शासन के लिए रोडमैप पर भी बातचीत होगी। लेकिन यह योजना इस साल जनवरी से मार्च तक आठ सप्ताह के तीन चरण के युद्ध विराम के समान है, जो बंधकों के आदान-प्रदान के पहले चरण के बाद ही टूट गया था। हमास के लिए, दीर्घकालिक युद्ध विराम का मतलब युद्ध का स्थाई अंत और गाजा से इस्राइली सेना की वापसी है, जबकि इस्राइल सत्ता से हमास को पूरी तरह से हटाना, उसकी सैन्य शाखा को खत्म और निरस्त्र करना चाहता है तथा हमास के बचे हुए वरिष्ठ नेताओं को निर्वासित करना चाहता है। चुनौतियों के बावजूद ऐसे कई कारण हैं कि युद्ध विराम का यह प्रयास अलग हो सकता है। सबसे पहला और महत्वपूर्ण कारण इस्राइल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ तथाकथित '12-दिवसीय युद्ध' है, जिसे इस्राइल ने ईरान की परमाणु क्षमताओं को कम करने की एक बड़ी सफलता के रूप में प्रचारित किया है। इस कथित जीत से नेतन्याहू को अपने गठबंधन के अति-दक्षिणपंथी कट्टरपंथियों की आपत्तियों के बावजूद युद्ध विराम के लिए राजनीतिक गतिशीलता मिल गई है, जिन्होंने सरकार को गिराने की धमकी दी थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि प्रस्तावित शर्तों में 60 दिन की अवधि के बाद इस्राइल को युद्ध पुनः शुरू करने से रोकने की गारंटी शामिल होगी या नहीं।

हमास के लिए, दीर्घकालिक युद्ध विराम का मतलब युद्ध का स्थाई अंत और गाजा से इस्राइली सेना की वापसी है, जबकि इस्राइल सत्ता से हमास को पूरी तरह से हटाना, उसकी सैन्य शाखा को खत्म और निरस्त्र करना चाहता है तथा हमास के बचे हुए वरिष्ठ नेताओं को निर्वासित करना चाहता है।

पिछले दौर की वार्ता के बाद से नए मुद्दे भी उठे हैं, जो आगे और भी चुनौतियां खड़ी कर सकते हैं। हमास गाजा में पारंपरिक मानवीय सहायता वितरण की वापसी की मांग कर रहा है। पिछले युद्ध विराम के बाद से गाजा पर इस्राइल का सैन्य नियंत्रण और भी मजबूत हो गया है। नेतन्याहू ने हाल ही में कहा कि युद्ध के बाद भी इस्राइल 'गाजा पर पूर्ण सुरक्षा नियंत्रण' रखेगा। ऐसे में, भले ही अस्थाई युद्धविराम पर सहमति हो जाए, लेकिन दीर्घकालिक युद्धविराम की दिशा में आगे बढ़ना या स्वीकार्य 'दिन के बाद' समझौते पर पहुंचना मुश्किल है। फिर भी, मौजूदा समय में सफलता का अवसर है। ट्रंप युद्ध विराम में फिर से दिलचस्पी ले रहे हैं और नेतन्याहू के पास समझौता करने और बंधकों को वापस घर लाने का एक दुर्लभ राजनीतिक अवसर है। हमास न केवल इस्राइली सैन्य हमलों के कारण कमजोर हुआ है, बल्कि गाजा के लोगों की बढ़ती निराशा के कारण भी कमजोर हुआ है, जो युद्ध समाप्ति के लिए आतुर हैं। सवाल यह है कि क्या इस्राइल और हमास में युद्ध खत्म करने की इच्छाशक्ति है। बीते महीने ईरान और इस्राइल के बीच 12 दिन तक चले तनावपूर्ण संघर्ष के बाद अंतरराष्ट्रीय दबाव और कूटनीतिक प्रयास तेज हुए। कतर व मिस्त्र जैसे देश इसमें मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं।

बागवानी से समृद्धि की ओर : झारखंड में किसानों की आय वृद्धि और रोजगार सृजन की नई राह

झारखंड जैसे राज्य में कृषि आजीविका का मुख्य स्त्रोत है, लेकिन परंपरागत फसलों पर अत्यधिक निर्भरता और सीमित बाजार विकल्पों के कारण किसानों की आय स्थिर बनी हुई है। बदलती जलवायु परिस्थितियों और सीमित जोत भूमि की चुनौतियों के बीच बागवानी फसलें—जैसे फल, सब्ज़ियाँ, फूल, मसाले एवं औषधीय पौधे—किसानों की आय बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बन रही हैं। बागवानी फसलों के माध्यम से किसान कम समय में अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं। रूफटॉप गार्डनिंग, हाइड्रोपोनिक खेती और माइक्रोग्रीन्स जैसे नवाचारों से कम भूमि और जल संसाधन में उच्च उत्पादन संभव है। इससे महिलाओं और युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और आजीविका के नए अवसर सृजित होते हैं। बागवानी न केवल पोषण सुरक्षा देती है बल्कि किसानों की आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाती है।

झारखंड की जलवायु, मिट्टी और वर्षा की स्थिति बागवानी फसलों की खेती के लिए अत्यंत उपयुक्त है। यहाँ की लाल बलुई दोमट मिट्टी, गर्म व आर्द्र उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु और 1000 से 1400 मिमी तक की वार्षिक वर्षा अनेक फसलों की सफल खेती में सहायक होती है। इस क्षेत्र में सब्जियों में भिंडी, लौकी, करेला, परवल, सेम, टमाटर, मिर्च, गोभी, फूलगोभी, पालक, मेथी, मटर, खीरा, ककड़ी आदि को आसानी से उगाया जा सकता है, जो अलग-अलग ऋतुओं में उपलब्ध रहते हैं। फलों में आम, कटहल, पपीता, अमरूद, केला, नींबू, करौंदा, जामुन, लीची और बेल जैसे फल कम देखभाल में अच्छा उत्पादन देते हैं और बाजार में इनकी अच्छी मांग रहती है।

फूलों की खेती भी झारखंड में तेजी से उभर रही है—गेंदा, गुलाब, रजनीगंधा और ग्लैडियोलस जैसे फूल धार्मिक, सजावटी और व्यावसायिक दृष्टिकोण से लाभदायक हैं। मसालों और औषधीय पौधों की बात करें तो हल्दी, अदरक, तुलसी, अश्वगंधा और सर्पगंधा जैसे पौधों की खेती किसानों के लिए कम लागत में अधिक आय का स्त्रोत बन सकती है। इन फसलों की खास बात यह है कि ये कम सिंचाई, सीमित संसाधनों और पारंपरिक ज्ञान के साथ भी अच्छी उपज देती हैं। यदि किसानों को वैज्ञानिक तरीकों और बाजार तक पहुंच की सुविधा मिल जाए, तो झारखंड बागवानी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और समृद्धि की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ सकता है।

बागवानी फलों की फसलों के साथ एग्रोफॉरेस्ट्री का एकीकरण एक ऐसी कृषि प्रणाली है जिसमें फलदार पौधों के साथ-साथ लकड़ी, चारा या औषधीय पेड़-पौधे भी एक ही खेत में उगाए जाते हैं। यह एक स्थायी और लाभकारी मॉडल है, जो किसानों को लघु अवधि (सब्ज़ी, फल) और दीर्घ अवधि (लकड़ी, बांस, चारा) में आय प्रदान करता है।

आज की बात

रोहन प्रसाद गुप्ता
पीएचडी (शोधार्थी), कृषि प्रसार एवं संचार विभाग आईएएस, बीएचयू।

उदाहरण के लिए, आम या अमरूद के बागान के बीच में नीम, शीशम, सहजन, तुलसी, या लेमन ग्रास जैसे पौधों को लगाया जा सकता है। इससे भूमि का बेहतर उपयोग होता है, मृदा कटाव कम होता है, नमी बनी रहती है, और किसानों को विविध स्त्रोतों से आय प्राप्त होती है। इसके साथ ही यह प्रणाली जैव विविधता को बढ़ावा, कार्बन संधारण और जलवायु अनुकूलन में भी मदद करती है। झारखंड जैसे राज्य में जहां भूमि की उपलब्धता सीमित है, वहाँ यह मॉडल विशेष रूप से उपयोगी है।

झारखंड में बागवानी क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कई नवाचारात्मक मॉडल सफलतापूर्वक अपनाए जा रहे हैं, जो किसानों की आय बढ़ाने और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक हैं। इनमें एकीकृत फल-बागवानी मॉडल प्रमुख है, जिसमें आम, अमरूद, नींबू जैसे फलों के साथ अंतरवर्तीय फसलें जैसे हल्दी, अदरक या सब्जियाँ उगाई जाती हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रूफटॉप न्यूट्रिशन गार्डन मॉडल के माध्यम से महिलाएँ छत पर पालक, मेथी, टमाटर आदि उगाकर पोषण और आय दोनों प्राप्त कर रही हैं। वहीं, हाइड्रोपोनिक खेती और माइक्रोग्रीन्स उत्पादन जैसे आधुनिक मॉडल कम स्थान में कम समय में अधिक आय प्रदान कर रहे हैं, जो विशेष रूप से युवाओं को स्वरोजगार की ओर आकर्षित कर रहे हैं। इसके अलावा ड्रिप सिंचाई आधारित सब्ज़ी उत्पादन मॉडल जल-संरक्षण और सूखा प्रभावित क्षेत्रों में लाभकारी सिद्ध हो रहा है। ये सभी मॉडल झारखंड में सतत कृषि और ग्रामीण आजीविका को नया आयाम दे रहे हैं।

झारखंड में बागवानी फसलों के उत्पादन और खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य और केंद्र सरकार कई योजनाओं और सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को समर्थन प्रदान कर रही है। एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत किसानों को फलों, सब्ज़ियों, मसालों, फूलों और औषधीय पौधों की खेती के लिए बागवानी विकास, पौधशाला, ड्रिप सिंचाई, शेड नेट, पैक हाउस आदि पर अनुदान दिया जाता है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली अपनाने हेतु सब्सिडी दी जाती है जिससे जल की बचत के साथ बेहतर उत्पादन संभव होता है। इसके अलावा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और नवाचारों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। महिला समूहों और युवाओं के लिए विशेष योजनाएं चल रही हैं जैसे पॉलीहाउस, माइक्रोग्रीन्स और रूफटॉप गार्डनिंग में सहयोग। इन सरकारी प्रयासों से झारखंड में बागवानी को वैज्ञानिक तरीके से अपनाने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। यदि इन संसाधनों का समुचित उपयोग कर वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाया जाए, तो झारखंड निकट भविष्य में बागवानी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर, नवोन्मेषी और समृद्ध राज्य बन सकता है।

ईमेलः- rohanpg2021@gmail.com

व्यंग्य रचना

लगे रहो मेरे भाई...

लगे रहो मेरे भाई
अपनी धुन में
मगन अपने मन में
कभी तो गली से निकल
मौहल्ले में पहुंचोगे
कपट से ही सही
अपनी भाषा
चासनी में सनी
बिखेरते रहो
लगे रहो मेरे भाई
अपनी धुन में।
सभी को लगे
तुम अच्छे समाजसेवी
मिलनसार हो
सद्विचार हो
तभी पहुँच पाओगे
वार्ड से कस्बे में
पैर पकड़ने में चूकना मत
गंदगी पर कभी थूकना मत
चमचागिरी संभाल रखना
पदचंपी को मुहाल रखना
पहुंच जाओगे तहसील में तुम
लगे रहना मेरे भाई
अपनी धुन में।
अपने मिशन में
कभी थकना मत
लगाये रखना ये प्यारी सी लत
देखना एक दिन
मछली से मगरमच्छ बन जाओगे
चबाते रहे टुकड़ों में
अपने आहार को
अब पूरा ही निगल पाओगे
स्थापित नेताजी बन जाओगे
असलियत किसी को बताना मत
लगे रहो मुन्ना भाई
लगे रहना मेरे भाई...

व्यग्र पाण्डे

कम में अधिक कहने की कला : चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की साहित्य-यात्रा

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का नाम हिंदी साहित्य के उस दीप्तिमान आकाश में एक तारे-सा जगमगाता है, जिसकी किरणें समय की सरहदों को पार कर आज भी पाठकों के हृदय को प्रज्वलित करती हैं। 7 जुलाई, उनकी जयंती, महज एक तारीख नहीं, बल्कि एक ऐसी साहित्यिक तीर्थयात्रा का प्रतीक है, जो संवेदना, विचार और शिल्प की त्रिवेणी से रची गई। गुलेरी जी ने भले ही चुनिंदा रचनाएँ दीं, किंतु प्रत्येक रचना एक रत्न-सी चमकती है, जिसने हिंदी साहित्य को अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उनकी अमर कृति 'उसने कहा था' न केवल हिंदी की पहली आधुनिक कहानी के रूप में एक युगांतकारी उपलब्धि है, बल्कि मानव मन की गहन संवेदनाओं और भावनाओं का ऐसा सजीव चित्र है, जो हर युग में जीवंत और प्रासंगिक रहेगा। उनकी जयंती पर उनके साहित्यिक अवदान को स्मरण करना प्रत्येक साहित्यप्रेमी के लिए एक गौरवमयी क्षण है, जो हमें साहित्य की अमर शक्ति और उसकी परिवर्तनकारी ताकत से जोड़ता है।

आपकी बात

प्रो. आरके जैन

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी जयंती

गुलेरी जी की लेखनी में एक ऐसी मंत्रमुग्ध कर देने वाली सादगी थी, जो पाठक के मन को सहज ही बाँध लेती थी। उनकी कहानियाँ महज शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि भावनाओं का एक अथाह सागर थीं, जिसमें गोता लगाकर पाठक आत्ममंथन की गहराइयों में खो जाता है। 'उसने कहा था' एक ऐसी कालजयी रचना है, जो प्रेम, कर्तव्य और बलिदान के त्रिकोण को इतने हृदयस्पर्शी अंदाज में पिरोती है कि वह पाठक के अंतर्मन को झकझोर देती है। लहना सिंह और सूबेदारनी की क्षणभंगुर मुलाकात, उनके बीच का अनकहा प्रेम और अंत में लहना सिंह का सर्वोच्च बलिदान – यह कहानी केवल एक कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन के उन शाश्वत सत्यों का साक्षात्कार है, जो समय की कसौटी पर और भी प्रखर हो उठते हैं। गुलेरी जी ने प्रेम को एक ऐसी अलौकिक शक्ति के रूप में उकेरा, जो स्वार्थ को तजकर कर्तव्य और निष्ठा के साथ एकरूप हो जाती है। इस कहानी का प्रत्येक संवाद, प्रत्येक दृश्य और प्रत्येक भाव इतना सजीव है कि वह पाठक को एक अविस्मरणीय भावनात्मक यात्रा पर ले जाता है, जहाँ हर शब्द हृदय की गहराइयों को स्पंदित करता है। गुलेरी जी केवल एक कथाकार ही नहीं, बल्कि एक विद्वान, शिक्षक और विचारक भी थे। संस्कृत, पाली, प्राकृत, अंग्रेजी, फारसी और उर्दू जैसी भाषाओं में उनकी गहरी पकड़ थी। इतिहास, पुरातत्त्व और भारतीय संस्कृति पर उनके शोध ने उनकी रचनाओं को एक वैचारिक गहराई प्रदान की। जयपुर और बनारस के शिक्षण संस्थानों में अध्यापन के दौरान उन्होंने अपने विद्यार्थियों में न केवल ज्ञान का प्रकाश फैलाया, बल्कि उनमें स्वतंत्र चिंतन और सृजनात्मकता का बीज भी बोया। उनकी लेखनी में विद्वता और सहजता का अद्भुत समन्वय था। उनके निबंध, जैसे 'बुद्धि-विलास', उनकी बौद्धिक प्रखरता और व्यंग्यात्मक शैली के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। वे मानते थे कि साहित्य का उद्देश्य केवल कहानी कहना नहीं, बल्कि पाठक के मन में गहरे विचारों और संवेदनाओं को जागृत करना है। उनकी भाषा में एक ऐसी स्वच्छंदता थी, जो विद्वानों को प्रेरित करती थी और सामान्य पाठकों के लिए भी सहज थी। गुलेरी जी की रचनाएँ उनकी शब्दों पर अद्भुत पकड़ और विचारों की क्रिस्टल-स्पष्ट गहराई का जीवंत प्रमाण हैं। वे जटिलता के कट्टर विरोधी थे, और उनकी लेखनी में ऐसी मनोहारी सरलता थी, जो पाठक को सहज ही कथा के हृदय तक ले जाती थी, मानो कोई जादुई प्रवाह हो। उनकी कहानियाँ और निबंध केवल साहित्यिक कृतियाँ नहीं, बल्कि मानव जीवन की गहन जटिलताओं, संवेदनाओं और सत्य का दर्पण हैं, जो पाठक के मन को झकझोर देते हैं। 'उसने कहा था' में प्रेम और कर्तव्य के द्वंद्व को उन्होंने जिस संवेदनशीलता और गहराई से उकेरा, वह उस युग के साहित्यिक क्षितिज पर एक क्रांतिकारी मील का पत्थर साबित हुआ। यह कृति न केवल हिंदी साहित्य की पहली आधुनिक कहानी के रूप में अमर है, बल्कि एक ऐसी शक्तिशाली रचना है, जो पाठक को सच्चे प्रेम, बलिदान और मानवीय मूल्यों की गहन खोज में डुबो देती है, उन्हें आत्म-चिंतन के लिए विवश करते हुए। गुलेरी जी का व्यक्तित्व उनकी रचनाओं की तरह ही गरिमामय और विनम्र था। उनकी विद्वता कभी आडंबर में नहीं बदली। वे ज्ञान को एक साधन मानते थे, जिसका उपयोग समाज को समृद्ध करने के लिए होना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

ढोल पीटना बंद कर, सुना नया फरमान।
हुई जिंदगी किस तरह, और अधिक आसान।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444
संपादक

वायरल न्याय नहीं, संवेदनशील समाज चाहिए

हम सूचना के उस युग में जी रहे हैं जहाँ अन्याय की चीख़ें अब कानों तक नहीं, स्क्रीन तक पहुँचती हैं। हर अपराध, हर पीड़ा, हर शोषण - वीडियो, पोस्ट, स्टेटस और हैशटैग बनकर सोशल मीडिया पर दिखाई देता है और हम समझ लेते हैं कि हम 'जागरूक नागरिक' हैं। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? मीडिया और सोशल मीडिया ने आमजन को अभिव्यक्ति और हस्तक्षेप की शक्ति दी है - यह लोकतंत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। निर्भया कांड, कठुआ, हाथरस, या हैदराबाद एनकाउंटर - इन सभी मामलों में मीडिया की भूमिका निर्णायक रही। लेकिन इस शक्ति के साथ जब विवेक नहीं जुड़ता है, तो यह 'जागरूकता' भीड़तंत्र में बदल जाती है - जिसमें अपराध का मूल्यांकन नहीं, केवल प्रतिक्रियाओं का उत्सव होता है। वर्तमान में एक अजीब विडंबना है - हम "ट्रेंडिंग" हो रहे हैं - अपराधों को लेकर आक्रोशित होते हैं, लेकिन अपने आसपास के अन्याय पर मौन रहते हैं। कभी किसी पीड़ित बच्ची का वीडियो वायरल होता है, तो कभी किसी वृद्ध की चीख़ें हम 'शेयर' करते हैं, 'कमेंट' करते हैं, लेकिन उस समाज को नहीं बदलते जिसमें वह बच्ची या वह वृद्ध जी रहा है। भारतीय परंपरा में 'धर्म' का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, सह-अस्तित्व की मर्यादा है। महाभारत की सभा में द्रौपदी के अपमान पर जितना दोष दुःशासन का था, उतना ही मौन बैठे भीष्म, द्रोण, और विदुर का भी था। आज सोशल मीडिया और न्यूज़ चैनल वही सभा हैं और हम उनमें मौन बैठे दर्शक बन रहे हैं, जिनके पास 'शब्द' तो हैं, पर 'संवेदना' नहीं हैं। यह समझना आवश्यक है कि अपराध केवल स्त्री तक सीमित नहीं हैं। किसान की आत्महत्या, बाल यौन शोषण, साइबर बुलीइंग, वृद्धों की उपेक्षा, घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न - ये सब सामाजिक अपराध हैं, और इनकी जड़ें हमारी चुप्पियों, तटस्थताओं और असंवेदनशीलता में हैं।

जब हम किसी स्कूल में अपमानित बच्चे को देखकर कुछ नहीं कहते, जब हम घरेलू हिंसा की आहट सुनकर दरवाज़ा बंद कर लेते हैं, तब हम अपराध नहीं रोकते - उसे मौन सहमति दे देते हैं। कबीर कहते हैं - "साँच कहौ तो मारन धावे, झूठे जग पतियाना।" आज का हमारा समाज सच से डरता है, और झूठी सूचनाओं को आँख मूँदकर फैलाता है। किसी पर कोई आरोप लगते ही सोशल मीडिया उसे अपराधी घोषित कर देता है - यही 'वायरल न्याय' है, जिसमें न तो प्रक्रिया होती है, न प्रमाण - सिर्फ डिजिटल भीड़ होती है। यह हमारा कांक्षित न्याय नहीं है। आज मीडिया की व्यावसायिकता ने भी अपराध की खबर को 'उत्पाद' बना दिया है। जिस घटना में आँसू, आक्रोश और सनसनी हो - वही छपती हैं, मुख्य पृष्ठ पर आती हैं। इसके विपरीत शहर के भीतर, गांवों के सन्नाटे में जो अन्याय होते हैं वे 'कवरेज योग्य' नहीं माने जाते - कहीं बलात्कार की खबर किसी कोने में दबी रहती है, तो कहीं शोषण को "पारिवारिक विवाद" कहकर टाल दिया जाता है।

अलग बात

स्नेहलता श्रीवास्तव

हमारे यहाँ शास्त्रों में कहा गया है : "धर्मो रक्षति रक्षितः" अर्थात धर्म उसकी रक्षा करता है जो उसकी रक्षा करता है। यदि समाज न्याय, करुणा और संवेदना की रक्षा नहीं करेगा, मीडिया और सोशल मीडिया केवल टीआरपी और लाइक का औज़ार बनकर रह जाएगा, तो यह समूचा समाज अपने ही बनाए नैतिक शून्य में गिरता चला जाएगा। वास्तविक जागरूकता वह नहीं जो हमें "विचलित" कर दे - बल्कि वह है जो हमारे व्यवहार में बदलाव लाए। किसी वीडियो को देखकर दुःखी होना सरल है, पर किसी वृद्ध को सहारा देना, किसी बच्चे को सुनना, किसी घरेलू स्त्री को इज्जत देना , कठिन है - यही अनदेखी जागरूकता है जो सच्चे समाज की नींव रखती है। अब समय आ गया है कि हम "वायरल न्याय" के मोह से बाहर निकलें और एक ऐसा समाज गढ़ें जो संवेदनशील हो, विवेकशील हो, और अपराधों को मौन सहमति नहीं दे।

सत्य यह है कि अपराधों की विविधता - चाहे वह जातिगत हो या लैंगिक, बाल शोषण, साइबर क्राइम, वृद्ध जनों के प्रति हिंसा और मानसिक उत्पीड़न हो - सबकी जड़ें सामाजिक चेतना की दरारों में छिपी होती हैं। इसीलिए आज संवेदनशील समाज हमारी प्रथम आवश्यकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

देवशयनी एकादशी

काशी में गंगा स्नान के लिए उमड़े श्रद्धालु

एजेंसी। वाराणसी

सनातन धर्म में विशेष महत्व रखने वाली देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर रविवार को काशी के गंगा घाटों पर श्रद्धालु उमड़ पड़े। श्रद्धालुओं ने सुबह दशाश्वमेध घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर गंगा स्नान किया और भगवान विष्णु की विशेष पूजा-अर्चना की। मान्यता है कि इस दिन गंगा में डुबकी लगाने से पापों का नाश होता है और पुण्य फलों में वृद्धि होती है। सुबह से ही घाटों पर स्नान और पूजन का सिलसिला शुरू हो गया। दशाश्वमेध घाट पर महिलाओं के साथ ही बच्चे और बुजुर्ग भी आस्था की डुबकी लगाते नजर आए हिंदू धर्म में देवशयनी एकादशी का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु चार महीने के लिए क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं और सृष्टि का संचालन भगवान शिव संभालते हैं। इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है, जो 6 जुलाई से शुरू होकर 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी तक चलेगा। इस दौरान विवाह, गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों पर रोक रहती है, क्योंकि मान्यता है कि भगवान विष्णु की अनुपस्थिति में शुभ कार्यों में उनका आशीर्वाद नहीं मिलता।

दशाश्वमेध घाट पर गूंजे हर-हर महादेव

प्रतापगढ़ से काशी पहुंचे श्रद्धालु शिवम ने बताया, "एकादशी के दिन गंगा नदी में स्नान करने से पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। पौराणिक मान्यता है कि कई पाप और दोष खत्म हो जाते हैं।"राजन कुमार ने बताया, "गंगा में स्नान करने से तन-मन दोनों पवित्र हो जाते हैं और पूजा-पाठ से कई पुण्य फल मिलते हैं। हम लोग आज के दिन अन्न का त्याग कर फलाहार ही खाते हैं, व्रत रखते हैं और भोलेनाथ के साथ नारायण की पूजा करते हैं।" दशाश्वमेध घाट के पुरोहित विवेकानंद पाण्डेय ने बताया, "आषाढ़ मास की एकादशी है। आज के दिन व्रत-पूजन करने से कई लाभ मिलते हैं। भक्त भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वो उनके दुख-दर्द दूर करें।"'हर-हर महादेव' और 'नारायण-नारायण' के जयघोष से घाटों का माहौल भक्तिमय बन गया। श्रद्धालुओं ने गंगा जल से भगवान विष्णु का अभिषेक किया, पीले फूल, तुलसी पत्र और पंचामृत अर्पित किए।

मुजफ्फरनगर में खुला 'प्रधानमंत्री चाय वाला' रेस्टोरेंट

एजेंसी। मुजफ्फरनगर

- चर्चा में आया नाम और यहां की सफाई व्यवस्था

उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में इन दिनों होटल और ढाबों पर नामकरण को लेकर खूब चर्चा हो रही है। जहां एक ओर 'पंडित जी वैष्णो ढाबा' जैसे नाम सुर्खियों में हैं, वहीं दूसरी ओर दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर स्थित गांव बढ़ेंडी में एक अनोखा रेस्टोरेंट चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसका नाम 'प्रधानमंत्री चाय वाला' है।

इस रेस्टोरेंट के मालिक अभिषेक पंवार हैं, जो मूल रूप से राजस्थान के जयपुर से हैं। रेस्टोरेंट के मालिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर अपने रेस्टोरेंट का नाम 'प्रधानमंत्री चाय वाला' रखा है। 'प्रधानमंत्री चाय वाला' देखने में अन्य रेस्टोरेंट और ढाबों जैसा ही है, लेकिन अनोखे नाम और यहां की सफाई व्यवस्था के कारण इसकी खूब चर्चा हो रही है। अभिषेक पंवार सभी सरकारी नियमों और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इस रेस्टोरेंट को चला रहे हैं। रेस्टोरेंट में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, यहां तक कि रसोई में भी कैमरे हैं और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके साथ ही 'आई लव मुजफ्फरनगर' के नाम से सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है, जो युवाओं को खासा आकर्षित कर रहा है।

मुहर्रम जुलूस के दौरान बिजली का करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत, 24 घायल

एजेंसी। दरभंगा

बिहार के दरभंगा जिले में शनिवार शाम मुहर्रम जुलूस के दौरान बिजली का करंट लगने से कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 24 घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। दरभंगा के जिलाधिकारी कौशल कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह घटना उस समय हुई जब मुहर्रम का जुलूस सकतपुर पुलिस थानाक्षेत्र अंतर्गत काकोरहा गांव से गुजर रहा था। उन्होंने बताया कि इसी दौरान ताजिया का एक हिस्सा हाईटेंशन बिजली के तार के संपर्क में आ गया। उन्होंने कहा, ''घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 24 घायल हो गए। उन्होंने कहा कि वहां मौजूद जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिसकर्मियों ने घायलों को नजदीकी अस्पताल ले गए। उन्होंने कहा कि घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। कुमार ने कहा कि मामले की जांच पुलिस कर रही है। पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटना में, मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर इलाके में जुलूस के दौरान दो अलग-अलग समुदायों के समूहों के बीच झड़प में दो लोग घायल हो गए। पत्रकारों से बात करते हुए, मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सुशील कुमार ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब मुहर्रम का जुलूस बरियारपुर पुलिस थानाक्षेत्र के गौरीहार इलाके से गुजर रहा था।

बिहार को क्राइम कैपिटल बना दिया अब बदलाव जरूरी : राहुल गांधी

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा और प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। गोपाल खेमका हत्याकांड को आधार बनाकर राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को 'भारत की क्राइम कैपिटल' बना दिया है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में कहा, "पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की सरेआम गोली मारकर हत्या ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा और नीतीश कुमार ने मिलकर बिहार को 'भारत की क्राइम कैपिटल' बना दिया है। आज बिहार लूट, गोली और हत्या के साए में जी रहा है। अपराध यहां 'नया नॉर्मल' बन चुका है- और सरकार पूरी तरह नाकाम।"

उन्होंने आगे लिखा, "बिहार के भाइयों और बहनों, यह अन्याय अब और नहीं सहा जा सकता। जो सरकार आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती, वह आपके भविष्य की जिम्मेदारी भी नहीं ले सकती। हर हत्या, हर लूट, हर गोली - एक चीख है बदलाव की। अब वक्त है एक नए बिहार का - जहां डर नहीं, तरक्की हो। इस बार वोट सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बिहार को बचाने का है।"

बता दें कि शुक्रवार देर रात अपराधियों ने जाने-माने उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या कर दी। वारदात गांधी मैदान थाना क्षेत्र में रामगुलाम चौक के पास हुई। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाई है। इस घटना से व्यवसायी गुस्से में हैं।

बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने रविवार को दावा किया कि अगले एक-दो दिनों में इस हत्याकांड की पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि पटना और वैशाली जिलों में रात भर पुलिस की कई टीमें अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी करती रहीं। इस दौरान दर्जन भर से ज्यादा संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे फिलहाल पूछताछ जारी है। गोपाल खेमका पर गोली चलाने वाले हमलावर को घटनास्थल के अलावा शहर के अन्य हिस्सों में लगे सीसीटीवी में भी ट्रैक किया गया है। हमलावर की मोटरसाइकिल की पहचान कर ली गई है, लेकिन हेलमेट पहनने के कारण उसके चेहरे की स्पष्ट पहचान नहीं हो पाई है।

- **राहुल गांधी का हमला:** कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए भाजपा और सीएम नीतीश कुमार को जिम्मेदार ठहराया
- **बदलाव की अपील:** राहुल ने जनता से अपील की कि अब समय आ गया है "एक नए बिहार" के निर्माण का
- **पुलिस की कार्रवाई:** हत्याकांड की जांच के लिए एसआईटी गठित, 12 से ज्यादा संदिग्ध हिरासत में
- **सीसीटीवी से सुराग:** हमलावर की मोटरसाइकिल की पहचान हुई, लेकिन हेलमेट के कारण चेहरा स्पष्ट नहीं
- **डीजीपी का दावा:** बिहार पुलिस प्रमुख ने कहा - जल्द मामले की पूरी तस्वीर सामने आएगी, छापेमारी जारी

'बिहार में अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे' डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी

पटना। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने अपराधियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे, वे जहां भी छिपे होंगे, वहां से ढूंढकर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। डिप्टी सीएम रविवार को गोपाल खेमका के आवास पर पहुंचे और मृतक उद्योगपति के परिवार के लोगों से मिले। मीडिया से बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि अपराधियों के लिए नीतीश सरकार सख्त है और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उद्योगपति गोपाल खेमकी की हत्या के मामले में विपक्ष की ओर से लगातार लगाए जा रहे आरोपों पर उन्होंने कहा कि बिहार में किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। बिहार पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वो बिहार में व्यवसाय से जुड़े लोगों को सुरक्षा प्रदान करे। पटना में जो घटना हुई है, वह दोबारा न हो और इस हत्याकांड के पीछे जो भी आरोपी हैं या फिर जिसने भी यह साजिश रची जल्द ही पुलिस उन्हें गिरफ्तार करेगी। डिप्टी सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, "कोई भी अपराधी किसी भी हालत में नहीं बचने वाला है, चाहे वो कहीं भी हो। समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति एवं व्यवसायी गोपाल खेमका जी के पार्थिव शरीर को अंतिम प्रणाम किया और परिजनों से दुखद घड़ी में मिलकर शीघ्र न्यायिक परिणाम के लिए आश्वस्त किया। हम पूरे परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। इस मामले को लेकर एसआईटी का गठन किया जा चुका है और दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होगी, कार्रवाई ऐसी होगी, जो एक मिसाल बने।" गोपाल खेमका एक मशहूर उद्योगपति थे। उनकी हत्या के बाद से विपक्षी दल लगातार नीतीश सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि जिस जगह उनकी हत्या हुई वहां से थाना चंद कदम की दूरी पर था। हालांकि, विपक्ष के आरोपों पर सत्ता पक्ष ने भी जवाब दिया है। सत्ता पक्ष के नेताओं का कहना है कि जंगलराज का अर्थ होता है कि अपराधियों के साथ तालमेल बनाकर रखना।

राष्ट्रीय ध्वज जलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर आया सामने

भोपाल। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आने के बाद मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में पुलिस ने शनिवार को एक जांच शुरू की, जिसमें कूड़े के एक ढेर पर कई तिरंगे जलते हुए दिखे।कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल और वार्ड 50 की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पार्षद सुषमा बबिशा ने पुलिस से संपर्क किया और इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। त्रिपाठी ने इस घटना के लिए नगर निगम के कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया जो वार्ड 50 के कार्यालय के पास एक कूड़े के ढेर पर हुई, जहां नगर निगम कूड़ा जलाता है। शाहपुरा पुलिस थाने के उप निरीक्षक हरीश गुजरबोस ने कहा, ''इस संबंध में दो शिकायतें मिली हैं। इस मामले में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

पेपर मिल में धमाका, शिफ्ट इंचार्ज की मौत, 4 कर्मचारी झुलसे

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बड़ी घटना हुई है। रविवार को एक कंपनी में काम करते हुए धमाका हो गया, जिसमें एक कर्मचारी की जान चली गई, जबकि अन्य 4 कर्मचारी बुरी तरह झुलस गए। घटना थाना नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव तिगरी स्थित वीर बालाजी पेपर मिल में हुई। जानकारी के मुताबिक, वीर बालाजी पेपर मिल में सुबह तड़के विस्फोट हुआ था। तेज धमाके के साथ मशीन का पार्ट बिखर गया। दीवार का एक हिस्सा भी गिर गया। घटना के समय कंपनी का शिफ्ट इंचार्ज अंकित शर्मा यहां मौजूद था, जो चपेट में आ गया। अन्य 4 कर्मचारी भी इस दौरान झुलस गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि धमाका इतना जबरदस्त था कि आसपास के लोगों के घर भी हिल गए। इससे गांव के लोगों में भी दहशत फैल गई थी। जानकारी जुटाने पर फैक्ट्री में धमाके के बारे में पता चला। यहां देखा तो सब बिखरा पड़ा था। स्थानीय व्यक्ति के मुताबिक, एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि 4 कर्मचारी बुरी तरह झुलस गए थे। उन्होंने आरोप लगाए कि इस फैक्ट्री का शुरू से ही विरोध किया गया था।

दिल्ली : 1400 नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को मिली स्थायी नौकरी

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 1,388 नर्सों और 41 पैरामेडिकल स्टाफ को स्थायी नौकरी दे दी है। सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ को नियुक्ति पत्र सौंपे। रेखा गुप्ता ने कहा कि वर्षों तक पिछली दिल्ली सरकारों ने राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को कोई स्थायी नौकरी नहीं दी। यह एक ऐतिहासिक क्षण है, जब कई सालों के बाद 1,388 नर्सों को नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं। दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'आयुष्मान भारत योजना' के लिए पंजीकरण वैन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह एक ऐसी पहल है जो स्वास्थ्य सेवा को लोगों की चौखट तक पहुंचाएगी। ये वैन दिल्ली के हर नागरिक को आयुष्मान भारत कार्ड पंजीकरण की सुविधा देने और उन्हें देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से जोड़ने के मकसद से शुरू की गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पिछली सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, "दिल्ली देश की राजधानी है, फिर भी पिछले 27 सालों में सरकारों के शासन में प्रति 1000 लोगों पर केवल 0.42 अस्पताल के बिस्तर उपलब्ध थे। दूसरे शब्दों में कहें तो दिल्ली की सरकार अपने नागरिकों के लिए एक बिस्तर भी पर्याप्त रूप से उपलब्ध नहीं करा सकी।

बिहार वोटर लिस्ट विवाद: चुनाव आयोग ने दी बड़ी राहत

अब बिना पूरे दस्तावेज भी भर सकेंगे फॉर्म

एजेंसी। पटना

बिहार में वोटर लिस्ट (मतदाता सूची) में नाम जुड़वाने को लेकर चल रहे विवाद के बीच, केंद्रीय चुनाव आयोग ने लोगों को बड़ी राहत दी है। आयोग ने राज्य भर के अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर साफ किया है कि अब बिना पूरे ज़रूरी दस्तावेज़ और फोटो के भी फॉर्म भरकर जमा किए जा सकते हैं। यह फॉर्म बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को देना होगा।

क्या था पूरा मामला ?

दरअसल, चुनाव आयोग बिहार में वोटर लिस्ट की बहुत गहरी जांच (गहन संशोधन) कर रहा है। इसके तहत, बिहार में 1987 के बाद जन्मे लगभग 2.93 करोड़ मतदाताओं को अपनी जन्मतिथि और जन्मस्थान के साथ-साथ अपने माता-पिता की जन्मतिथि और जन्मस्थान की पुष्टि करने वाले दस्तावेज़ भी दिखाने पड़ रहे थे। इस फैसले की कई विपक्षी पार्टियों ने कड़ी आलोचना की थी, क्योंकि इसे बहुत मुश्किल माना जा रहा था। चुनाव आयोग ने पहले उन लोगों के लिए 11 खास दस्तावेज़ों में से कोई एक देना ज़रूरी कर दिया था, जिनके नाम 2003 की वोटर लिस्ट में नहीं थे। इन 11 दस्तावेज़ों में जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र और सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन भुगतान आदेश शामिल थे। लेकिन, आधार कार्ड इन 11 दस्तावेज़ों की लिस्ट में नहीं था। चुनाव आयोग के नए विज्ञापन के मुताबिक, फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख 26 जुलाई है, और वोटर लिस्ट की आखिरी लिस्ट 30 सितंबर को जारी की जाएगी।

कौन से दस्तावेज जरूरी?

चुनाव आयोग ने बताया है कि अगर आपके पास ज़रूरी दस्तावेज़ हैं, तो इससे आपका आवेदन (फॉर्म) जल्दी आगे बढ़ेगा। लेकिन, अगर आपके पास ज़रूरी दस्तावेज़ नहीं हैं, तो भी घबराने की ज़रूरत नहीं है। ऐसे में, चुनाव अधिकारी स्थानीय जांच या दूसरे सबूतों के आधार पर आपके आवेदन पर फैसला ले सकते हैं। एक और बड़ी राहत यह है कि जो लोग 1 जनवरी, 2003 तक वोटर लिस्ट में पहले से शामिल हैं, उन्हें फॉर्म के साथ कोई दस्तावेज़ जमा करने की ज़रूरत नहीं होगी।

गरीब कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज हो सकता है, तो राज ठाकरे पर क्यों नहीं : तहसीन पूनावाला

पुणे। महाराष्ट्र में भाषा विवाद को लेकर राजनीति तेज और उग्र हो गई है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं की ओर से गैर मराठी भाषाई लोगों पर हमले की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं। इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता तहसीन पूनावाला ने कहा कि अगर गरीब कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज किया जाता हैं, तो फिर मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे पर क्यों नहीं किया जा सकता? सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा है कि जिस देश में भीड़तंत्र होगा, वहां लोकतंत्र नहीं टिक सकता। पूनावाला ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा, "मैं भीड़ हिंसा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में गया था। तब माननीय सुप्रीम कोर्ट ने तहसीन पूनावाला वर्सेज यूनियन ऑफ इंडिया केस में बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि जिन देशों में भीड़तंत्र होगा, वहां लोकतंत्र कभी नहीं हो सकता और जहां भीड़तंत्र होगा, वहां लोकतंत्र टिक नहीं सकता।" उन्होंने कहा कि राज ठाकरे का माइक पर कहना कि 'आप पीटो, पर रिकॉर्ड मत करो', यह सुप्रीम कोर्ट की अवमानना है। मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूछना चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट का जजमेंट मानना आपका काम नहीं है? आप गरीब कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज करते हैं, तो फिर राज ठाकरे पर केस क्यों नहीं करते?

चुनाव आयोग के एसआईआर नीति को महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने इसे असंवैधानिक करार देते हुए न केवल इस आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की, बल्कि यह भी आग्रह किया कि बंगाल समेत देश के अन्य किसी राज्य में इस तरह की नीति लागू न की जाए। टीएमसी सांसद का तर्क है कि जो नागरिक पहले से मतदाता सूची में पंजीकृत हैं और वर्षो से मतदान करते आ रहे हैं, उनसे एक बार फिर नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज मांगना सरासर गलत है। यह न केवल उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी खिलाफ है। याचिका में महुआ ने चुनाव आयोग के आदेश को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1), 21, 325 और 326, साथ ही जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और मतदाता पंजीकरण नियमों के विरुद्ध बताया है। उनका कहना है कि अगर यह निर्देश लागू रहा, तो लाखों लोग विशेषकर गरीब, वंचित और हाशिये पर बसे समुदायों से आने वाले नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। चुनाव आयोग द्वारा 24 जून, 2025 को जारी निर्देश के अनुसार, बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया की जाएगी। इसके तहत नागरिकों को आधार कार्ड या राशन कार्ड जैसे दस्तावेज नहीं, बल्कि जन्म प्रमाण पत्र या माता-पिता की नागरिकता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। निर्देश के अनुसार, जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था, उन्हें दस्तावेज दिखाने की जरूरत नहीं है। लेकिन 1987 से पहले जन्मे लोगों को अपना जन्म प्रमाणपत्र देना अनिवार्य है।

आज का राशिफल

मेष : कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

वृष : विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

मिथुन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

कर्क : अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कन्या : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

तुला : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें।

वृश्चिक : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी।

धनु : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मकर : यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कुंभ : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें।

मीन : मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

मथुरा | होमगार्ड ने जिलाधिकारी और एसएसपी को ले जा रहे ई-रिक्शा को रोका

सोशल मीडिया में होमगार्ड की ईमानदारी को सराहना

- अधिकारियों ने नियमों का सम्मान करते हुए रास्ता बदला

एजेंसी। मथुरा

मथुरा के गोवर्धन में आयोजित मुड़िया पूर्णिमा मेले के निरीक्षण के दौरान ऐसी घटना सामने आई, जहां एक होमगार्ड की कर्तव्यनिष्ठा ने जिले के शीर्ष अधिकारियों का ही रास्ता रोक दिया। जिलाधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार जब मेले की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए ई-रिक्शा से परिक्रमा मार्ग की ओर बढ़ रहे थे, तब बागड़ी प्याऊ तिराहे पर तैनात होमगार्ड ने उन्हें रोक दिया। होमगार्ड ने यह स्पष्ट करते हुए ई-रिक्शा को आगे बढ़ने से मना कर दिया कि परिक्रमा मार्ग में ई-रिक्शा की एंट्री नहीं है। जब उन्हें बताया गया कि ई-रिक्शा में खुद जिलाधिकारी और एसएसपी हैं, तब भी वह अपने कर्तव्यों पर अडिग रहा और नियमों का पालन करते हुए ई-रिक्शा को आगे जाने की अनुमति नहीं दी।

होमगार्ड की इस ईमानदारी और नियमों के प्रति निष्ठा को देखते हुए जिलाधिकारी और एसएसपी ने बिना किसी आपत्ति या बहस के अपना रास्ता बदल लिया।इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा, "यह कर्तव्यों का सर्वोत्तम उदाहरण है। सभी सुरक्षाकर्मियों को स्पष्ट निर्देश थे कि परिक्रमा मार्ग में किसी भी ई-रिक्शा को प्रवेश नहीं मिलेगा, और इस होमगार्ड ने उस आदेश का पूरी निष्ठा से पालन किया है।" एसएसपी ने होमगार्ड को आगामी मीटिंग में सम्मानित करने की घोषणा भी की है। इस घटना के बाद आम जनता और सोशल मीडिया पर यूजर्स होमगार्ड की जमकर सराहना कर रहे हैं। लोग उसकी ईमानदारी और निडरता को प्रशासनिक व्यवस्था के लिए एक प्रेरक उदाहरण बता रहे हैं। साथ ही, वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से नियमों के प्रति सम्मान दर्शाते हुए रास्ता बदलने के फैसले की भी प्रशंसा हो रही है।

ड्रोन से निगरानी, मेला सुरक्षा में मथुरा पुलिस मुस्तैद

मुड़िया पूर्णिमा मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मथुरा पुलिस इस साल पूरी तरह मुस्तैद है। मेले में उमड़ने वाली भारी भीड़ को सुरक्षा देने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ड्रोन कैमरों से लगातार निगरानी कर रहा है। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग और मेला क्षेत्र के संवेदनशील स्थानों पर विशेष रूप से ड्रोन कैमरे लगाए गए हैं। इन अत्याधुनिक ड्रोन से मिलने वाली फुटेज का विश्लेषण कर संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की ब्राजील यात्रा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील पहुंचे प्रवासी भारतीयों ने किया भव्य स्वागत

रियो डी जेनेरियो । एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी घाना और त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा पूरी कर रविवार (स्थानीय समय अनुसार शनिवार शाम) को ब्राजील में कदम रखा। रियो डी जेनेरियो के गैलियो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा ने किया। हवाई अड्डे पर अपने स्वागत की तस्वीरें साझा करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने X (पहले ट्विटर) पर लिखा, 'ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में उतरा, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और बाद में राष्ट्रपति लूला के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा के लिए उनकी राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा। इस यात्रा के दौरान बैठकों और बातचीत के एक उत्पादक दौर की उम्मीद है। हवाई अड्डे पर उतरने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मोदी भारतीय समुदाय के सदस्यों से मिले। उन्होंने प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत की और उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान कई भारतीयों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के जोरदार नारे लगाए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुलाकात की खुशी भी 'एक्स' पर साझा की। उन्होंने ट्वीट किया, 'ब्राजील के भारतीय समुदाय के सदस्यों ने रियो डी जेनेरियो में बहुत ही शानदार स्वागत किया। यह आश्चर्यजनक है कि वे भारतीय संस्कृति से कैसे जुड़े हुए हैं और भारत के विकास के बारे में भी बहुत भावुक हैं! यहां स्वागत समारोह की कुछ झलकियां दी गई हैं। प्रधानमंत्री मोदी यहां 2025 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। उनकी ब्राजील यात्रा पांच देशों के दौरे का चौथा पड़ाव है, जो 2 जुलाई को शुरू हुआ था। इस दौरे का समापन नामीबिया में होगा।

ब्राजील में पीएम मोदी का भव्य स्वागत 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रस्तुति रही खास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार दिवसीय यात्रा पर ब्राजील पहुंचे। इस दौरान वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और एक राजकीय यात्रा भी करेंगे। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचने पर भारतीय प्रवासी ने पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया। ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे पीएम मोदी का पारंपरिक नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और देशभक्ति से भरे चित्रों से स्वागत किया गया। लोगों ने हाथों में तिरंगा लिए प्रधानमंत्री का स्वागत किया। इस स्वागत में सबसे खास बात 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रस्तुति रही। यह भारत की ओर से पाकिस्तान स्थित आतंकियों के खिलाफ चलाए जा रहे एक निर्णायक अभियान पर आधारित प्रस्तुति थी।

1. भारतीय प्रवासियों ने पारंपरिक नृत्य से भव्य स्वागत किया
2. ब्रासीलिया में व्यापार, रक्षा ऊर्जा पर द्विपक्षीय वार्ता होगी

कृषि और व्यापारिक साझेदारी को आगामी समझौतों से मिल सकती है नई मजबूती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान दोनों देश के संबंधों में नई ऊर्जा दिखाई दे रही है। मेघमणि ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और फिक्की गुजरात के उपाध्यक्ष नटु एम पटेल ने कहा कि कृषि क्षेत्र में भारत और ब्राजील के बीच तालमेल अद्भुत है। वहीं, किरी इंडस्ट्रीज ग्रुप के सचिव सुरेश गोंडालिया ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा और महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर से दोनों देशों के बीच 15 अरब डॉलर के वर्तमान व्यापार में और वृद्धि होगी। मेघमणि ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और फिक्की गुजरात के उपाध्यक्ष नटु एम पटेल ने कहा, "भारत और ब्राजील के बीच तालमेल, खासकर कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय है। ब्राजील का कृषि उत्पादन बहुत उच्च स्तर का है।

1. भारत-ब्राजील कृषि तालमेल को बताया अद्भुत अवसर
2. द्विपक्षीय समझौतों से 15 अरब डॉलर व्यापार बढ़ेगा

विवाद का कारण बना सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का सरकारी बंगला में ज्यादा दिन रुकना

- सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने केंद्र को क्यों लिखा पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से सरकारी बंगला ख़ाली कराने के लिए पत्र
- चंद्रचूड़ ने कहा, बेटियों की विशेष जरूरतों के कारण नया घर मिलने में देरी हुई, कुछ ही दिनों में बंगला छोड़ देंगे

ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का भारत के मुख्य न्यायाधीश के सरकारी बंगला- 5, कृष्णा मेनन मार्ग , नई दिल्ली में ज्यादा दिन तक रुकना अब विवाद का कारण बन गया है। क्यों सर्वोच्च न्यायालय प्रशासन ने केंद्र की मोदी सरकार को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि 5, कृष्णा मेनन मार्ग स्थित बंगला तुरंत खाली करवाया जाए। और इसे सर्वोच्च न्यायालय आवास पूल का वापस दिया जाए। यह बंगला देश के मुख्य न्यायाधीश का आधिकारिक निवास है।मालूम हो कि डीवाई चंद्रचूड़ भारत के मुख्य न्यायाधीश पद से नवंबर 2024 में सेवानिवृत हुए थे, लेकिन अब तक वहीं रह रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय प्रशासन ने एक जुलाई को केंद्रीय आवास व शहरी मामलों के मंत्रालय को पत्र लिखकर कहा है कि देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ तय समय से ज्यादा दिन बंगले में रह रहे हैं। नियम के मुताबिक सेवानिवृत्ति के बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश को 6 महीने तक टाइप-8 बंगले में रह सकते हैं। लेकिन चंद्रचूड़ टाइप-8 बंगले में 8 महीने से रह रहे हैं, जो नियमों का उल्लंघन है। चंद्रचूड़ के सेवानिवृत होने के बाद भारत के दो मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना व वर्तमान मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित बंगला लेने से इनकार कर दिया। दोनों ने अपने पुराने आवास में ही रहना पसंद किया।

इसी कारण से चंद्रचूड़ को बंगले में अतिरिक्त समय मिलने में आसानी हुई। सर्वोच्च न्यायालय की तरफ से चंद्रचूड़ को नियमानुसार अप्रैल 2025 तक बंगला रखने की अनुमति थी। बाद में मई 2025 तक मोहलत मिली। लेकिन अब वह समय भी बीत चुका है। सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कर दिया है कि अब और इंतजार नहीं किया जा सकता क्योंकि कई जजों को आवास की जरूरत है। लेकिन इस बारे में भारत के पूर्व न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्हें पूरी तरह से अपनी जिम्मेदारियों का एहसास है।चंद्रचूड़ ने इसे पारिवारिक मजबूरी बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटियों की विशेष जरूरतों के कारण नया घर मिलने में देरी हुई। उनकी दो बेटियों को विशेष देखभाल की जरूरत है और उनके लिए उपयुक्त घर ढूंढना आसान नहीं था। सरकार ने उन्हें किराए पर दूसरा घर दिया है, जिसकी मरम्मत चल रही है। मरम्मत पूरी होते ही वह शिफ्ट हो जाएंगे।उन्होंने स्पष्ट किया कि वह कुछ ही दिनों में बंगला छोड़ देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले कई पूर्व मुख्य न्यायाधीश को भी परिस्थितियों को देखते हुए अतिरिक्त समय दिया गया है। वह यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट प्रशासन के साथ पहले ही साझा कर चुके हैं। यह मामला इसलिए चर्चा में है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में ऐसा कम ही देखा गया है जब अदालत को अपने आधिकारिक निवास को खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को लिखित रूप से कहना पड़े। अक्सर ऐसे मामलों में अंदर ही अंदर समाधान निकाल लिया जाता है। लेकिन इस बार तो ग़ज़ब ही हो गया। सर्वोच्च न्यायालय प्रशासन ने इस बार मोदी सरकार को पत्र लिखा है , इसलिए यह मामला और ज्यादा सुर्खियों में आ गया है।

मंडी में बादल फटने के बाद पूरा परिवार लापता

मंडी । मंडी जिले के तलवारा गांव में बादल फटने की घटना में दस महीने की नितिका के परिवार के तीन सदस्य या तो बह गए या उनकी मृत्यु हो गई और वह संभवतः अपने परिवार की अकेली जीवित सदस्य रह गयी है। मंगलवार को जब गांव में बादल फटा तब बच्ची के 31 वर्षीय पिता रमेश कुमार अपने घर के अंदर घुस रहे पानी को रोकने की कोशिश कर रहे थे तभी बादल फटने से गांव में तबाही मच गई। उनका शव मलबे में मिला। नितिका की मां राधा देवी (24) और दादी पुर्णू देवी (59) रमेश की तलाश में निकल पड़ीं। दोनों महिलाओं का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पड़ोसी प्रेम सिंह ने बच्ची को अकेले रोते हुए देखा और उसे रमेश के चचेरे भाई बलवंत के पास ले गए। बलवंत पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के निजी सुरक्षा अधिकारी हैं।

बिहार में चुनाव से पहले ईसी के एसआईआर को सुको में चुनौती

एडीआर ने याचिका में जो महत्वपूर्ण बातें कही हैं, वे हैं

- इससे 3 करोड़ से ज्यादा मतदाता वोट देने से वंचित हो सकते हैं : एडीआर
- अपनी व अपने माता-पिता की नागरिकता साबित करनी होगी, जो कि अनुच्छेद 326 का उल्लंघन

- यदि विशेष गहन पुनरीक्षण को रद्द नहीं किया गया तो यह लाखों लोगों को वोट देने से रोक सकता है, जिससे चुनाव निष्पक्ष नहीं होंगे और लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है।
- विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए जो दस्तावेज मांगे जा रहे हैं, वे बहुत ज़्यादा हैं और लोगों के पास उन्हें जमा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। इससे कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे।
- अब लोगों को खुद साबित करना होगा कि वे वोट देने के योग्य हैं, और आधार या राशन कार्ड जैसे दस्तावेज़ों को स्वीकार नहीं किया जा रहा है, जिससे गरीब लोग वोट नहीं दे पाएंगे।
- लोगों को अपनी व अपने माता-पिता की नागरिकता साबित करनी होगी, जो कि अनुच्छेद 326 का उल्लंघन है। यदि वे ऐसा नहीं कर पाते हैं तो उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा।

ब्यूरो

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय में एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों से ठीक पहले चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती दी गई है। एडीआर ने कोर्ट को बताया है कि यह फैसला मनमाने ढंग से लिया गया है। एडीआर का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए जो समय सीमा तय की गई है, वह अव्यवहारिक है और इससे लाखों लोग, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले समुदाय, मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। एडीआर के अनुसार, यह स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के विरूद्ध है। एडीआर की याचिका पर पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी सुधार लाने के लिए कई आदेश दिए हैं। एडीआर का कहना है कि विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए नागरिकता के दस्तावेज़ों की आवश्यकता है। इससे हाशिए पर रहने वाले समुदाय, जैसे मुस्लिम, एससी,एसटी व प्रवासी मजदूर, सबसे ज़्यादा प्रभावित होंगे। क्योंकि विशेष गहन पुनरीक्षण में आधार व राशन कार्ड जैसे दस्तावेज़ स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। एडीआर का कहना है कि कई लोगों के पास ज़रूरी दस्तावेज़ नहीं हैं और वे चुनाव आयोग द्वारा तय की गई कम समय सीमा में उन्हें हासिल नहीं कर पाएंगे। एडीआर ने अपनी याचिका में कहा है कि विशेष गहन पुनरीक्षण का आदेश लाखों मतदाताओं को अपने प्रतिनिधि चुनने से वंचित कर सकता है। इससे स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव और देश में लोकतंत्र बाधित हो सकता है। याचिका में यह भी कहा गया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए दस्तावेज़ों की जरूरत, उचित प्रक्रिया की कमी व कम समय सीमा के कारण लाखों असली मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाएंगे।एडीआर का कहना है कि चुनाव आयोग के आदेश ने मतदाताओं की सूची में होने की ज़िम्मेदारी राज्य से नागरिकों पर डाल दी है। इसमें आधार या राशन कार्ड जैसे पहचान दस्तावेजों को शामिल नहीं किया गया है। इससे हाशिए पर रहने वाले समुदाय और गरीब लोग वोट देने से वंचित हो सकते हैं। याचिका में कहा गया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत ज़रूरी घोषणा अनुच्छेद 326 का उल्लंघन है, क्योंकि इसमें मतदाता को अपनी और अपने माता-पिता की नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज़ देने की आवश्यकता होती है। ऐसा न करने पर उसका नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़ा जाएगा और उसे हटाया जा सकता है। एडीआर ने चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए तय की गई समय सीमा को अनुचित और अव्यवहारिक बताया है। एडीआर का कहना है कि लाखों नागरिकों के पास ज़रूरी दस्तावेज़ नहीं हैं और वे कम समय में उन्हें हासिल नहीं कर पाएंगे।एडीआर का कहना है कि बिहार एक ऐसा राज्य है जहां गरीबी और प्रवासन दरें बहुत ज़्यादा हैं। यहां कई लोगों के पास जन्म प्रमाण पत्र या माता-पिता के रिकॉर्ड जैसे दस्तावेज नहीं हैं। अनुमानों के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण आदेश में उल्लिखित कठोर आवश्यकताओं के कारण तीन करोड़ से ज़्यादा मतदाता, खासकर हाशिए पर रहने वाले समुदाय, वोट देने से वंचित हो सकते हैं। एडीआर का कहना है कि बिहार से आ रही खबरों से पता चलता है कि गांवों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लाखों मतदाताओं के पास वे दस्तावेज़ नहीं हैं जो उनसे मांगे जा रहे हैं। एडीआर ने चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग ने मई में मतदाता पहुंच को बेहतर बनाने और चुनाव प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के लिए 21 पहलें सूचीबद्ध की थीं, लेकिन विशेष गहन पुनरीक्षण का उल्लेख नहीं किया गया था।

मलेशिया में आतंकी मामले की जांच में सहयोग को तैयार बांग्लादेश

ढाका। मलेशिया में कथित आतंकवादी गतिविधियों के आरोप में दर्जनों बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश ने कहा है कि वह इस मामले में मलेशियाई अधिकारियों को पूरा सहयोग देने को तैयार है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि कुआलालंपुर स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन ने मलेशियाई अधिकारियों से संपर्क साधा है, जिन्होंने पिछले सप्ताह कुछ बांग्लादेशियों की कट्टरपंथी आतंकी आंदोलन में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तारी की घोषणा की थी।

जापान में भीषण गर्मी का प्रकोप, 19 प्रांतों में हीटस्ट्रोक अलर्ट जारी

टोक्यो । जापान में भीषण गर्मी के चलते रविवार को मौसम विभाग ने देश के 19 प्रीफेक्चर्स (प्रांतों) में हीटस्ट्रोक अलर्ट जारी किया, जिसमें इस सीजन का पहला अलर्ट टोक्यो और कनागावा के लिए भी जारी किया गया है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के अनुसार, पश्चिमी जापान और अन्य हिस्सों में उच्च दबाव प्रणाली का प्रभाव बना हुआ है, मिए प्रीफेक्चर के कुओवाना में तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस, आइची प्रीफेक्चर के टोयोटा में 37.9 डिग्री, जबकि गिफू प्रीफेक्चर के ताजिमी, शिज़ुओका के हमामात्सु और यामानाशी के कोफू में 37.7 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया।

क्या मस्क को ट्रंप बर्बाद करके दक्षिण अफ्रीका भेज पाएंगे?

रेमन एंटोनियो वर्गास

नई दिल्ली । एलन मस्क ने जिस नई अमेरिकी राजनीतिक पार्टी को लांच किया है, वह शुरू में कांग्रेस में कम अंतर के बीच प्रमुख मुद्दों पर निर्णायक वोट पाने का प्रयास करते हुए कुछ जीतने योग्य सदन व सीनेट सीटों पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। टेस्ला व स्पेसएक्स के अरबपति सीईओ ने बीते शुक्रवार को अपने स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उस दृष्टिकोण के बारे में इस बारे में लिखा ।उन्होंने जो तेवर अपनाया है उससे लगता है कि वह राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित व्यय विधेयक को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प के विरूद्ध अभियान जारी रखना चाहते हैं। मस्क ने शनिवार को एक्स पर घोषणा की कि उन्होंने अमेरिका पार्टी बनाई है। मस्क, जो दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति हैं और जनवरी में ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद संघीय सरकार में क्रूर कटौती की देखरेख किये, ने लिखा, "इस पर अमल करने का एक तरीका सिर्फ 2 या 3 सीनेट सीटों और 8 से 10 हाउस जिलों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।" "बहुत कम विधायी मार्जिन को देखते हुए, यह विवादास्पद कानूनों पर निर्णायक वोट के रूप में काम करने के लिए पर्याप्त होगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे लोगों की सच्ची इच्छा को पूरा करते हैं।" लेकिन मस्क ने उन सीटों के बारे में नहीं बताया जिन पर उनकी नजर है। शुक्रवार को एक अन्य पोस्ट में, जब अमेरिका ने ब्रिटेन से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की 249वीं वर्षगांठ मनाई, तो मस्क ने अपने एक्स फॉलोअर्स से एक पोल प्रकाशित किया ।जिसमें पूछा गया कि क्या उन्हें रिपब्लिकन व डेमोक्रेट दोनों के खिलाफ लड़ने के लिए अमेरिका पार्टी बनाने के अपने पहले बताए गए विचार पर आगे बढ़ना चाहिए या नहीं? जिस पर शनिवार सुबह तक लगभग 1.25 मिलियन प्रतिक्रियाओं में से 65% से अधिक ने "हाँ" का संकेत दिया। मस्क ने पोल के साथ लिखा, जिसे उन्होंने शुक्रवार को कई बार प्रचारित किया- "स्वतंत्रता दिवस यह पूछने का सही समय है कि क्या आप दो-पक्षीय (कुछ लोग एकपक्षीय) प्रणाली से स्वतंत्रता चाहते हैं!" मस्क ने शनिवार को फिर एक्स पर पोस्ट किया: "आज, अमेरिका पार्टी आपको आपकी स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए बनाई गई है।" उन्होंने यह भी लिखा: "2 से 1 के अनुपात में, आप एक नई राजनीतिक पार्टी चाहते हैं, और आपको यह मिल जाएगी! जब हमारे देश को बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया बनाने की बात आती है, तो हम एक-पक्षीय प्रणाली में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं।" मस्क ने लोगों से जवाब मिलने के बाद उसका जो जवाब फिर से पोस्ट किया, उसमें "यूनिपार्टी" शब्द के साथ-साथ डेमोक्रेटिक व रिपब्लिकन पार्टियों के लोगों के पास दो मुंह वाले सांप की तस्वीर दिखाई गई ।लोगों ने जवाब में कहा , "यूनिपार्टी को खत्म करो।" मस्क ने जवाब में कहा: "हां।"

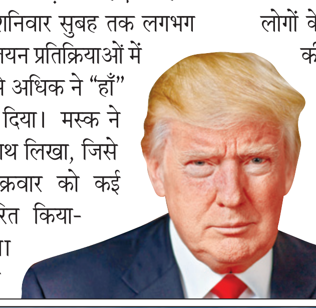

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पार्टी 2026 के मध्यावधि चुनावों के दौरान लड़ेगी ।नए राजनीतिक दलों को संघीय चुनाव आयोग के साथ औपचारिक रूप से पंजीकरण करने की आवश्यकता नहीं है "जब तक कि वे संघीय चुनाव के संबंध में कुछ सीमा से अधिक धन नहीं जुटाते या खर्च नहीं करते"। यही मस्क हैं जिन्होंने ट्रम्प के 2024 राष्ट्रपति अभियान का समर्थन करते हुए उनको जिताने के लिए 277 मिलियन डॉलर खर्च किया था । जीत के बाद राष्ट्रपति बनने पर ट्रंप ने मस्क को अनौपचारिक "सरकारी दक्षता विभाग" या डोगे का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त करके पुरस्कृत किया, जिसने अचानक और अराजक तरीके से विभिन्न सरकारी नौकरियों और कार्यक्रमों में कटौती की, जबकि दावा किया कि इससे 190 बिलियन डॉलर की बचत हुई। लेकिन डोगे के कार्यों से करदाताओं को 135 बिलियन डॉलर का नुकसान भी हो सकता है, यह बात संघीय कार्यबल का अध्ययन करने के लिए समर्पित एक गैर-पक्षपाती गैर-लाभकारी संस्था, पार्टनरशिप फॉर पब्लिक सर्विस के विश्लेषण में लिखा है।

(द गार्जियन से साभार)

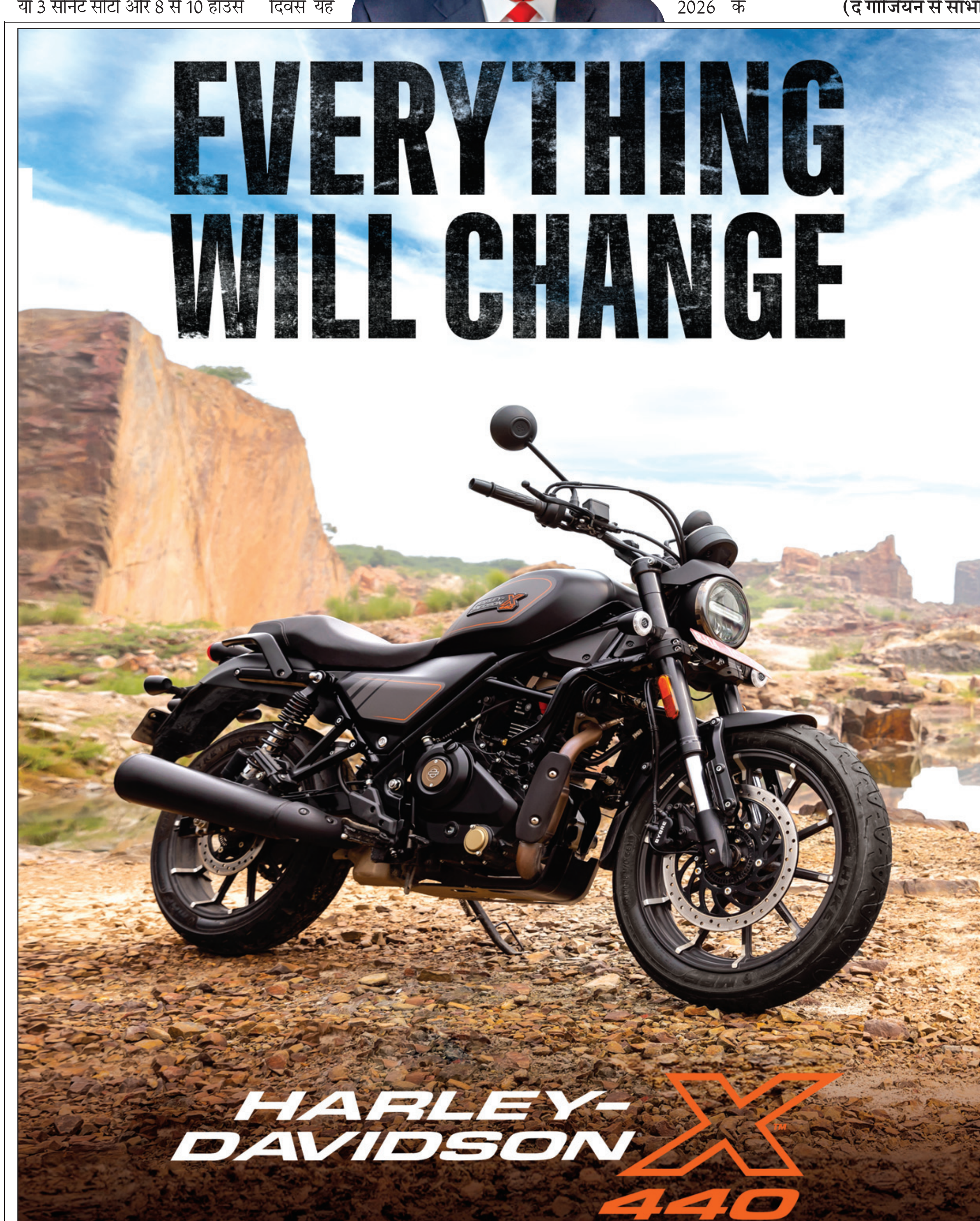

सिंगर जुबिन नौटियाल ने कहा अब दर्द भरे नगमों से रोमांटिक गीतों की ओर बढ़ रहा हूं

भारतीय संगीत उद्योग के सबसे लोकप्रिय गायकों में से एक, जुबिन नौटियाल अपनी विशिष्ट शैली और सुरीली आवाज से संगीत उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाई है।जाने-माने पार्श्व गायक जुबिन नौटियाल ने बताया कि कैसे मोहित सूरी ने उन्हें आगामी फिल्म 'सैयारा' के लिए 'बरबाद' गीत की पेशकश की।

जुबिन नौटियाल ने कहा कि वह अब गायकी में नए आयाम तलाश रहे हैं। नौटियाल ने कहा, ''मैं अब ऐसी विधाओं में भी गा पा रहा हूं जिनके बारे में मैंने कभी सोचा नहीं था। लोग अब मेरे रोमांटिक अंदाज को पसंद कर रहे हैं और मुझे नए रोमांटिक गीत गाने का मौका मिल रहा है।'' उन्होंने बताया, ''एक समय था जब मुझे दर्द भरे नगमों के साथ जोड़ा जाने लगा था। लेकिन अब मुझे 'इश्क मेरा' और 'बर्बाद' जैसे रोमांटिक गाने में प्रस्तुति देने का अवसर मिल रहा हैं, जो मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। ''बर्बाद'' फ़िल्म निर्माता मोहित सूरी की नवीनतम फ़िल्म 'सैयारा' का एक गीत है। नौटियाल ने मोहित सूरी को धन्यवाद दिया और कहा कि यह गाना उनकी आवाज के लिए जैसे विशेष रूप से तैयार किया गया था। नौटियाल ने कहा, ''मोहित को पता था कि मेरी आवाज में गाना कैसा लगेगा। वह बहुत आश्वस्त थे।

घुरती रथ यात्रा में दिखा भक्ति, श्रद्धा और परंपरा का अनुपम संगम

जगन्नाथपुर घुरती रथयात्रा में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जगन्नाथपुर घुरती रथयात्रा के दौरान रविवार को भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा रथ पर सवार हो मौसीबाड़ी से जगन्नाथपुर मुख्य मंदिर पहुंचे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बारिश के बावजूद भीड़ कम नहीं हुई। मौके पर प्रशासन और आयोजन समिति की ओर से सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के विशेष इंतजाम किया गया था।

रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर में घुरती रथ उत्सव पर भक्ति, श्रद्धा और परंपरा का अनुपम संगम देखने को मिला। सुबह मंदिर खुलते ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में दर्शन के लिए पहुंचने लगे। मंदिर प्रांगण में मंगल आरती के साथ दिन की शुरुआत हुई। आसपास के क्षेत्रों समेत कई दूसरे राज्यों और से आए श्रद्धालुओं ने मेले का आनंद उठाया।

हर धर्मावलंबियों के लिए भंडारे, जल सेवा और प्रसाद की उत्तम व्यवस्था थी। दोपहर के समय तक मंदिर परिसर में भजन मंडलियों ने भक्ति गीतों की प्रस्तुतियां दीं। स्थानीय कलाकारों ने रथ, भगवान के जीवन प्रसंग और देवी लक्ष्मी की प्रतीकात्मक कथा पर आधारित नृत्य-नाटिकाएं प्रस्तुत कीं। नागपुरी, मुंडारी सहित अन्य स्थानीय भाषा में भी गीत संगीत का आयोजन हुआ। वहीं, जैसे-जैसे शाम ढलती गई, मुख्य अनुष्ठान के साथ रथ खींचने ललक दिखी। भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा के रथ को मंदिर द्वार पर सजाया गया था। रथ की परिक्रमा के बाद आरती और दीपदान हुआ। इसमें हजारों भक्तों ने भाग लिया। मंदिर की सजावट, दीपों की रोशनी और भक्ति संगीत से पूरा परिसर भक्ति और आस्था के प्रकाश से जगमग दृश्य देखते बन रही थी।

मेले में बच्चों, परिवारों और श्रद्धालुओं की आवाजाही रात तक बनी रही। सभी भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र का जयकारा लगा रहे थे। भक्तों ने भगवान से जीवन में मंगलकामना के लिए प्रार्थना की।

घुरती रथ के दर्शन मात्र से प्राप्त होत है पुण्य

घुरती रथयात्रा शब्द का अर्थ होता है वापसी रथ यात्रा। रथयात्रा के आठवें दिन (आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी) को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा अपनी मौसीबाड़ी से पुनः अपने मूल स्थान जगन्नाथपुर मंदिर में वापस लौटते हैं। इस वापसी यात्रा को ही स्थानीय भाषा और परंपरा में घुरती रथ यात्रा कहा जाता है। घुरती रथयात्रा के दिन हजारों श्रद्धालु पुनः मंदिर पहुंचते हैं और भगवान की वापसी यात्रा में सहभागी होते हैं। मान्यता है कि घुरती रथ के दर्शन मात्र से पुण्य की प्राप्ति होती है और भगवान को वापस उनके स्थान तक पहुंचाना भक्तों के लिए अत्यंत सौभाग्य की बात होती है।

10 दिवसीय प्रचारात्मक कार्यक्रम का समापन

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग झारखंड सरकार द्वारा जगन्नाथपुर रथ मेला में 27 जून से चलाए जाने वाले प्रचारात्मक सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन रविवार को घुरती रथयात्रा के साथ हो गया। इस दस दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय रांची से पंजीकृत सांस्कृतिक दलों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। विभिन्न कला विधा के 40 कला दलों ने नागपुरी, उरांव, मुंडारी, छउ, पारंपरिक कठपुतली लोककला इत्यादि के माध्यम से झारखंड सरकार के विभिन्न जनोपयोगी विषयों, वज्रपात से बचाव, बेटी पढ़ाव बेटी बचाव, नशा उन्मूलन, अंधविश्वास एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रचारात्मक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। पद्मश्री मधु मंसुरी हसमुख एवं झारखंड के मांदर सम्राट मनपुरण नायक ने कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलादलों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

मां लक्ष्मी की घूरती नजरों ने रोक लिया भगवान जगन्नाथ का रथ

रांची। जगन्नाथपुर के मौसीबाड़ी मंदिर से वापसी की राह पर निकले भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा के रथ को एक बार फिर उस अनदेखी भावना ने थाम लिया। मान्यता के अनुसार जगन्नाथपुर के घुरती रथयात्रा के दौरान रविवार को मौसीबाड़ी मंदिर से जैसे ही रथ जगन्नाथपुर मुख्य मंदिर की ओर बढ़ने लगा, वैसे ही मां लक्ष्मी की प्रतीकात्मक झांकी ने सामने आकर उन्हें निहारना शुरू किया। एक ऐसा दृश्य, जो हर वर्ष श्रद्धा, प्रेम और प्रतीक्षा की जीवंत झांकी बन जाता है। माता लक्ष्मी की घूरती नजरों ने रथ को रोक लिया। यही घुरती रथ के रूप में जाना जाता है। जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में यह क्षण अत्यंत विशेष माना जाता है। हर कोई स्वामी जगन्नाथ, बहन सुभद्रा, भाई बलभद्र और माता लक्ष्मी की होने का आभास करते हैं। परंपरागत मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ जब बिना मां लक्ष्मी को साथ लिए मौसीबाड़ी चले जाते हैं, तो उनकी नाराजगी रथ की वापसी पर सामने आती है। घूरती रथ का यही भाव, जो हर वर्ष एक आध्यात्मिक संवाद बन जाता है। जहां भगवान मौन होते हैं और मां लक्ष्मी उनकी ओर प्रेम और उदास भाव से देखती हैं। मंदिर प्रांगण में इस दृश्य को देखने के लिए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। वैदिक मंत्रोच्चार, ढोल-नगाड़े और भजन-कीर्तन जयकारे के साथ जब रथ धीरे-धीरे मंदिर द्वार की ओर बढ़ा, तब प्रतीकात्मक रूप में मां लक्ष्मी की झांकी को रथ के सामने लाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ स्वामी, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की जयघोष करने लगे। प्रेम का यह प्रतीक उस प्रेम भाव और संबंध को दर्शाता है, जो न सिर्फ ईश्वर और देवी देवताओं बल्कि हर गृहस्थ जीवन की भावना को दर्शार्ता है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को जगन्नाथपुर के मौसी बाड़ी में पूजा-अर्चना की।

कांग्रेस अनुशासन समिति ने धनबाद के कार्यकारी अध्यक्ष को दी चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी के प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में रविवार को अनुशासन समिति की एक बैठक हुई। इसमें अनुशासन समिति के अध्यक्ष बजेंद्र सिंह, सदस्य अनादि ब्रह्म, शमशेर आलम, संयोजक अमुल्य नीरज खलखो शामिल थे। बैठक में पूरे राज्य के विभिन्न जिलों से अब तक प्राप्त अनुशासन से जुड़ी शिकायतों पर समीक्षात्मक चर्चा की गई। धनबाद जिले के कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा पर पत्रकारों के साथ मारपीट के लगे आरोपों पर भी विचार-विमर्श किया गया। मीडिया कमेटी के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी के अनुसार, बजेंद्र सिंह ने कहा कि धनबाद जिले के कार्यकारी अध्यक्ष पर लगे आरोप पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी।

कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति के खिलाफ थे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी : बाबूलाल

● कर्मवीर सिंह ने कहा- कुशल संगठनकर्ता थे डॉ श्यामा प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता

रांची/धनबाद। प्रदेश भाजपा ने रविवार को प्रदेश के सभी 27 सांगठनिक जिलों में पार्टी के प्रेरणा पुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनाई और व्यक्तित्व और कृतित्व पर गोष्ठियां आयोजित की। धनबाद महानगर जिला की ओर से आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक, विचारक, शिक्षाविद और राजनेता थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता अखंडता केलिए डॉ मुखर्जी ने अपने जान की बाजी लगा दी। स्वतंत्र भारत के इतिहास में राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए बलिदान देने वाले वे पहले राजनेता थे। मरांडी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की तुष्टीकरण की नीति का डॉ मुखर्जी ने सदा विरोध किया। उन्होंने कहा कि वे दूरद्रष्टा थे। उन्होंने एक केंद्रीय उद्योग मंत्री के रूप ने देश के विकास में अपना बड़ा योगदान दिया। सिंदरी खाद कारखाना डॉ मुखर्जी की देन है। उन्होंने कहा कि आजाद भारत में रियासतों के एकीकरण के साथ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को मजबूती प्रदान करने में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपनी महती भूमिका निभाई। पंडित नेहरू की हठधर्मिता के कारण जम्मू कश्मीर के लिए लागू 370 धारा के प्रबल विरोधी रहे। एक देश में वे दो देश नहीं देख सकते थे। प्रदेश कार्यालय में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी कुशल संगठनकर्ता थे। कर्मवीर सिंह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में लागू दो विधान, दो निशान और दो प्रधान का विरोध करते हुए उन्होंने अपनी कुर्बानी दी।

संजय सेठ ने डॉ श्यामा प्रसाद की प्रतिमा पर किया माल्यापर्ण

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर हरमू में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान विधायक नवीन जायसवाल, पूर्व पार्षद अरुण झा, मंडल भाजपा अध्यक्ष इंद्रजीत यादव, विशाल साहू, अशोक पांडे सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विचार देश को एक सूत्र में जोड़ने वाला : अमर बाउरी

रांची। भारतीय जनसंघ के संस्थापक और कश्मीर में अनुच्छेद 370 के विरोध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर रविवार को रांची महानगर भाजपा कार्यालय में उनकी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, हटिया विधायक नवीन जयसवाल ने अपने विचार व्यक्त किए। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का विचार देश को एक सूत्र में जोड़ने वाला रहा है। उनकी पूरी जिंदगी राष्ट्र के लिए समर्पित रही। उन्होंने कहा कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 के मुखर विरोधी रहे डॉ मुखर्जी ने देश की अखंडता एवं संप्रभुता के लिए अपनी प्राणों की आहुति दी। उनकी जीवनी पूरे भारत के लिए प्रेरणा है।

मोहर्रम सिर्फ मातम नहीं, उसूलों की राह पर चलने की प्रेरणा है : डॉ इरफान अंसारी

● ज़ुल्म के खिलाफ डटकर खड़े होने की सीख है मोहर्रम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारी बारिश के बीच स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी रविवार को जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र के छायाटांड़, फिटकोरिया, बिराजपुर, नारायणपुर, ढेकीपाड़ा, मिहिजाम सहित कई स्थानों पर आयोजित मोहर्रम तजिया जुलूसों में शामिल हुए और जनता के बीच जाकर एकता, भाईचारा और इंसानियत का संदेश दिया। जगह-जगह तजिया मिलन समारोह में उन्होंने मुस्लिम समाज के बुज़ुर्गों, युवाओं और बच्चों से हाथ मिलाकर, गले लगाकर आपसी सौहार्द और एकजुटता को मजबूत करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र की पहचान केवल विकास से नहीं, बल्कि भाईचारे की मिसाल से होनी चाहिए। मौके पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा की हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम ने कर्बला के मैदान में तमाम मुश्किलों, भूख-प्यास और अत्याचारों के बावजूद असत्य और ज़ुल्म के सामने घुटने नहीं टेके। उनके पास हथियार नहीं थे, संख्या बहुत कम थी, परंतु हिम्मत, उसूल और सच्चाई की ताक़त ने उन्हें अमर बना दिया। उन्होंने यज़ीद जैसे अत्याचारी को खलीफा मानने से इनकार कर दिया — भले ही इसके बदले उन्हें अपने परिवार की कुर्बानी क्यों न देनी पड़ी। यही मोहर्रम का असली पैगाम है- सच्चाई के लिए लड़ना, अन्याय का विरोध करना और अपने आदर्शों को कभी न छोड़ना। मंत्री ने कहा कि आज के समय में हम सभी को मोहर्रम से सीख लेकर जीवन में संघर्षों से न डरते हुए मजबूती के साथ आगे बढ़ना चाहिए, चाहे राह में कितनी भी रुकावटें क्यों न हों।

डॉ. अंसारी ने कहा कि वे राजनीति को सेवा का माध्यम मानते हैं मैंने खुद को इस जनता के लिए निछावर कर दिया है। चौबीसों घंटे, सातों दिन आपकी सेवा में हाज़िर हूं। किसी को भी कभी मदद की ज़रूरत हो, तो याद रखें कि आपका भाई इरफान अंसारी हर समय आपके साथ खड़ा है।

उन्होंने सभी समुदायों से आग्रह किया कि आपसी एकता, भाईचारा और धार्मिक सहिष्णुता के साथ मिलकर जामताड़ा और झारखंड को एक आदर्श राज्य बनाने में योगदान दें। मोहर्रम हमें यह सिखाता है कि ज़िन्दगी की असली जीत उसूलों पर डटे रहने में है, न कि डरकर समझौता करने में।

मोहर्रम पर झामुमो ने लगाया शिविर अखाड़ों का किया स्वागत

रांची। झामुमो रांची जिला समिति ने मोहर्रम के मौके पर मेन रोड के डेली मार्केट थाना के समीप स्वागत शिविर लगाया गया। जिससे सभी अखाड़ा धारियों का स्वागत और सम्मानित किया गया। मौके पर मुख्य रूप से पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य उपस्थित हुए और सभी को मोहर्रम की शुभकामनाएं दीं। मौके पर जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम ने सभी को मोहर्रम की बधाई दी और विभिन्न अखाड़ों का स्वागत अभिनंदन किया। साथ ही उन्होंने कहा कि झामुमो रांची जिला समिति के द्वारा हर साल यहां मोहर्रम के अवसर पर शिविर लगाया जाता है, इस साल भी हम शिविर मे सभी अखाड़ा धारियों का स्वागत कर रहे हैं। अखाड़ा धारियों को मेडल और कप देकर पुरस्कृत किया गया। हम सभी लोग मोहर्रम को आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाते हैं। झामुमो रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम के नेतृत्व मे मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य पवन जेडीया, केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक मंडली सदस्य अश्विनी शर्मा, जिला संयोजक मंडली सदस्य संध्या गुड़िया, आदिल इमाम, जीत गुप्ता, परवेज आलम गुड्डू, अजीत नायक, अरुण वर्मा, रोमा सरकार, राधा हेंब्रम, मृत्युंजय सिंह, विक्रम सिंह, कयूम अहमद, अकबर कुरैशी, रमजान रजा, अमन तिवारी, असद फेराज टिंकू, अल्ताफ राजा, उत्तम नायक, मो अली, संचित रंजन, अरविन्द बैठा एवं अन्य उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष

रास्ता बदलने को...

जहां घायलों का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और पाटन थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। घायल की जानकारी लेने शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल राजभर अस्पताल पहुंचे। डीआइजी नौशाद आलम ने बताया कि जुलूस तय रास्ते से जा रहा था लेकिन बारिश होने के कारण रूट को बदला दिया गया। जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। जिसके कारण विपद बढ़ गया है और ग्रामीणों के साथ झड़प हो गयी। सभी घायल बेहतर स्थिति में हैं और उनका इलाज चल रहा है। दोषियों पर कार्रवाई होगी। पुलिस घटना स्थल पर मौजूद हैं।

एआई के युग में हर सप्ताह टेक्नोलॉजी होती है...

प्रबोवो सुबियांटो को भारत की ओर से बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ अक्सर दोहरे मापदंडों का शिकार होता रहा। चाहे विकास की बात हो, संसाधनों का वितरण हो या सुरक्षा से जुड़े विषय हों, ग्लोबल साउथ के हितों को प्राथमिकता नहीं मिली है। जलवायु वित्त, सतत विकास और प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर ग्लोबल साउथ को कभी कुछ नहीं मिला। पीएम मोदी ने कहा कि 20वीं सदी में बने वैश्विक संस्थानों में मानवता के दो-तिहाई हिस्से को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। जिन देशों का आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान है, उन्हें निर्णय लेने के मंच पर नहीं बैठाया गया है। यह केवल प्रतिनिधित्व का प्रश्न नहीं है, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी प्रश्न है। बिना ग्लोबल साउथ के ये संस्थाएं वैसी ही लगती हैं, जैसे मोबाइल में सिम तो है, पर नेटवर्क नहीं। ये संस्थान 21वीं सेंचुरी की चुनौतियों से निपटने में असमर्थ हैं। विश्व के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष हों, महामारी हों, आर्थिक संकट हों, या साइबर और स्पेस में नई उभरती चुनौतियों को लेकर इन संस्थानों के पास कोई समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि 'ब्रिक्स' का विस्तार, नए मित्रों का जुड़ना, इस बात का प्रमाण है कि 'ब्रिक्स' एक ऐसा संगठन है, जो समय के अनुसार खुद को बदलने की क्षमता रखता है। अब यही इच्छा शक्ति हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, डब्ल्यूटीओ और बहुपक्षीय विकास बैंक जैसे संस्थानों में रिफॉर्म के लिए दिखानी होगी। एआई के युग में हर सप्ताह टेक्नोलॉजी अपडेट होती है। ऐसे में ग्लोबल इंस्टीट्यूशन का 80 वर्ष में एक बार भी अपडेट न होना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी की सॉफ्टवेयर को 20वीं सदी के टाइप राइट्स से नहीं चलाया जा सकता। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने सदैव अपने हितों से ऊपर उठकर मानवता के हित में काम करना अपना दायित्व समझा है। हम 'ब्रिक्स' देशों के साथ मिलकर सभी विषयों पर रचनात्मक योगदान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

महीने भर भी नहीं चला लाखों का पुल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। एनएच 75 पर मुरगू के पास पिछले 4 वर्षों से निर्माणाधीन पुल अभी हैंडओवर भी नहीं हुआ और दोनों तरफ धंस गया है, जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है।

भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने इस पर सवाल उठाते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने मांग की है कि पुल को तोड़कर फिर से बनाया जाए।

हटिया मजदूर यूनियन के एचईसी मजदूरों ने फूंका बिगुल

रांची (हि.स.)। हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) की कार्यकारिणी बैठक यूनियन के प्रधान कार्यालय, धुर्वा में रविवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन अध्यक्ष भवन सिंह ने की। उन्होंने कहा कि एचईसी मजदूरों की आवाज को बुलंद करने और केंद्र सरकार की ओर से किए गए श्रम कानूनों में संशोधन के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल के लिए रणनीति बनी है। सबों को मिलकर हड़ताल को सफल बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से लाए गए एफटीई जैसे प्रावधान मजदूरों के अधिकारों का हनन है। इससे ठेका मजदूरों की सुविधाएं कट गई हैं और उन्हें पुराने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। भवन सिंह ने कहा कि नए श्रम संहिता से मजदूरों की पेंशन, बोनस, सामाजिक सुरक्षा, छुट्टी जैसे मौलिक अधिकारों को खत्म करने वाले दस्तावेज बनाए गए हैं।

कहां गई 7 एकड़ 39 डिसमिल गैर मजरूआ जमीन

नदी नाले के जमीन हो रहे अतिक्रमण के शिकार

● भू-माफिया के कारण जल स्रोत खतरे में

मनोज मिश्रा

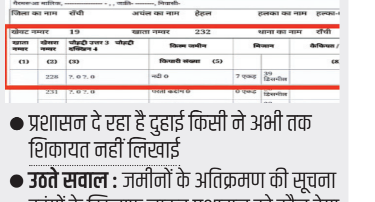

खाता नम्बर	खेसरा नम्बर	चौहद्दी उत्तर 3 चौहद्दी दक्षिण 4	किस्म जमीन	रकबा	
(1)	(2)	(3)	किस्वारी संख्या (5)		
	228	?.0?.0	नदी 0	7 एकड़	39 डिसमील
	231	?.0?.0	परती कदीम 0	0 एकड़	डिसमील

● प्रशासन दे रहा है दुहाई किसी ने अभी तक शिकायत नहीं लिखाई

● **उठते सवाल :** जमीनों के अतिक्रमण की सूचना दबंगों के खिलाफ जाकर प्रशासन को कौन देगा

रांची। नदी नालों के जमीन अतिक्रमण का सिलसिला रुक नहीं रहा है, रोज-रोज अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है पुल, नदी, नाले सिमटते जा रहे हैं और दबंगों भू माफियाओं का आतंक सर चढ़कर बोल रहा है। ऐसा ही एक मामला पंडरा पुल के नदी का है। यहां 7 एकड़ 39 डिसमिल गैर मजरूआ जमीन जिसका नेचर नदी का है, यह हेहल अंचल अतर्गत खतियान में खाता नंबर 232 और प्लॉट नंबर 228 में दर्ज है, मगर यह जमीन गायब है। इसमें कितनी जमीन पर अतिक्रमण हुआ इसकी जांच होनी चाहिए जांच की आंच जब तक दबंगों तक नहीं पहुंचेगी तब तक यह सिलसिला जारी रहेगा। नदी नाले पर अतिक्रमण होता रहता है, घरें बनाई जाती है, ग्रीनफील में दुकान खोलें जाते हैं बड़े-बड़े प्रतिष्ठान स्थापित किए जाते हैं। प्रशासन सब देखते हुए भी खामोश रहती है उनका कहना है कि किसी ने लिखित शिकायत कर अतिक्रमण की जानकारी नहीं दी है। अब सवाल उठता है की नदी नालियों का अतिक्रमण होता रहेगा तो इसकी लिखित सूचना कौन देगा। जिस राजधानी में 80% गोली कांड भूमि विवाद के कारण होते हैं उस राजधानी में प्रशासन यह अपेक्षा करती है कि दबंगों और भूमाफियाओं के द्वारा नदी नालों की जमीन अतिक्रमण की जा रही है इसकी लिखित सूचना प्रशासन को कोई आम जनता दे। गैर मजरूआ जमीन सरकार की है इसे बचाने का काम प्रशासन का है। इसमें आम जनता का क्या रोल आम जनता से क्यों यह अपेक्षा की जाती है कि उन्हें लिखित शिकायत दी जाएगी आपकी जमीन है आप खुद रक्षा करें। गैर मजरुआ जमीन सरकार की होती है इसकी रक्षा करना प्रशासन का दायित्व होता है अपनी दायित्व में पीछे रहने वाली हेहल अंचल आम जनता से सहयोग की अपेक्षा करती है कि वे भू माफियाओं के खिलाफ खड़े हो जाएं और अंचल में लिखित शिकायत करें कि अमुक जमीन का अतिक्रमण हो रहा है। एक तरफ जल, जंगल जमीन बचाने की बात हो रही है वहीं नदी नाले सूखते जा रहे हैं जमीन का अतिक्रमण हो रहा है गैरमजरूआ जमीनों के बड़े बड़े प्लॉट भूमाफियाओं के हाथों में पहुंच रहे हैं। जल ही जीवन होता है मगर राजधानी में भू माफियाओं के आतंक ने जल स्रोत को ही खतरे में डाल दिया है। एक तरफ गर्मी के दिनों में पीने के पानी का हाहाकार मचता है उसी स्थान पर बरसात में बाढ़ मिलता है। एक तरफ कुआं दूसरे तरफ खाई और बीच में अटकी जनता की भलाई। इसमें प्रशासन दे रहा है दुहाई किसी ने अभी तक शिकायत नहीं लिखाई।

न्यूज बॉक्स

इन्फेक्शन से पीड़ित प्रिंस मास्वाउरे नहीं खेल सके दूसरा टेस्ट

बुलावायो। जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज प्रिंस मास्वाउरे 'रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन' से पीड़ित हैं, जिसके चलते वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नहीं उतर सके। यह मैच रविवार से क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेला जा रहा है। टॉस से पहले प्रिंस मास्वाउरे को 'रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन' के चलते खेलने के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। 'जिम्बाब्वे क्रिकेट' ने बयान में कहा, "मास्वाउरे रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन से पीड़ित हैं और उन्हें खेलने के लिए अयोग्य घोषित किया गया है।" मास्वाउरे को सीरीज के पहले टेस्ट में ब्रायन बेनेट की जगह शामिल किया गया था। ब्रायन बेनेट फिलहाल खुद चोटिल हैं, उन्हें पहले टेस्ट के दौरान चोट लगी थी। 36 वर्षीय प्रिंस मास्वाउरे ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत साल 2016 में की थी। उन्होंने अब तक 10 टेस्ट मुकाबलों की 19 पारियों में चार अर्धशतकों की मदद से 1,268 रन बनाए हैं।

पिछले सीजन में कई रिकॉर्ड टूटे उम्मीदें और भी बड़ी : रोहन जेटली

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6 और 7 जुलाई को होने जा रही है। इससे पहले नए सीजन के लिए रविवार को जर्सी का अनावरण हुआ। इस मौके पर दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) अध्यक्ष रोहन जेटली ने उम्मीद जताई है कि पिछले सफल सीजन की तुलना में इस साल लीग और भी बेहतर बनेगी। रोहन जेटली ने कहा, "पिछले साल शानदार ओपनिंग सीजन में समय की कमी और सीमित दिनों के बावजूद हम लीग को असाधारण बनाने में कामयाब रहे। पिछले सीजन इस आयोजन को सफल बनाने के लिए जितनी कड़ी मेहनत की गई, उसके लिए मैं आभारी हूं।" पिछले सीजन डीपीएल की लोकप्रियता को लेकर रोहन जेटली ने कहा, "सोशल मीडिया पर 200 मिलियन से अधिक वीडियो देखे गए, विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर 100 मिलियन से ज्यादा आउटरीच रही।

पंत के डीपीएल खेलने से युवा खिलाड़ी प्रेरित : डीडीसीए अध्यक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के आगामी सत्र के लिए 'पुरानी दिल्ली 6' ने स्टार क्रिकेटर ऋषभ पंत को टीम में बनाए रखा है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली के अनुसार पंत के खेलने से युवा खिलाड़ी प्रेरित होते हैं। रोहन जेटली ने आईएएनएस से कहा, "जब ऋषभ पंत खेलते हैं, तो लीग में युवा खिलाड़ियों के लिए एक माहौल बनता है। वह प्रेरित होते हैं। पंत भारत के लिए खेल रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद दिल्ली के लिए डोमेस्टिक स्टेट लीग भी खेल रहे हैं। आयुष बडोनी, दिग्वेश राठी, प्रियांश आर्य जैसे कई खिलाड़ी पिछले साल लीग में खुद को साबित करने के बाद नेशनल लेवल पर खेले।" डीपीएल में इस सीजन दो नई टीमें भी लीग में जुड़ चुकी हैं। 'आउटर दिल्ली' और 'नई दिल्ली' इस सीजन की नई टीमें हैं। रोहन जेटली के अनुसार इस प्लेटफॉर्म का मकसद नए टैलेंटेड खिलाड़ियों को तराशना है।

टेक्सास सुपर किंग्स ने सिएटल ओकार्स को 51 रन से रौंदा

नई दिल्ली। टेक्सास सुपर किंग्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 28वें मैच को अपने नाम किया। यह मुकाबला फ्लोरिडा में खेला गया, जिसमें सिएटल ओकार्स को 51 रन से करारी हार झेलनी पड़ी। टेक्सास सुपर किंग्स 10 में से सात मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर मौजूद है। टीम पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है। वहीं, सिएटल ओकार्स ने 10 में से सात मैच गंवा दिए हैं। टीम के पास अभी भी अगले दौर में पहुंचने का मौका है। टेक्सास सुपर किंग्स के अलावा सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स और वाशिंगटन फ्रीडम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। वहीं, लास एंजिल्स नाइट राइडर्स इस रेस से बाहर हो चुकी है।

दोहरा शतक मारने की करूंगा कोशिश' : वैभव सूर्यवंशी

नई दिल्ली। इंग्लैंड अंडर 19 टीम के खिलाफ चौथे यूथ वनडे मैच में 143 रन की रिकॉर्डतोड़ पारी खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी ने अपने अगले लक्ष्य को लेकर खुलासा किया है। उन्होंने कहा है कि वह अगले मैच में 200 रन मारने की कोशिश करेंगे। भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में सबसे तेज शतक जड़कर नया कीर्तिमान बनाया। सूर्यवंशी ने महज 52 गेंदों में शतक पूरा किया और पाकिस्तान के कामरान गुलाम द्वारा 2013 में बनाए गए 53 गेंदों के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। युवा बल्लेबाज ने मैच में 78 गेंदों पर 143 रन की धमाकेदार पारी खेली, जिसमें 13 चौके और 10 छक्के शामिल थे। अपने रिकॉर्डतोड़ शतक को लेकर बात करते हुए वैभव बताया है कि उनका अगला लक्ष्य दोहरा शतक लगाना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में वैभव ने कहा कि मुझे पता नहीं था कि 100 बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बनाया है, हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल से वैभव सूर्यवंशी को काफी इंस्पिरेशन मिली है। गिल ने जब इंग्लैड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में दोहरा शतक लगाया तो वैभव वहां मौजूद थे। वैभव ने कहा, "काफी इंस्पिरेशन मिला उनसे, मैने गेम देखा, 100 और 200 बनाने के बाद भी उन्होंने गेम छोड़ा नहीं और टीम को आगे ले गए।" 143 रन पर आउट होने को लेकर वैभव ने कहा, "मैं और लंबा कर सकता था क्योंकि काफी टाइम था मेरे पास, 20 ओवर बचे थे। अपनी पारी को लंबा कर सकता था। एक शॉट था जो मैं 100 प्रतिशत नहीं दे पाया जिसकी वजह से मैं आउट हो गया।" वैभव सूर्यवंशी ने अपने अगले लक्ष्य को लेकर कहा, "अगले मैच में ट्राई करूंगा कि 200 करूं और पूरे 50 ओवर खेलूं। जितने मैं रन करूं उतना टीम को फायदा होगा तो अगले मैच में मैं कोशिश करूंगा पूरा मैच खेलूं, यही मेरा फोकस रहेगा।

सीरीज में शानदार प्रदर्शन

इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज में वैभव सूर्यवंशी बेहतरीन फॉर्म में हैं। चौथे वनडे से पहले युवा बल्लेबाज ने 48, 45 और 86 रन बनाए थे। चौथे मैच में 143 रन की पारी खेलने के साथ वह सीरीज में अबतक कुल 322 रन बना चुके हैं।

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका)। कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया। चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था। कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3:49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पिछले साल जुलाई में पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान बनाया था।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लंदन के इंडिया हाउस में भव्य स्वागत

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इन दिनों पांच मैचों की टी20 और तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड में हैं। दोनों टीमों के बीच पहले टी20 सीरीज खेली जा रही है, जिसमें भारतीय टीम 2-1 से आगे चल रही है। दोनों टीम के बीच चौथा टी20 मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा। इस बीच हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम का लंदन के इंडिया हाउस में एक समारोह में भव्य स्वागत किया गया। मुख्य कोच अमोल मजूमदार के नेतृत्व में भारतीय टीम और सहयोगी स्टाफ शनिवार शाम को भारतीय उच्चायोग के प्रांगण में आयोजित समारोह में शामिल हुए। यूनाइटेड किंगडम में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने उनका स्वागत किया। हाई कमीशन ऑफ इंडिया इन लंदन ने रविवार ने 'एक्स' पर बताया कि कल (शनिवार) इंडिया हाउस में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने टीम का स्वागत किया और महिला क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने तथा युवा लड़कियों को प्रेरित करने में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। ईसीबी क्रिकेट की प्रतिनिधि शिवानी ओबेरॉय, यूके की मंत्री सीमा मल्होत्रा और कोच अमोल मजूमदार ने भी इस अवसर पर बात रखी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण उप उच्चायुक्त सुजीत जॉय घोष द्वारा संचालित एक हल्की-फुल्की बातचीत थी, जिसमें टीम के खिलाड़ी स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, शैफाली वर्मा और कोच अमोल मुजुमदार शामिल थे।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) वुमेन ने इस कार्यक्रम को यादगार बताते हुए रविवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर वीडियो शेयर किया है। बीसीसीआई वुमेन ने लिखा कि टीम इंडिया के लिए एक यादगार शाम रही, जब लंदन में भारतीय उच्चायोग ने टीम को रात्रि भोज के लिए आमंत्रित किया। बीसीसीआई ने आगे बताया कि टीम इंडिया ने उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को हस्ताक्षरित जर्सी भेंट की।

टीम इंडिया ने 336 रनों से जीता एजबेस्टन दूसरा टेस्ट

आकाश दीप ने झटके छह विकेट

एजबेस्टन। भारत ने एजबेस्टन टेस्ट जीत लिया है। इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन उसकी पूरी टीम दूसरे सत्र में ही 271 रन पर सिमट गई और भारत ने 336 रन से मैच जीत लिया। आकाश दीप ने दूसरी पारी में छह विकेट और मैच में कुल 10 विकेट लिए। रनों के आधार भारत की इंग्लैंड के खिलाफ यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ अब दोनों टीमें सीरीज में 1-1 की बराबरी पर आ गई हैं। तीसर मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। इससे पहले पांचवें दिन का खेल बारिश की वजह से लगभग दो घंटे की देरी से शुरू हुआ। इंग्लैंड ने चौथे दिन के स्कोर तीन विकेट पर 77 रन से आगे खेलना शुरू किया। चौथे दिन के आखिरी सत्र में कहर बरपाने वाले आकाश दीप ने पांचवें दिन मैच शुरू होते ही अपना वही रंग दिखाया और अगले कुछ ही मिनट में इंग्लैंड के दो बड़े बल्लेबाजों ओली पोप और हैरी ब्रूक को पवेलियन भेज दिया। दो शुरुआती झटकों के बाद इंग्लैंड का स्कोर 83/5 हो गया।

कप्तान बेन स्टोक्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज जेमी स्मिथ के साथ पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन छठे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी करने के बाद वह 33 रन बनाकर वाशिंगटन सुंदर का शिकार बने। स्टोक्स छठे विकेट के रूप में तब आउट हुए, जब टीम का स्कोर 153 रन था। उनका विकेट गिरने के बाद भारत की जीत लगभग तय हो गई। विकेटकीपर जेमी स्मिथ एकमात्र बल्लेबाज रहे, जो भारतीय गेंदबाजों का सामना कर सके। पहली पारी में नाबाद 184 रन बनाने वाले स्मिथ इस पारी में भी तेजी से शतक की तरफ बढ़ रहे थे, लेकिन 88 के स्कोर पर उन्हें आउट कर आकाश दीप ने न सिर्फ पारी का अपना पांचवां विकेट लिया, बल्कि भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। आकाश दीप ने अपने टेस्ट करियर में पहली बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया। स्मिथ का विकेट गिरते ही इंग्लैंड की पारी 271 रन पर सिमट गई। आकाश दीप ने छह विकेट लिए। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने एक-एक विकेट लिए। आकाश दीप इंग्लैंड में किसी टेस्ट मैच में 10 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। इससे पहले चेतन शर्मा ने 1986 में इसी मैदान पर 10 विकेट लिए थे।

नीदरलैंड के खिलाफ शानदार फील्ड गोल के लिए दीपिका पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका को पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। उन्हें यह उपलब्धि 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के दौरान विश्व नंबर एक नीदरलैंड के खिलाफ अपने अविश्वसनीय एकल फील्ड गोल के लिए मिली है।

हॉकी इंडिया के अनुसार 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग सीजन के लिए पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के लिए नामांकन शुक्रवार को जारी किए गए और वोट करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई को सुबह 3:29 बजे (भारतीय समयानुसार) है। वोटिंग समाप्त होने के बाद विजेता की घोषणा की जाएगी। पॉलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के विजेता का फैसला दुनिया भर के हॉकी प्रशंसकों द्वारा इस आधार पर किया जाता है कि उन्हें लगता है कि सीजन के दौरान सबसे

अच्छा पल और गोल किसने किया।

दीपिका का प्रतिष्ठित क्षण फरवरी 2025 में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान हुआ, जब भारतीय टीम ने कलिंगा स्टेडियम में 2-2 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। मैच में भारतीय टीम दो गोल से पीछे चल रही थी, लेकिन35वें मिनट में दीपिका ने एक शानदार फील्ड गोल किया था।

ताइक्वांडो टूर्नामेंट में मुरादाबाद की टीम बनी विजेता

लखीमपुर। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड का सीआईएससीई जोनल लेवल दो दिवसीय ताइक्वांडो टूर्नामेंट का आयोजन लखनऊ पब्लिक स्कूल में किया गया। जिसमें मुख्य रूप से सीक्रेट हार्ट पब्लिक स्कूल संभल मुरादाबाद, सीपी विद्या निकेतन फर्रुखाबाद कायमगंज, गुरुकुल अकादमी पलिया आदि टीमों के बच्चों ने प्रतिभाग किया। सेक्रेड हार्ट स्कूल, मुरादाबाद की टीम विजेता बनी। लखनऊ पब्लिक स्कूल के अजिष्ठ पटेल, विराट प्रताप सिंह और शोभित सलूजा ने गोल्ड मेडल पाया तथा रुद्रांश प्रजापति, अमोघ, समीर, अविका शर्मा ने सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

शुभमन गिल ने साबित किया, नंबर-4 पर बैटिंग के लिए पूरी तरह से तैयार हैं : सरनदीप

एजेंसी। नई दिल्ली

इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया इतिहास रचने के करीब है। एजबेस्टन में जारी दूसरे टेस्ट में भारत जीत से महज सात विकेट दूर है। पूर्व क्रिकेटर सरनदीप सिंह के मुताबिक शानदार फॉर्म दिखाते हुए शुभमन गिल ने अपने आलोचकों को जवाब दे दिया है। उन्होंने साबित किया है कि वह विराट कोहली के बाद नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। शुभमन गिल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 147 रन जड़े थे। दूसरे टेस्ट में उन्होंने 269 और 161 रन की पारी खेली। सरनदीप सिंह ने आईएएनएस से कहा, "टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले शुभमन गिल की कप्तानी को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे। उनकी फॉर्म को लेकर बातें हो रही थीं, लेकिन उन्होंने दबाव को हैंडल किया और खूबसूरती से बल्लेबाजी करते हुए सभी को संदेश कि नंबर-4 पर बैटिंग के लिए वह पूरी

तरह से तैयार हैं। मैं उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं।" टीम इंडिया एजबेस्टन में नौंवा टेस्ट मैच खेल रही है। इससे पहले यहां हुए आठ मुकाबलों में उसे सात बार हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ रहा था। भारत के लिए तीन टेस्ट और पांच वनडे मैच खेल चुके सरनदीप सिंह ने कहा, "भारत के पास दूसरे टेस्ट के अंतिम दिन इंग्लैंड को मात देने का मौका है। इंग्लैंड एजबेस्टन में भारत से कभी टेस्ट नहीं हारा है, लेकिन इस बार टीम इंडिया के पास मौका है। वह भारतीय टीम, जिसके पास जसप्रीत बुमराह नहीं है, जिसमें नए खिलाड़ी हैं।" इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट की पहली पारी में मोहम्मद सिराज ने छह विकेट चटकाए, जबकि आकाश दीप के हाथ चार विकेट लगे थे। दूसरी पारी में सिराज एक विकेट ले चुके हैं, जबकि आकाश दीप ने दो विकेट झटके हैं। शुरुआती चार दिनों में इंग्लैंड के सभी 13 विकेट इन्हीं दोनों गेंदबाजों ने निकाले हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

सोना इस हफ्ते 1,200 रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 1.07 लाख रुपए के पार

एजेंसी। नई दिल्ली

सोने और चांदी दोनों की कीमत में इस हफ्ते बढ़त देखी गई है। सोने के दाम में 1,200 रुपए से अधिक का इजाफा हुआ। वहीं, चांदी का भाव 2,300 रुपए से अधिक बढ़ गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 97,021 रुपए है, जबकि एक हफ्ते पहले इसी दिन यह 95,784 रुपए थी, जो कि सोने की कीमत में 1,237 रुपए की बढ़त को दर्शाता है।

22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 88,871 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 87,738 रुपए था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 71,838 रुपए प्रति 10 ग्राम

से बढ़कर 72,766 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

वहीं, समीक्षा अवधि में चांदी की कीमत 2,387 रुपए बढ़कर 1,07,580 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,05,193 रुपए प्रति किलो थी। चांदी अपने उच्चतम स्तर के करीब बनी हुई है। 18 जून को चांदी ने 1,09,550 रुपए प्रति किलो का ऑल-टाइम हाई बनाया था। सोने और चांदी में बढ़त की वजह वैश्विक अस्थिरता माना जा रहा है।

फ्री ट्रेड एग्रीमेंट कभी भी राष्ट्रीय हितों की कीमत पर नहीं होंगे : पीयूष गोयल

एजेंसी। श्रीनगर

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) कभी भी राष्ट्रीय हितों की कीमत पर नहीं होंगे।

श्रीनगर में एफटीआईआई ट्रेडर्स कॉन्क्लेव में बोलते हुए गोयल ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि सभी व्यापार सौदे पारस्परिक हों और भारतीय व्यापारियों और निर्माताओं के हितों की रक्षा करें।

उन्होंने कहा, "एफटीए पर हस्ताक्षर इसलिए किए जाते हैं ताकि हमारे स्थानीय सामानों को अन्य देशों में शुल्क मुक्त पहुंच मिल सके और अन्य बाजारों तक पहुंचने में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके। लेकिन यह स्वाभाविक है कि एफटीए में दोतरफा व्यापार होगा। ऐसा नहीं हो सकता कि वे हमारे सामानों के लिए अपने बाजार खोलें जबकि हम नहीं।"

क्षेत्र के व्यापारियों को स्पष्ट संदेश देते हुए मंत्री ने कहा कि केंद्र विदेशी भागीदारों के साथ बाजार पहुंच पर बातचीत करते समय संवेदनशील क्षेत्रों या क्षेत्रीय चिंताओं से समझौता नहीं करेगा।

उन्होंने कहा, "व्यापारियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हम जो भी एफटीए करेंगे, उसमें जम्मू-कश्मीर और पूरे देश के हितों को ध्यान में रखा जाएगा।"

गोयल की यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है जब भारत-अमेरिका के बीच एफटीए को लेकर बातचीत चल रही है। यह व्यापार समझौता भारतीय निर्यात को अमेरिकी टैरिफ वृद्धि से छूट देगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत व्यापार का विस्तार करने के लिए तैयार है, लेकिन सभी समझौते निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, घरेलू क्षमता निर्माण और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती सुनिश्चित करने के लिए बनाए जाएंगे।

भारत को आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय भागीदार बनना है: गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता दुनिया के कुछ सबसे उन्नत क्षेत्रों को सशक्त बना रही है। साथ ही कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय भागीदार बनाना है।

बीते एक दशक में तीन गुना बढ़ा भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार

एजेंसी। नई दिल्ली

मजबूत आधार और लगातार अच्छे प्रदर्शन के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार बीते एक दशक में तीगुना बढ़कर होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 331.03 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 2014-15 में 106.57 लाख करोड़ रुपए था। यह जानकारी रविवार को जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों में दी गई।

आधिकारिक आंकड़ों में बताया गया कि भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जो कि वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक है।

देश की अर्थव्यवस्था ऐसे समय पर बढ़ रही है, जब दुनिया की अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाएं विकास के लिए संघर्ष कर रही हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि यह गति 2025-26 में भी जारी रहेगी। अन्य अनुमान भी इसी आशावाद को दोहराते हैं, संयुक्त राष्ट्र ने इस साल 6.3 प्रतिशत और अगले साल 6.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने अपने अनुमान को थोड़ा अधिक 6.4 से 6.7 प्रतिशत पर रखा है।

सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह निरंतर प्रदर्शन मजबूत घरेलू मांग से प्रेरित है। ग्रामीण खपत में तेजी आई है, शहरी खर्च बढ़ रहा है, और निजी निवेश में तेजी आ रही है। व्यवसाय क्षमता का विस्तार कर रहे हैं, जिनमें से कई अपने अधिकतम उत्पादन स्तर के करीब परिचालन कर रहे हैं। साथ ही, सार्वजनिक निवेश विशेष रूप से बुनियादी ढांचे में उच्च स्तर पर बना हुआ है।